THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 27 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.11 2082 गुरुवार, 24 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हमले के विरोध में पूरा जम्मू-कश्मीर बंद

जम्मू, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में 35 साल में पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बुधवार को बंद रहा। पहलगाम पर्यटन स्थल में हुई हत्याओं के विरोध में बंद के आह्वान का सभी क्षेत्रों के संगठनों ने समर्थन किया। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को एक प्रमुख पर्यटन स्थल पर आतंकवादियों ने हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे और कई अन्य घायल हो गए। घाटी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, खासकर महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर कड़ी सुरक्षा की गई है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में अधिकांश दुकानें, पेट्रोल पंप और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। उन्होंने बताया कि शहर भर में केवल आवश्यक वस्तुओं की दुकानें ही खुली रहीं।

मोदी सरकार का बड़ा एक्शन

पाकिस्तान से सिंधू समझौता खत्म, पाकिस्तानियों का वीजा रद्द

पाकिस्तानी नागरिकों को एक मई तक भारत छोड़ने का आदेश ✻ अटारी चेक पोस्ट भी बंद

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ बड़ा एक्शन किया है। सरकार ने पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता रोक दिया है। इसके अलावा सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को एक मई तक भारत छोड़ने का आदेश दिया है। विदेश मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। पहलगाम हमले में 28 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे, और कई लोग घायल हुए। यह 2019 के पुलवामा हमले के बाद कश्मीर घाटी में सबसे घातक आतंकी हमला माना जा रहा है।

विदेश मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस की एक जरूरी बैठक हुई। सीसीएस ने इस हमले की कड़ी निंदा की। दुनियाभर के देशों ने इस हमले की निंदा की है। आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है।

पहलगाम हमले के बाद सरकार ने कडे फैसले

सरकार ने पाकिस्तान और भारत के बीच सिंधु जल समझौता खत्म करने का फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने भारत में पाकिस्तान के उच्चायोग को बंद करने का फैसला किया है। पाकिस्तानी राजदूत को 48 घंटे में भारत छोड़कर जाना होगा। इसके अलावा भारत में पाकिस्तानी नागरिकों को भी रहने की अनुमति नहीं होगी। पाक नागरिकों के वीजा रद्द किए गए हैं। एक सप्ताह के भीतर उन्हें देश छोड़ना होगा। सरकार ने अटारी चेक पोस्ट को भी बंद कर दिया है।

पीएम मोदी ने की सीसीएस की बैठक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़कर बुधवार सुबह दिल्ली लौटे, ने इस हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया है और कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक बुलाई। दूसरी ओर, गृह मंत्री अमित शाह ने श्रीनगर में पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए इस हमले ने देश और दुनिया को झकझोर दिया है। अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान, और सऊदी अरब सहित कई देशों ने इसकी कड़ी निंदा की है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का आश्वासन दिया।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पूरे देश में गुस्से का माहौल है। सेना ने आतंकियों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। दो आतंकी ढेर हो चुके हैं।

'जहां से लौटने की गारंटी न हो, वहां कैसे ले जाएं अपने परिवार 90% बुकिंग कैंसिल'

जम्मू, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद, दिल्ली की कई ट्रैवल एजेंसियों ने बुधवार को बताया कि पर्यटकों ने कश्मीर के लगभग 90 प्रतिशत बुकिंग्स रद्द कर दी हैं। स्वान ट्रैवलर्स (कॉनॉट प्लेस, शंकर मार्केट) के मालिक गौरव राठी ने बताया कि लगभग 25 पर्यटकों ने जम्मू-कश्मीर की अपनी बुकिंग्स रद्द करने को कहा है। उनका कहना था कि ज्यादातर पर्यटक मई में कश्मीर जाना चाहते थे, लेकिन अब सुरक्षा कारणों से वे अपनी यात्राएं रद्द कर रहे हैं। मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे, आतंकियों ने पहलगाम की बायसरन घाटी में पहाड़ियों से उतरकर पर्यटकों पर गोलियां बरसाईं। यह इलाका अपनी हरी-भरी घाटियों के कारण मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से जाना जाता है और बेहद लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। इस घातक हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए, अधिकांश पर्यटक थे। दिल्ली की पर्यटन कंपनियों ने बताया कि गुलमर्ग, हजन वैली और ट्यूलिप गार्डन के लिए लगभग सभी टिकट रद्द हो चुके हैं।

हमले में पाकिस्तान का हाथ, दो लोकल और दो पाकिस्तानी शामिल

✻ सुरक्षाबलों ने कई लोगों को हिरासत में लिया

✻ तीन संदिग्धों के स्केच जारी

जम्मू, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले पर एक बड़ा खुलासा हुआ है। हमले में शामिल चार आतंकियों को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। हमले में दो स्थानीय आतंकी और दो पाकिस्तानी आतंकियों की भूमिका की जानकारी मिली है। संदिग्ध आतंकियों के स्केच भी जारी किए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद देश में उबाल है। सुरक्षा एजेंसियां दहशतगर्दों की तलाश में जुटी है। हेलीकॉप्टर, ड्रोन से आतंकियों की तलाश की जा रही है। इस बीच, आतंकी हमले पर नया अपडेट आया है। जानकारी मिली है कि पहलगाम हमले में दो पाकिस्तानी दहशतगर्द भी शामिल थे। उनके साथ में दो स्थानीय आतंकी भी थे। अब तक चार आतंकियों के बारे में जानकारियां सामने आई हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने हमला करने वाले तीन आतंकियों के स्केच भी जारी किए हैं। बायसरन घाटी में मंगलवार को आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग पर्यटक घायल हैं। आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाते हुए गोलीबारी की। आतंकी हमले के बाद बुधवार सुबह से सेना से लेकर एनआईए, पुलिस और अन्य एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। ड्रोन और हेलिकॉप्टर से चप्पे-चप्पे पर निगरानी की जा रही है। साथ ही आतंकियों की तलाश की जा रही है। जम्मू कश्मीर से दिल्ली तक हाई अलर्ट जारी है। बायसरन घाटी में हुए हमले में शामिल दो स्थानीय आतंकियों की पहचान कर ली गई है। दो पाकिस्तानी आतंकियों की भी पहचान हुई है। मंगलवार को आतंकियों ने करीब 20 मिनट तक एके-47 से गोलीबारी की थी। स्थानीय आतंकियों के नाम आदिल अहमद ठाकुर और आशिफ शेख बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, आदिल ठाकुर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। आदिल गुरी, बिजबेहड़ा का रहने वाला बताया जा रहा है। आशिफ शेख का जैश-ए-मोहम्मद से कनेक्शन बताया जा रहा है। आशिफ मोंघामा, मीर मोहल्ला (त्राल) का रहने वाला बताया जा रहा है। जानकारी यह भी मिली है कि हमले के कुछ आतंकियों ने बॉडी कैमरा लगाया था। हमले की पूरी घटना को आतंकियों ने रिकॉर्ड किया था।

रक्षा मंत्री बोले-हमें डरा नहीं सकते

> जिम्मेदार लोगों को मिलेगा करारा जवाब

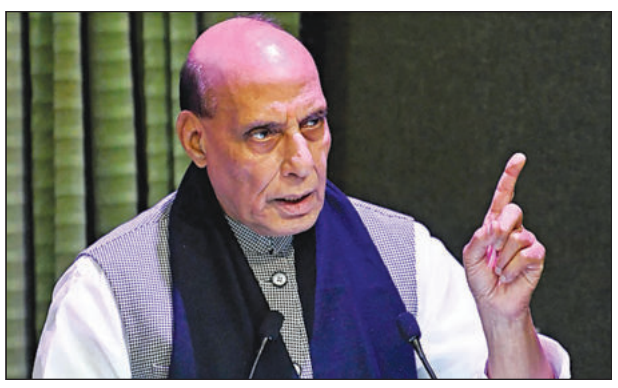

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में शामिल लोगों को जल्द ही करारा जवाब मिलेगा और भारत ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि से डरने वाला नहीं है। रक्षा मंत्री की यह टिप्पणी पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की हत्या के एक दिन बाद की है। राजनाथ सिंह ने कहा, मैं इस मंच से देशवासियों को आश्वस्त करता हूं कि घटना के मद्देनजर भारत सरकार हर वह कदम उठाएगी जो आवश्यक और उचित होगा। उन्होंने कहा, हम न केवल इस घटना को अंजाम देने वालों का पता लगाएंगे, बल्कि उन लोगों तक भी पहुंचेंगे, जिन्होंने पर्दे के पीछे बैठकर भारत की धरती पर इस नापाक हरकत को अंजाम देने की साजिश रची है। रक्षा मंत्री ने कहा, भारत इतनी पुरानी सभ्यता और इतना बड़ा देश है कि इसे ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि से डराया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, ऐसी हरकतों के लिए जिम्मेदार लोगों को जल्द ही करारा जवाब देंगे।

राजनाथ सिंह ने पहलगाम में हुए हमले को बेहद अमानवीय बताया। उन्होंने कहा, इस हमले ने हम सभी को गहरे दुख और पीड़ा में डाल दिया है। उन्होंने कहा, मैं भारत के दृढ़ संकल्प को दोहराना चाहूंगा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है। उन्होंने कहा कि भारत का हर नागरिक इस कायराना हरकत के खिलाफ एकजुट है।

भारत ने अफगानिस्तान को 4.8 टन टीके भेजे

काबुल ने जताया आभार

काबुल, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत ने अफगानिस्तान को 4.8 टन टीके दान किए। इन टीकों में रेबीज, टेटनस, हेपेटाइटिस बी और इन्फ्लूएंजा से लड़ने के लिए टीके शामिल हैं। अफगानिस्तान के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को, इस मदद के लिए भारत का आभार व्यक्त किया। मंत्रालय के बयान में कहा गया, अफगानिस्तान के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय को रेबीज, टेटनस, हेपेटाइटिस बी और इन्फ्लूएंजा से निपटने में मदद करने के लिए भारत से टीकों की एक महत्वपूर्ण खेप मिली है। इसमें कहा गया, सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के नेतृत्व ने उदार समर्थन के लिए भारत को धन्यवाद दिया और इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया, जिससे देश भर में हजारों लोगों की जान बच सकती है।

शिवराज चौहान और विवेक तन्खा को सुप्रीम कोर्ट की सलाह

'बातचीत से मामला सुलझाएं'

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा से कहा कि वे मानहानि मामले को आपसी बातचीत से निपटा लें।

कांग्रेस नेता विवेक तन्खा ने आरोप लगाया है कि मध्य प्रदेश में साल 2021 के पंचायत चुनावों में शिवराज सिंह चौहान, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा और पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह ने उनके खिलाफ 'संगठित, दुर्भावनापूर्ण, झूठा और मानहानिकारक' अभियान चलाया।

सुप्रीम कोर्ट पीठ ने कहा-हम मामला बंद करना चाहते हैं

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने चौहान और तन्खा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी और कपिल सिब्बल से कहा, 'कृपया हमें यह मामला सुनने के लिए मजबूर न करें।

हम इसे बंद करना चाहते हैं। आप दोनों साथ बैठकर इसे सुलझाएं।' पिछले साल मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ मानहानि मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय के इस आदेश के खिलाफ शिवराज सिंह चौहान ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी।

21 मई को होगी सुनवाई

बुधवार को सुनवाई के दौरान विवेक तन्खा के वकील कपिल सिब्बल ने कहा, 'अगर वह (चौहान) खेद व्यक्त करते हैं, तो मैं मानहानि के मामले को सुलझाने के लिए तैयार हूं।' इस पर सुप्रीम कोर्ट में शिवराज सिंह चौहान का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने जवाब दिया कि अगर कोई गलती ही नहीं हुई है तो मंत्री को खेद क्यों होना चाहिए? उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से उन्हें सिब्बल के साथ बैठकर मामले पर चर्चा करने में कोई समस्या नहीं है। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई 21 मई तक टाल दी। दरअसल विवेक तन्खा का आरोप है कि साल 2021 के पंचायत चुनाव में भाजपा नेताओं ने दावा किया कि विवेक तन्खा ने ओबीसी आरक्षण का विरोध किया। इसके खिलाफ तन्खा ने भाजपा नेताओं पर 10 करोड़ रुपये मानहानि का मामला दर्ज कराया था।

'डॉक्टरों पर हर हमले की निगरानी नहीं कर सकते'

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को डॉक्टरों पर बढ़ते हमलों से रक्षा के लिए दिशानिर्देश बनाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार कर दिया। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि हर चीज की निगरानी करना कोर्ट का काम नहीं है। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला दिया और कहा कि ऐसे मामलों से संबंधित दिशानिर्देश पहले ही बनाए जा चुके हैं और याचिकाकर्ता अगर चाहें तो उचित कानूनी प्रक्रिया अपना सकते हैं।

बेंच ने कहा, आप सुप्रीम कोर्ट से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह हर काम और गतिविधि पर नजर रखे। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने जब डॉक्टरों पर हो रहे हमलों का जिक्र किया, तो बेंच ने कहा, ये सभी घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट यहां बैठकर हर एक घटना की निगरानी नहीं कर सकता। याचिकाएं 2022 में दायर की गई थीं, जिनमें डॉक्टरों पर बढ़ते हमलों का जिक्र करते हुए उनकी सुरक्षा के लिए व्यापक दिशानिर्देश बनाने की मांग की गई थी।

पाकिस्तान का सैफुल्लाह खालिद पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड, पीओके से ऑपरेट कर रहा है

जम्मू-कश्मीर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर आतंकी हमले में अब तक 27 पर्यटक मारे गए और 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के यूनिट द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इंटेलिजेंस का दावा है कि टीआरएफ आतंकी सैफुल्लाह खालिद पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड है। वह सैफुल्लाह कसूरी के नाम से भी जाना जाता है। सैफुल्लाह लश्कर-ए-तैयबा का डिप्टी चीफ है। उसे लश्कर के संस्थापक आतंकी हाफिज सईद का बेहद करीबी माना जाता है। सैफुल्लाह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के रावलकोट का रहने वाला है। वहीं से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों को ऑपरेट कर रहा था। उसने मार्च में एक भाषण दिया था, जिसका वीडियो सामने आया है। इसमें वह सख्त लहजे में पाकिस्तान सरकार से कश्मीर मुद्दा शांत न पड़ने देने की बात कह रहा है। सैफुल्लाह का ये भाषण मार्च 2025 का बताया जा रहा है। हालांकि, इसकी तारीख और लोकेशन का पता नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में सेना की 10 घंटे में दूसरी मुठभेड़

कुलगाम, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई है। बुधवार शाम को तंगमर्ग इलाके में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के घेरा है। आतंकी यहां एक घर में छिपे हैं। दोनों ओर से फायरिंग हो रही है। अतिरिक्त सुरक्षाबल मौके पर भेजा गया है।

आज सुबह ही बारामूला के उरी सेक्टर में एलओसी के पास आतंकी घुसपैठ की कोशिश की गई थी। सेना ने 2 आतंकवादियों को मार गिराया। यहां भी सर्चिंग जारी है। सेना के अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने 2-3 आतंकियों को घुसपैठ की कोशिश करते देखा था। आतंकियों के पास से बरामद सामान में 2 असॉल्ट राइफलें, गोला-बारूद और युद्ध से जुड़ा सामान, कारतूस, पाकिस्तानी करेंसी, चॉकलेट और सिगरेट के पैकेट मिले हैं। इससे एक दिन पहले पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। इसमें 27 लोगों की मौत हुई है।

भारत के एक्शन से पहले टेंशन में पाकिस्तान, बॉर्डर पर बढ़ाई आर्मी

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसरन इलाके में मंगलवार को हुए बड़े आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई, जबकि कई घायल हैं जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। आतंकियों ने इस बार पर्यटकों को निशाना बनाया, जिससे देशभर में आक्रोश फैल गया है। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है और जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है। खासतौर पर पहलगाम की बैसरन घाटी में सुरक्षा और ज्यादा बढ़ा दी गई है। इस हमले के बाद पाकिस्तान ने अपने कब्जे वाले हिस्से में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) को हाई अलर्ट पर रखा है। भारतीय खुफिया सूत्रों के मुताबिक, यह कदम भारत की किसी संभावित जवाबी कार्रवाई के डर से उठाया गया है।

इस बीच पाकिस्तान ने अपनी सीमाओं पर भी सेना तैनात कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने अपने एयरक्राफ्ट की मदद से एयरबेस पर साजो सामान पहुंचा रहा है।

कश्मीर में चुनौती बने हैं 76 आतंकी

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में लगभग 76 आतंकी छिपे हैं। इनमें से अधिकांश दहशतगर्दों की ट्रेनिंग 'अफगानिस्तान' फ्रंट पर हुई है। इन सभी आतंकियों तक पहुंचाना, सुरक्षा बलों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। पहलगाम हमले में भी दो विदेशी यानी पाकिस्तानी आतंकी बताए जा रहे हैं। जेएंडके के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय दहशतगर्दों में से 55 पाकिस्तानी हैं तो 21 लोकल बताए जा रहे हैं। पिछले दो वर्षों के दौरान इन दहशतगर्दों ने सुरक्षा बलों को बड़ी चोट पहुंचाई है।

आर्मी और जेकेपी के कई अफसर और जवान शहीद हो चुके हैं। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, जब तक ये आतंकी मौजूद हैं, तब तक घाटी से आतंकी हमलों को खत्म कर पाना मुश्किल है। इन आतंकियों को भरपूर लोकल स्पोर्ट मिल रही है। इसी के बल पर ये आतंकी, बड़े हमले को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं।

पहलगाम हमले में आईबी अफसर की मौत

> पत्नी-बच्चों के सामने मारी गोली

> हैदराबाद में पोस्टेड थे, छुट्टी मनाने कश्मीर गए थे

पटना, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में बिहार के रहने वाले मनीष रंजन भी मारे गए। वे पिछले 2 सालों से आईबी के हैदराबाद ऑफिस में सेक्शन ऑफिसर के पद पर पोस्टेड थे। मनीष को पत्नी और 2 बच्चों के सामने गोली मार दी गई।

उनकी पत्नी आशा देवी और दोनों बच्चे सुरक्षित हैं। मनीष बिहार के रोहतास के करगहर थाना क्षेत्र के अरुही गांव के रहने वाले थे। सासाराम शहर के गौरक्षणी मोहल्ले में उनका पुश्तैनी घर भी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गोलियों की आवाज सुनकर मनीष ने पत्नी और बच्चों को दूसरी दिशा में भागने को कहा। इस दौरान वे परिवार से अलग हो गए। आतंकियों ने उन्हें गोली मार दी। मनीष के पिता मंगलेश मिश्रा स्कूल में शिक्षक हैं। 2010 में मनीष की शादी हुई थी। 12 साल का बड़ा बेटा है और 8 साल की लड़की है। वहीं अमित के चाचा आलोक प्रियदर्शी ने बताया-'मैं भी मनीष के परिवार के साथ कश्मीर जाने वाला था, लेकिन तबीयत खराब होने की वजह से नहीं जा सका। हम भारत सरकार से न्याय चाहते हैं। औरंगाबाद में रह रहे उनके रिश्तेदार डॉ. सुरेंद्र मिश्र ने बताया-'3 दिन पहले मनीष हैदराबाद से वैष्णो देवी गए थे। मनीष 3 भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके पिता डॉक्टर मंगलेश कुमार मिश्र पश्चिम बंगाल के झालदा में इंटरमीडिएट कॉलेज में शिक्षक थे। वे रिटायर होने के बाद परिवार के साथ झालदा में ही रहते हैं। मनीष का शव आज झालदा लाया जा सकता है। यहीं उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मनीष के दूसरे भाई राहुल रंजन भारतीय खाद्य निगम में और विनीत रंजन एक्साइज डिपार्टमेंट पश्चिम बंगाल में पोस्टेट हैं। मनीष रंजन पहले रांची में कार्यरत थे बाद में हैदराबाद में उनका ट्रांसफर हुआ था।

रात्रि पहरा दे रहे युवक की बेरहमी से हत्या; इंग्लिश बाजार में तनाव

मालदा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के इंग्लिश बाजार विधानसभा क्षेत्र के अमृत क्षेत्र के सिकंदरपुर में मंगलवार रात को पेहरा दे रहे दो युवकों पर कुछ लोगों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इसमें एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरे युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में भर्ती युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना को लेकर ग्रामिणों में जबरदस्त हंगामा किया और पूरे इलाके को जाम कर दिया है। इलाके में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल के साथ ही रैफ को उतारा गया है। मृतक की पहचान शिबू मंडल और घायल की पहचान सूर्य मंडल के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए गांव के लोगों ने पहरा देने का निर्णय लिया था। मंगलवार रात को शिबू मंडल और सूर्य मंडल पहरा दे रहे थे। रात को बदमाशों ने उन पर हमला बोल दिया।

धारदार हथियार से दोनों पर हमला बोल दिया। इसमें शिबू मंडल की मौत हो गई जबकि सूर्य मंडल की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद सिकंदरपुर इलाके में भारी तनाव है। लोग सड़कों पर उतर आए और मालदा-मानिक चौक रास्ते को बंद कर दिया। तनाव को देखते हुए पुलिस ने भारी मात्रा में पुलिस बल और रैफ को उतार दिया है। पुलिस और गांववासियों के बीच धक्का-मुक्की होने की भी खबर आ रही है।

पहलगाम हमले पर कपिल सिब्बल का बड़ी मांग

'मैं अमित शाह से आग्रह है कि वे पाकिस्तान को आतंकवादी संगठन के रूप में शामिल करें'

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मासूम लोगों को मारा गया। कुछ दिन पहले पाकिस्तान आर्मी चीफ असीम मुनीर का बयान आया था और घटना हुआ है। कपिल सिब्बल ने कहा, इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में मुकदमा चलाया जाना चाहिए। मैं गृह मंत्री अमित शाह से आग्रह करता हूं कि वे पाकिस्तान को आतंकी देश घोषित करें और

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में जाएं। मुझे यकीन है कि विपक्ष इस पर साथ देगा।

हम इसे नहीं भूलेंगे- कपिल सिब्बल

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर की 'गले की नस' टिप्पणी का हवाला देते हुए कपिल सिब्बल ने पहलगाम आतंकवादी हमले को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमला बताया। असीम मुनीर ने कहा था, यह हमारी गले की नस होगी, हम इसे नहीं भूलेंगे, हम अपने कश्मीरी भाइयों को उनके ऐतिहासिक संघर्ष में नहीं छोड़ेंगे। इसी बयान पर बोलते हुए सिब्बल ने कहा कि स्पष्ट रूप से यह राज्य प्रायोजित है। वरिष्ठ वकील ने कहा, अभी एक सप्ताह पहले ही ऐसा कहा गया। यह एक बहुत ही सोची-समझी, सुनियोजित आतंकवादी हमला है। क्योंकि घाटी पहलगाम से सिर्फ आधे घंटे की दूरी पर है, यह एक उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है, क्योंकि वहां अमरनाथ तीर्थस्थल है, वहां बहुत सारे सुरक्षा बल हैं, जिन्होंने हमला किया, वे जानते थे कि आप टट्टुओं के अलावा घाटी तक नहीं पहुंच सकते, यह आरोप लगाया गया कि वे किश्तवाड़ से कोकरनाग होते हुए आए और फिर यहां आए, लेकिन निश्चित रूप से, यह पाकिस्तान को इससे जोड़ता है। सिब्बल ने कहा, मैं गृह मंत्री से आग्रह करूंगा कि वे पाकिस्तान को आतंकवादी संगठन के रूप में शामिल करें। हमें अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय में अभियोग दायर करना चाहिए, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान का बहिष्कार करने का आग्रह करना चाहिए।

पहलगाम हमले के बाद गोवा के 50 से ज्यादा टूरिस्ट जम्मू-कश्मीर में फंसे

पणजी, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद गोवा के 50 से अधिक पर्यटक श्रीनगर के होटलों में फंसे हुए हैं। हालांकि सभी लोग सुरक्षित हैं और उन्हें वापस लाने की कोशिशें जारी हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। गोवा सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि आंतकी हमले के बाद सभी आगंतुकों को पहलगाम और अन्य स्थानों से श्रीनगर के होटलों में ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि गोवा के 50 से अधिक लोग फिलहाल जम्मू-कश्मीर में हैं और सभी सुरक्षित हैं तथा उन्हें वापस लाने के प्रयास जारी हैं। गोवा के टूर ऑपरेटर भी जम्मू-कश्मीर से सभी पर्यटकों को वापस लाने की योजना पर काम कर रहे हैं। एक टूर ऑपरेटर ने बताया कि कुछ पर्यटक भोजन के बाद 'बैसरन पॉइंट' जाने वाले थे, जहां यह हमला हुआ। पणजी में टूर कंपनी गोवा एडवेंचर क्लब के सह-संस्थापक अहराज मुल्ला ने बताया, जब यह हमला हुआ, तब गोवा के लोगों का एक ग्रुप पहलगाम बाजार में था, जबकि दूसरा ग्रुप सोनमर्ग में था। सभी को श्रीनगर के एक होटल में वापस बुला लिया गया, जहां वे फिलहाल सुरक्षित हैं। देश पहलगाम में मारे गए 26 मौत का बदला मांग रहा है। मोदी सरकार से आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ बड़े एक्शन की मांग की जा रही है। शहर-शहर प्रदर्शन हो रहे हैं। मोदी सरकार काउंटर अटैक के लिए जल्द ही कोई बड़ा फैसला ले सकती है।

पहलगाम घटना के बाद पीएम मोदी का कानपुर दौरा रद्द

कानपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गुरुवार, 24 अप्रैल को उत्तर प्रदेश स्थित कानपुर का दौरा नहीं करेंगे। जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। एक बयान में कहा गया कि पीएम नरेंद्र मोदी को 24 अप्रैल को कानपुर जाना था। इस कार्यक्रम में वह 20,000 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने वाले थे। हालांकि जम्मू और कश्मीर स्थित पहलगाम में हुई आतंकी घटना के परिप्रेक्ष्य में यह दौरा रद्द कर दिया गया है। बयान के अनुसार पहलगाम आतंकी घटना में कानपुर के युवक शुभम द्विवेदी की भी गोली लगने से मौत हो गई। लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है। बयान में कहा गया कि शोक के इस समय में सार्वजनिक कार्यक्रम को रद्द करना ही उचित समझा गया। बता दें पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की मौत हो गई। जांच एजेंसियों ने इस आतंकी हमले में संलिप्त चार आतंकियों के स्केच भी जारी कर दिए हैं। उधर, जम्मू-कश्मीर मुख्यमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी है कि पहलगाम आतंकी हमले में मृतकों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

'कोर्ट की अंतरात्मा को लगा झटका'

7 साल से जेल में बंद हत्या के आरोपी को मिली जमानत

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक अजीबोगरीब मामले में एक व्यक्ति को जमानत दे दी जिसने हत्या के आरोप में लगभग सात साल जेल में बिताए, जबकि मृतक की पहचान एक रहस्य बनी हुई है। न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने कहा, ''इस मामले की जांच से इस अदालत की अंतरात्मा को झटका लगा है।'' न्यायाधीश ने कहा, ''अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। जहां तक 'अंतिम बार देखे जाने' की परिकल्पना का सवाल है, उसको अंतिम बार सोनी उर्फ छोटी के साथ देखा गया था, जो जीवित पाया गया।'' हत्या के मामले में आरोपी मंजीत करकेट्टा ने इस आधार पर जमानत मांगी कि वह 2018 से जेल में बंद है, लेकिन किसी को नहीं पता कि किसकी हत्या हुई। न्यायाधीश ने कहा, ''यह बेहद दुखद है कि एक इंसान ने साल 2018 में इतने वीभत्स तरीके से जान गंवा दी और उसके शरीर को टुकड़ों में काट दिया गया, लेकिन आज तक मृतक की पहचान भी नहीं हो पाई है।''यह घटना 2018 में हुई थी और मृतक की पहचान सोनी उर्फ छोटी के रूप में हुई थी। सत्रह मई, 2018 को आरोपी की गिरफ्तारी के बाद सोनी को कथित तौर पर जीवित पाया गया था और मृत व्यक्ति की पहचान आज तक नहीं हो पाई है। अभियोजक ने जमानत याचिका का विरोध किया और कहा कि ''अंतिम बार देखे जाने'' के साक्ष्य आरोपी को हत्या से जोड़ते हैं।

इसके विपरीत, व्यक्ति के वकील ने कहा कि उसकी उपस्थिति मोबाइल फोन टावरों से ली गई थी, जो एक बड़े क्षेत्र को कवर करते हैं और यह नहीं कहा जा सकता कि वह हत्या के समय सटीक अपराध स्थल पर मौजूद था। अदालत ने कहा कि केवल इसलिए आरोपी को स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जा सकता कि मृतक की पहचान सुनिश्चित नहीं हो पाई है। इसने कहा, ''अतः, आवेदन स्वीकार किया जाता है और निर्देश दिया जाता है कि आरोपी/आवेदक को तत्काल जमानत पर रिहा किया जाए, बशर्ते वह 10,000 रुपये का निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत राशि प्रस्तुत करे।'

उमर अब्दुल्ला ने मुआवजे का किया ऐलान

मृतकों के परिजनों को 10 तो घायलों को मिलेगा 2 लाख रुपये

जम्मू, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये देने का ऐलान किया है। सीएमओ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को 2-2 लाख रुपये मिलेंगे। जबकि मामूली रूप से घायलों को 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। केंद्रशासित प्रदेश के सीएम उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम आतंकी हमले को घृणित हमला करार दिया है। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों के खिलाफ बर्बर और मूर्खतापूर्ण हमले से मुझे गहरा सदमा लगा है जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा, पहलगाम में हुए घृणित आतंकवादी हमले से बहुत दुखी हूं। निर्दोष नागरिकों के खिलाफ क्रूरता का यह बर्बर और मूर्खतापूर्ण कृत्य हमारे समाज में कोई स्थान नहीं रखता। हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं। जम्मू कश्मीर के सीएमओ कार्यालय की ओर से इस बारे में कहा गया कि हम खोए हुए अनमोल जीवन पर शोक व्यक्त करते हैं। आतंकी हमले में निर्दोश नागरिकों की मौत से हुए क्षति की भरपाई कोई भी धनराशि नहीं कर सकती है। इसके बावजूद जम्मू जम्मू कश्मीर सरकार ने मृतकों के परिजनों की सहायता के लिए 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का निर्णय लिया है। सीएमओ ने अपने बयान में कहा है कि पीड़ितों को उनके घरों तक वापस ले जाने के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा प्रदान की जा रही है। हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। जम्मू जम्मू कश्मीर सरकार दुख की इस कठिन समय में आपके साथ है। आतंकवाद हमारे संकल्प को कभी नहीं तोड़ पाएगा। हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक कि इस बर्बरता के पीछे के लोगों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जाता। बता दें कि मंगलवा को पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 पर्यटकों की मौत होने से पूरा देश सदमे में हैं।

गाजियाबाद में अब आसान नहीं होगा एफआईआर कराना, लेनी होगी स्पेशल परमिशन

गाजियाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई ने नियम बनाए जाते हैं। इसी कड़ी में गाजियाबाद में भी अब पुलिस ने एक नया ऑर्डर जारी किया है। दरअसल, जो लोग किसी भी मामले को लेकर पुलिस के पास पहुंच जाते हैं और एफआईआर दर्ज कराते देते हैं, उनके लिए इस प्रक्रिया में कुछ बदलाव किए गए हैं। पुलिस कमिश्नर जे रविंद्र गौड़ ने एक नया ऑर्डर निकाला है, जिसमें किसी भी मामले की जांच को पारदर्शी बनाने के लिए एफआईआर की प्रक्रिया में थोड़ा बदलाव किया गया है। पुलिस कमिश्नर ने इसका फैसला मामले को निष्पक्ष तरीके से निपटाने के लिए यह कदम उठाया है। आदेश में कहा गया कि एक केस में अगर दोनों पक्ष एफआईआर दर्ज कराना चाहते हैं, तो इसके लिए पहले दोनों पक्षों को ही सीनियर अधिकारियों की परमिशन लेनी होगी। इस फैसले पर कमिश्नर का कहना है कि यह कदम उठाने के पीछे एक वजह ये है कि इससे झगड़े या विवादों की आड़ में मनमानी एफआईआर कराने के मामलों में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की शिकायत के चलते मामले की सच्चाई तक पहुंचने में परेशानी होती है। पहले किसी भी झगड़े या विवाद के बाद दोनों पक्ष तुरंत अपनी-अपनी शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंच जाते हैं। अब नए ऑर्डर के बाद कोई भी सीधा एफआईआर दर्ज नहीं करा पाएगा। इसके लिए पहले मामले की रिपोर्ट अपर पुलिस आयुक्त या सहायक पुलिस आयुक्त को देनी होगी। अगर वहां से अप्रूवल मिलता है, तो उसके बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी। कमिश्नर ने इसको लेकर साफ तौर पर कहा है कि अगर, किसी भी अधिकारी ने इस आदेश का पालन नहीं किया और क्रॉस केस दर्ज कर दिया,

जज के पीछे रोकी कार, चिल्लाकर बोले गोली मार देंगे

कोर्ट के अंदर का दूसरा मामला हैरान कर देने वाला

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए द्वारका के ककरौला गांव में एक जज को गोली मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोपी वैगनआर कार में आए थे। जज की शिकायत पर द्वारका नार्थ थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। कार के नंबर का पता लगाकर उसके मालिक की भी पहचान की जा रही है। जज शिव कुमार ने पुलिस को बताया कि एक अप्रैल को शाम को वह घर से पैदल अक्षय पब्लिक स्कूल की ओर जा रहे थे, तभी पीछे से ग्रे रंग की वैगनआर तेजी से उनकी ओर आई। कार में दो युवक थे। एक युवक कार चला रहा था, जबकि दूसरा उसके बगल में बैठा था।

'जीना चाहता है तो कम बोला कर'

शिव कुमार के अनुसार, बदमाशों ने कार को किताबों के गोदाम के पास, उनसे करीब 10 मीटर पीछे रोका और चार-पांच बार हॉर्न बजाया। जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, तो उनमें से एक युवक ने जोर से चिल्लाकर धमकी दी, 'तू बचकर देख ले, हम गोली मार देंगे। कम बोला कर अगर जीना चाहता है तो।' बताया कि धमकी के बाद चालक कार को तेजी से जिग-जैग तरीके से अक्षय पब्लिक स्कूल की ओर ले गया, जहां से वे आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक व सरकारी सह-शिक्षा स्कूल की ओर मुड़ गए। यह वारदात आसपास के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

पहले भी एक जज को मिली थी धमकी

दिल्ली में दो अप्रैल को द्वारका कोर्ट के अंदर महिला जज को सरेआम जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी राज सिंह को द्वारका कोर्ट ने चेक बाउंस मामले में 22 महीने की जेल और 6.65 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2015 में लिए गए ऋण से संबंधित है, जो कोर्ट में छह वर्षों से लंबित था। राज सिंह ने एक कंपनी से वर्ष 2015 में ऋण लिया था। इसके भुगतान के लिए राज सिंह द्वारा दिया गया चेक बाउंस हो गया।

इसके बाद कंपनी ने कोर्ट में शिकायत की थी। पांच अप्रैल को जज शिवांगी मंगल की कोर्ट में राज सिंह को सजा सुनाई जानी थी। सुबह न तो दोषी कोर्ट पहुंचा और न ही उनके वकील अतुल कुमार। शिकायतकर्ता के वकील अंकित सिंह चौहान ने कोर्ट को बताया कि शिकायतकर्ता को दस वर्ष से कोई भुगतान नहीं मिला। दोपहर दो बजे दोषी राज सिंह अपने वकील अतुल कुमार के साथ कोर्ट में पेश हुआ।

6.65 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई

अतुल ने कोर्ट को बताया कि राज सिंह 63 वर्षीय सेवानिवृत्त सरकारी शिक्षक हैं और पेंशन पर निर्भर हैं। उनके तीन बेरोजगार बेटे भी उन पर आश्रित हैं। जज शिवांगी मंगल ने मामले की गंभीरता, दोषी के आचरण, चेक की राशि, ब्याज और शिकायतकर्ता की कानूनी लागत को ध्यान में रखते हुए राज सिंह को 22 महीने की कैद और 6.65 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। कोर्ट ने 30 हजार रुपये के निजी और जमानती मुचलके पर सजा को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया। दोषी को एक सप्ताह के भीतर जमानत मुचलका जमा करने और एक महीने के भीतर अपीलीय कोर्ट का आदेश पेश करने या आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया।

शिमला के पास खाई में गिरी कार, बाप-बेटे की मौत; शादी से घर लौट रहा था परिवार

शिमला, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के चौपाल उपमंडल में रियूनी के निकट एक कार लगभग 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिससे उसमें सवार एक व्यक्ति और उसके बेटे की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना बुधवार सुबह उस समय हुई जब 5 लोग विवाह समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। मृतकों की पहचान रामलाल शर्मा (55) और उनके पुत्र दीपक (28) के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, रामलाल की पत्नी, राजेश शर्मा और पंकज शर्मा घायल हो गए हैं। उन्हें चौपाल स्थित सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां से उन्हें आईजीएमसी शिमला के लिए रेफर कर दिया गया।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दायर

अमरनाथ यात्रा को लेकर की गई ये मांग

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर में आतंकी अपनी कायराना हरकत से बाज नहीं आ रहे हैं। वे लगातार कश्मीर में हमलों की प्लानिंग कर रहे हैं। मंगलवार (22 अप्रैल) को आतंकियों ने पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाकर हमला किया, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई। इस हमले में कई लोग घायल हुए हैं जो जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। इस हमले के बाद से ही पूरे देश में गुस्सा है। इसके अलावा सुरक्षा बल एक्शन मोड में आ गए हैं। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट में पहलगाम आतंकी हमलों से संबंधित सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई। पहलगाम आतंकी हमले 26 लोगों की मौत के बाद सुप्रीम कोर्ट में नहित याचिका दायर की गई है। इस याचिका में पहलगाम जैसे हमलों से दूरदराज और पहाड़ी इलाकों में जाने वाले पर्यटकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने की मांग की गई है। ये याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी दायर की है।

अमरनाथ यात्रा को चिंता

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही पर्यटकों में डर का माहौल है। यही कारण है कि अब पर्यटक कश्मीर छोड़कर अपने-अपने घरों की तरफ वापसी कर रहे हैं, जिससे स्टेशन से लेकर एयरपोर्ट तक पर्यटकों की भारी भाड़ देखने को मिल रही है। टूरिस्टों पर हुए इस हमले के बाद जनहित याचिका में अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाने के निर्देश जारी करने की मांग की गई है। इस याचिका में बताया गया कि ऐसे ही पहाड़ों के बीच अमरनाथ यात्रा होती है।

पहलगाम से अमरनाथ की दूरी महज 32 किलोमीटर है। 3 जुलाई को अमरनाथ यात्रा शुरू हो जाएगी।जहां हजारों यात्री जाते हैं। इस हमले के बाद अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जाए।

नरेश बाल्यान मकोका मामला

राउज एवेन्यू कोर्ट ने दो आरोपियों की जांच के लिए बढ़ाया समय, पांच मई को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व विधायक नरेश बाल्यान से जुड़े मकोका मामले में दो आरोपियों साहिल उर्फ पोली और विजय उर्फ कालू के खिलाफ जांच पूरी करने के लिए 11 दिन का अतिरिक्त समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 5 मई 2025 को होगी। कोर्ट ने नरेश बाल्यान सहित अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत को भी अगली तारीख तक बढ़ा दिया है। बता दें कि नरेश बाल्यान को मकोका मामले में 4 दिसंबर, 2024 को गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले भाजपा ने नरेश बाल्यान का एक ऑडियो क्लिप जारी की थी, जिसमें गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू और नरेश बाल्यान के बीच बातचीत थी। भाजपा ने नरेश बाल्यान पर वसूली का आरोप लगाया था। नरेश बाल्यान उत्तम नगर से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक रह चुके हैं। साल 2015 में उन्होंने इस सीट से आप के टिकट पर चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। आप के गठन के पहले से ही नरेश बाल्यान राजनीति में सक्रिय रहे हैं। इनका राजनीतिक सफर निगम की सियासत से शुरू हुआ। पहले ये कांग्रेस के कार्यकर्ता थे। 2012 निगम चुनाव के दौरान कांग्रेस से टिकट न मिलने पर नरेश बाल्यान ने निर्दलीय चुनाव लड़ा और नवादा वार्ड से जीत हासिल की। इसके बाद वह भाजपा में शामिल हुए। साल 2014 में बाल्यान आप में शामिल हुए थे।

'देश में मुस्लिमों के प्रति बढ़ रहा भेदभाव'

पहलगाम आतंकी हमले पर ये क्या बोल गए रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश में हिन्दू-मुस्लिम हो रहा है और मुसलमान असहज महसूस कर रहे हैं। यही कारण है कि आतंकियों ने आईडी देखकर हत्याएं की हैं। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूं। किसी भी मुद्दे को उठाने का यह तरीका नहीं हो सकता कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया जाए।

'धर्म और राजनीति को रखना चाहिए अलग'

वाड्रा ने कहा कि धर्म और सियासत को अलग-अलग रखना चाहिए। उन्होंने कहा, आतंकियों ने आईडी देखकर लोगों की जान ली, क्योंकि उन्हें लगता था मुसलमानों के साथ भेदभाव हो रहा है। यह तरीका बिल्कुल गलत है। मैं इसका पूरी तरह से विरोध करता हूं।

रॉबर्ट वाड्रा ने एकजुटता पर दिया बल

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि जब तक हम एकजुट और धर्मनिरपेक्ष नहीं होंगे, तब तक हमारी कमजोरियां और अंदरूनी समस्याएं हमारे दुश्मनों को साफ नजर आएगी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का मकसद देश को तोड़ना है और इससे लड़ने के लिए समाज का एकजुट होना जरूरी है। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, कोई भी संगठन अपने मुद्दे निर्दोषों की हत्या करके नहीं उठा सकता है। आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता है, यह सीधा इंसानियत पर हमला है। साथ ही उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि देश में अल्पसंख्यकों के प्रति भेदभाव बढ़ रहा है और यह हालात देश को अंदर से कमजोर कर सकते हैं। वाड्रा ने कहा, अल्पसंख्यकों को दरकिनार किया जा रहा है और यहां तक की उन्हें अपने घरों की छत पर नमाज पढ़ने की भी इजाजत नहीं मिलती है।

यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि इस हमले के बाद घाटी में पर्यटकों की संख्या में गिरावट आएगी, जिससे स्थानीय लोगों की आजीविका पर असर पड़ेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि प्रभावित लोगों के लिए आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाएं जल्द लागू करे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 24 अप्रैल, 2025

सुविचार: हर चीज का समाधान आपके अंदर है बस उसे अच्छे से जानने की ज़रूरत है ।

अवैध रूप से हैदराबाद में रहने वाले दो बांग्लादेशी गिरफ्तार

कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल ज़ोन टीम की बड़ी कार्रवाई

पहचान छिपाने के लिए मोहम्मद हसीबुल बन गया था जोवन चौधरी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल ज़ोन टीम के अधिकारियों ने हैदराबाद के मलकपेट पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों के साथ मिलकर दो बांग्लादेशी नागरिकों को मोहम्मद हसीबुल (नकली नाम: जोवन चौधरी), रोहन साहा उर्फ रोहन दोनों ढाका, बांग्लादेश के मूल निवासी हैं, जहाँ आरोपी व्यक्ति बिना किसी वैध दस्तावेज़ के अवैध रूप से भारत में घुस आए और अवैध गतिविधियों के लिए नकली और मनगढ़ंत दस्तावेज़ों के साथ हैदराबाद के मलकपेट के सलीम नगर कॉलोनी में रह रहे थे। इसके अलावा, सुराग के आधार पर चार सूत्रधार/एजेंटों मोहम्मद मुकीद , तेमुरा साई किरण, गद्दामी रजनीकांत, दुद्दू सुधीर कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार एजेंट बांग्लादेशी नागरिकों के लिए अवैध रूप से नकली और जाली जन्म प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज़ तैयार करने में शामिल हैं। वाई.वी.एस. सुधीन्द्र पुलिस उपायुक्त, आयुक्त कार्य बल, हैदराबाद ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद हसीबुल (फर्जी नाम: जोवन चौधरी) पुत्र स्वर्गीय ताकुर राणा , मूल रूप से मीरपुर ढाका, बांग्लादेश देश का नागरिक है। वह सलीम नगर कॉलोनी, मलकपेट , हैदराबाद में अवैध रूप से रह रहा था। इसी तरह रोहन साहा पुत्र राहुल साहा नबरोन गांव, बांग्लादेश का रहने वाला है। वह भी अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर सलीम नगर कॉलोनी, मलकपेट, हैदराबाद में रह रहा था। पुलिस ने इस मामले में सुविधाकर्ता/एजेंट मोहम्मद मुकीद, निवासी अकबर बाग, मलकपेट, टी. साई किरण, डीटीपी ऑपरेटर, निवासी चादरघाट, जी. रजनीकांत, निवासी चंचलगुडा, हैदराबाद, डी. सुधीर कुमार, निवासी नरसिंगी, रंगा रेड्डी जिला को भी पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से बांग्लादेशी पासपोर्ट की ज़ेरॉक्स कॉपी (मोहम्मद हसीबुल की है), फर्जी आधार कार्ड (जोवन चौधरी का है) , फर्जी जन्म प्रमाण पत्र (जोवन चौधरी का है), चुनाव मतदाता कार्ड (जोवन चौधरी का है) , फर्जी आधार कार्ड (रोहन साहा का है) , 7 सेल फोन , एक लैपटॉप बरामद किया है। आरोपी मोहम्मद हसीबुल बांग्लादेश के ढाका का मूल निवासी है और उसके पास बांग्लादेशी पासपोर्ट संख्या BB0921146 है। चार साल पहले तस्करों के माध्यम से बांग्लादेश के बेनापोल जिले से अवैध रूप से पश्चिम बंगाल के बोंगांव जिले में प्रवेश किया और तस्करों को 25,000 रुपये का भुगतान किया, जो बांग्लादेश और भारत के बीच एक महत्वपूर्ण सीमा पार बिंदु है। वह साउथ हौरा, कोलकाता में रहा और लगभग 20,000 प्रति माह कमाकर कराटे प्रशिक्षक के रूप में काम करना शुरू कर दिया और अपने नाम जोवन चौधरी के रूप में हेरफेर करके फर्जी आधार प्राप्त किया। दिसंबर-2023 के महीने में फेसबुक चैटिंग के जरिए उसकी दोस्ती जया चौधरी निवासी मलकपेट, हैदराबाद नाम की एक महिला से हुई और उसने अपनी असली पहचान छिपाकर धोखे से उससे शादी कर ली और मलकपेट में शिफ्ट हो गया और ऑनलाइन कपड़ों की बिक्री का व्यवसाय करने लगा और अपनी आजीविका के लिए जोमैटो और स्विगी फूड डिलीवरी एजेंट के रूप में भी काम किया। आरोपी मोहम्मद हसीबुल उर्फ (फर्जी नाम) जोवन चौधरी) ने आठ महीने पहले हैदराबाद के मलकपेट में रहते हुए मोहम्मद मुकीद (पान की दुकान का व्यवसायी) और उसके सूत्रधार टी. साईं किरण, जी. रज्जिकंत के जरिए नरसिंगी नगर पालिका से एक फर्जी जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किया। मोहम्मद हसीबुल उर्फ जोवन चौधरी ने फर्जी विवरण और फर्जी दस्तावेजों के साथ डी. सुधीर कुमार के माध्यम से यह जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किया।डी. सुधीर कुमार आउटसोर्सिंग कंप्यूटर ऑपरेटर, स्वच्छता अनुभाग, नरसिंगी नगर पालिका में तैनात है। उसने हेरफेर किया और बांग्लादेशी नागरिक को जन्म प्रमाण पत्र दिया। जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर मोहम्मद हसीबुल उर्फ जोवन चौधरी ने सूत्रधार जी. रजनीकांत के माध्यम से भारतीय मतदाता पहचान पत्र प्राप्त किया और खुद को भारतीय नागरिक मानने के लिए मूल आधार कार्ड के लिए भी आवेदन किया। आरोपी मोहम्मद हसीबुल (फर्जी नाम: जोवन चौधरी) की दोस्ती रोहन साहा नाम के एक बांग्लादेशी नागरिक से हुई, जो टूरिस्ट गाइड का काम करता है और अवैध रूप से कोलकाता में रह रहा है। इस बीच उसे और उसकी गर्भवती पत्नी का समर्थन करने के लिए मार्च-2025 के महीने में दोनों आरोपी मोहम्मद हसीबुल (नकली नाम: जोवन चौधरी) रोहन साहा के साथ अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर मलकपेट में रह रहे थे और भारतीय सुविधाकर्ताओं/एजेंटों के माध्यम से सरकारी प्रणाली में गलत जानकारी जमा करके एक नकली और जाली आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मतदाता कार्ड आदि प्राप्त कर उन्हें खुद को भारतीय होने का दावा करने और भारत में बसने में सक्षम बनाया। बुधवार को विश्वसनीय सूचना पर दो बांग्लादेशी नागरिकों को चार भारतीय सुविधाकर्ताओं/एजेंटों के साथ गिरफ्तार किया गया और बांग्लादेशी नागरिकों के कब्जे से नकली और मनगढ़ंत दस्तावेज जब्त किए गए।पकड़े गए आरोपियों को जब्त सामग्री के साथ आवश्यक कार्रवाई करने के लिए एसएचओ, मलकपेट पीएस को सौंप दिया गया।

सीएम जापान का दौरा पूरा कर हैदराबाद पहुंचे

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी जापान का दौरा पूरा करने के बाद हैदराबाद पहुंच गए हैं। शमशाबाद हवाई अड्डे पर सांसदों, विधायकों, सलाहकारों, निगम अध्यक्षों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। इस महीने की 16 तारीख को जापान की यात्रा पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में अधिकारियों की एक टीम गई थी। तेलंगाना सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये के निवेश के समझौतों पर हस्ताक्षर किये। जापान की सात दिवसीय यात्रा के दौरान कंपनी ने 12062 करोड़ रुपये की कमाई की।

वाहन चलाने वाले नाबालिगों के खिलाफ़ विशेष अभियान, 1275 मामले दर्ज

एक साल की अवधि के लिए 35 वाहनों का पंजीकरण रद्द

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफ़िक पुलिस ने पांच अप्रैल से नाबालिगों के खिलाफ़ विशेष अभियान शुरू किया है। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 199A के अनुसार, किसी भी नाबालिग व्यक्ति के लिए मोटर वाहन चलाना सख्त वर्जित है। इस प्रावधान का उल्लंघन करने पर न केवल नाबालिग बल्कि वाहन मालिक या अभिभावक के लिए भी सख्त कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद डी. जोएल डेविस ने कहा कि इस अभियान के शुरू होने के बाद से, शहर की सड़कों पर मोटर वाहन चलाते हुए नाबालिगों के खिलाफ़ आज तक कुल 1275 मामले दर्ज किए गए हैं।

सख्त प्रवर्तन के तहत, संबंधित वाहनों के पंजीकरण प्रमाणपत्रों को रद्द करने के लिए क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) को अनुरोध प्रस्तुत किए गए थे। परिणामस्वरूप, अब तक 35 ऐसे वाहनों का पंजीकरण एक वर्ष की अवधि के लिए रद्द कर दिया गया है। शेष वाहनों के पंजीकरण को रद्द करने की प्रक्रिया चल रही है। हैदराबाद यातायात पुलिस सभी माता-पिता और अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें, क्योंकि यह न केवल उनके जीवन को बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन को भी खतरे में डालता है। इसके अतिरिक्त, प्रवर्तन प्रावधानों के अनुसार, नाबालिग जो वाहन चलाते समय पकड़े गए थे, वे 25 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के पात्र नहीं होंगे। नागरिकों से अनुरोध है कि वे यातायात अधिकारियों के साथ सहयोग करें और दुर्घटनाओं को रोकने और जीवन बचाने के लिए यातायात कानूनों का पालन करें और यह अभियान जारी रहेगा।

हयातनगर में सार्वजनिक उपद्रव के लिए पकड़े गए ट्रांसजेंडर

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हयातनगर पुलिस ने मंगलवार रात सीमा पार विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर सार्वजनिक उपद्रव पैदा करने के आरोप में पांच ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पकड़ा। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के बाद स्थानीय पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने विशेष टीमें गठित कीं और कई संवेदनशील स्थानों पर छापेमारी की।

इन टीमों ने सीमा के भीतर अचानक छापेमारी की और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को पकड़ा जो कथित तौर पर अपने शरीर को उजागर कर रहे थे और सार्वजनिक रूप से अश्लील इशारे कर रहे थे और उपद्रव मचा रहे थे। उन्हें तहसीलदार के समक्ष पेश किया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सार्वजनिक उपद्रव मचाकर और जबरन वसूली करके पैदल यात्रियों और वाहन चालकों को परेशान करने वाले लोगों को चेतावनी दी।

रवीन कुमार रेड्डी ने सदस्य तकनीकी के रूप में कार्यभार संभाला

रेलवे दावा न्यायाधिकरण, सिकंदराबाद पीठ में मिली जिम्मेदारी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। के. रवीन कुमार रेड्डी ने रेलवे दावा न्यायाधिकरण, सिकंदराबाद पीठ के सदस्य (तकनीकी) के रूप में कार्यभार संभाला। के. रवीन कुमार रेड्डी ने बुधवार को रेलवे दावा न्यायाधिकरण, सिकंदराबाद पीठ के सदस्य (तकनीकी) के रूप में कार्यभार संभाला। वे 1988 बैच के भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) से हैं। रेलवे दावा न्यायाधिकरण पीठ एक अर्ध-न्यायिक संस्था है जिसकी स्थापना वर्ष 1989 में आरसीटी अधिनियम 1987 के तहत की गई थी। ये पीठें देश के विभिन्न हिस्सों में किराए, माल ढुलाई शुल्क की वापसी के दावों और भारतीय रेलवे में दुर्घटनाओं और अप्रिय घटनाओं से संबंधित मुआवजे के दावों से संबंधित विवादों को तेजी से निपटाने के लिए स्थापित की गई थीं। वर्तमान कार्यभार से पहले रवीन कुमार रेड्डी अतिरिक्त सदस्य (यातायात परिवहन), रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली के पद पर कार्यरत थे। कार्यकाल के दौरान, वे पूरे भारतीय रेलवे में यात्री और माल दोनों खंडों के ट्रेन संचालन के लिए जिम्मेदार थे। केआरके रेड्डी ने महाकुंभमेला के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से प्रयागराज के लिए कई विशेष ट्रेनें चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इससे पहले, दक्षिण मध्य रेलवे में, उन्होंने प्रमुख मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (यात्री सेवाएं) और मुख्य माल परिवहन प्रबंधक सहित विभिन्न क्षमताओं में काम किया है। उन्होंने दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर डिवीजन में मंडल रेल प्रबंधक के रूप में भी काम किया है। रवीन कुमार रेड्डी ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों राज्यों की सरकारों में प्रतिनियुक्ति पर कई प्रमुख पदों पर भी काम किया है और रेलवे में तीन दशक से अधिक की सेवा पूरी की है। खड़गपुर डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, खड़गपुर जंक्शन पर दुनिया की सबसे बड़ी 800 रूटों की वितरित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग शुरू की गई और संतरागाछी और शालीमार में विश्व स्तरीय स्टेशन परिसरों को चालू किया गया। ईंधन प्रबंधन और रणनीतिक योजना निदेशक के रूप में काम करते हुए, उन्होंने भद्राद्री, यदाद्री 6000 मेगावाट अल्ट्रा मेगा पावर प्लांट्स, रेलवे साइडिंग के लिए मंजूरी और ईएसी अनुमोदन प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, साथ ही थाडीचेरला ओसीपी 1 समर्पित कोयला खदान अनुमोदन और एमडीओ कमीशनिंग भी की। सीएफटीएम/एससीआर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, दक्षिण मध्य रेलवे को वर्ष 2015 में 116.8 मिलियन टन की उच्चतम वृद्धिशील लोडिंग के लिए रेलवे बोर्ड ऑपरेटिंग शील्ड से सम्मानित किया गया था। श्री रवीन कुमार रेड्डी को रेलवे परिचालन और अवसंरचना योजना, ऊर्जा और बिजली उत्पादन, व्यापार और भंडारण क्षेत्रों, उपनगरीय मास रैपिड ट्रांसपोर्ट, शिपिंग और बंदरगाहों, वाणिज्य और निर्यात संवर्धन के क्षेत्रों में नीति निर्माता और प्रशासक के रूप में विविध अनुभव है।

पुलिस कांस्टेबल के बेटे ने यूपीएससी सिविल परीक्षा में हासिल की सफलता

आदिलाबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में लगातार असफलताओं से विचलित हुए बिना, थलामादुगु मंडल के सुदूर पालसी (बी) थांडा के एक हेड कांस्टेबल के बेटे साई चैतन्य जाधव ने अपने छठे प्रयास में 68वीं रैंक हासिल कर सफलता हासिल की। जवाहरलाल नवोदय विद्यालय (जेएनवी)-कागजनगर के पूर्व छात्र जाधव ने यूपीएससी सिविल परीक्षा में बैठने से पहले भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान-तिरुचिरापल्ली से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक किया। आईएएस अधिकारी बनने के अपने सपने को साकार करने के लिए वह चार प्रयासों में असफल रहे। वह फिर से अपने लक्ष्य से चूक गए क्योंकि उन्हें अपने पांचवें प्रयास में आईएफएस अधिकारी के रूप में चुना गया। जाधव ने लगातार छठी बार मैदान पर उतरते ही सही निशाना साधा।

साई चैतन्य ने कहा कि आईएएस अधिकारी बनना मेरी महत्वाकांक्षा रही है। मुझे आईएएस और आईपीएस अधिकारियों से प्रेरणा मिली, जो स्कूल में पढ़ने के दौरान जेएनवी आते थे। जब मैं पांच प्रयासों में सीएसई पास नहीं कर पाया, तो मैं निराश नहीं हुआ। तेलुगु और अंग्रेजी दोनों ही अखबारों के शौकीन, इंजीनियरिंग स्नातक ने अपनी सफलता का श्रेय सावधानीपूर्वक योजना, दृढ़ता और अपने माता-पिता से मिले अटूट प्रोत्साहन को दिया। उन्होंने कहा कि वह समसामयिक मामलों, सामान्य ज्ञान और विज्ञान विषयों पर पकड़ बनाने के लिए विभिन्न स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित निबंध और लेख पढ़ रहे थे।

केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने हैदराबाद में विरोध प्रदर्शन का किया नेतृत्व

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बुधवार को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के खिलाफ हैदराबाद में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी पहलगाम में हुए हमले की कड़ी निंदा की और केंद्र से आतंकवादियों को नहीं बख्शने का अनुरोध किया।

किशन रेड्डी ने पार्टी सांसदों, विधायकों और अन्य नेताओं के साथ शहर के मध्य में टैंक बंड के पास अंबेडकर प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन किया। हाथों में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज लिए हुए लोगों ने पाकिस्तान की निंदा करते हुए और मारे गए पर्यटकों के सम्मान में नारे लगाए। भाजपा सांसद के. लक्ष्मण, ई. राजेंद्र, कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी और अन्य लोगों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

किशन रेड्डी ने पहले आतंकी हमले की निंदा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए भयानक आतंकी हमले से बहुत दुखी हूं। क्रूरता का यह कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य अस्वीकार्य है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। आतंकवाद के खिलाफ देश एकजुट है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, VRUSHALI WANJARKHEDKAR CHANGED NAME AS VRUSHALI AMIT WANJARKHEDKAR W/O. AMIT CHANDRAKANT WANJARKHEDKAR, RESIDENT OF FLAT NO. 215, NARAYANADRI BLOCK, SVRS BRINDAVAN SOCIETY, SAROORNAGAR, HYDERABAD-500035, TELANGANA STATE.

SHE IS MINOR DECLARE HER FATHER AS MITALI WANJARKHEDKAR CHANGED NAME AS MITALI AMIT WANJARKHEDKAR D/O. AMIT CHANDRAKANT WANJARKHEDKAR, RESIDENT OF FLAT NO. 215, NARAYANADRI BLOCK SVRS BRINDAVAN SOCIETY, SAROORNAGAR, HYDERABAD- 500035. TELANGANA STATE.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

बैलगाड़ी से निकलने वाले किसानों की केटीआर ने की सराहना

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने सूर्यापेट के किसानों के दृढ़ संकल्प की सराहना की, जो चिलचिलाती धूप का सामना करते हुए पारंपरिक बैलगाड़ियों में सवार होकर वारंगल के पास एल्काथुर्थी में बीआरएस रजत जयंती समारोह में भाग लेने के लिए निकल पड़े। रामा राव ने किसानों की बैलगाड़ी रैली की तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए पूर्व मंत्री और वरिष्ठ विधायक जी जगदीश रेड्डी के नेतृत्व में किसानों की भावना और संकल्प की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि उनके कार्य तेलंगाना की चार करोड़ आबादी के लिए प्रेरणा हैं, जो राज्य के हितों और राजनीतिक पहचान की रक्षा करते हैं। उन्होंने घोषणा की कि कांग्रेस सरकार द्वारा धोखा दिए जाने के बाद, किसान आने वाले दिनों में राज्य की राजनीति को नया रूप देने वाली ताकत बनेंगे।

विप्रो सर्किल के पास फोन छीनने की कोशिश नाकाम

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कल्पना कीजिए कि आप गर्मी की रात में सड़क पर आराम से चल रहे हैं और अचानक कुछ अनजान लोग आपके पास आकर 'मदद' मांगते हैं। उस स्थिति में आपका दिमाग आपको बताता है कि कुछ संदिग्ध है, लेकिन आपका दिल आपको उनकी मदद करने के लिए कहता है। तब आप क्या करेंगे? क्या आप उनकी मदद करेंगे या मौके से खिसक जाएंगे?

कुछ ऐसा ही इस रेडिटर के साथ हुआ, जिसका नाम पता नहीं है, जिसने प्लेटफॉर्म पर अपना अनुभव साझा किया। उसने कहा कि वह विप्रो सर्किल के पास संभावित फोन स्नैचिंग घोटाले से बच गया होगा। उसने कहा कि जब वह रात 11.30 बजे जिम से लौट रहा था, तो सड़क के किनारे एक बाइक पर तीन लोगों का एक समूह बैठा था। जब उनमें से एक उस बाइक से उतरा जिस पर वह बैठा था, तो दूसरा व्यक्ति रेडिटर के पास आया और पूछा कि क्या उसने कोई ओला राइड बुक की है।

जब इनकार किया गया, तो व्यक्ति ने अपने घर तक की सवारी के लिए किराया देखने के लिए रेडिटर का फोन मांगना शुरू कर दिया। कुछ गड़बड़ महसूस करते हुए, रेडिटर ने कहा कि बैटरी कम है भाई, मदद नहीं कर सकता" और उस जगह से चला गया। उसने अपने हेडफ़ोन लगाए हुए थे, अजनबियों ने देखा, लेकिन फिर भी उनका व्यवहार उसकी मदद करने के लिए गलत लगा।

जब वह वहां से जा रहा था, तो उन लोगों ने लापरवाही से अपनी बाइक उसकी ओर घुमाई और चिल्लाए कि ओह, हम यहां बस आराम कर रहे थे, देखने के लिए कुछ भी नहीं था। अपने विचार व्यक्त करते हुए रेडिटर ने कहा कि मैं 100% नहीं कह रहा कि यह एक घोटाला था, लेकिन यह निश्चित रूप से संदिग्ध लग रहा था। मेरा अनुमान है: वे चाहते थे कि मैं अपना फोन निकालूं और ध्यान भटकाऊं, और फिर उनमें से कोई इसे छीन लेता। तीसरा व्यक्ति दिखावा कर सकता था कि उसका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

इसे साझा करते हुए, रेडिटर ने कहा कि वह असुरक्षित महसूस कर रहा है और उसने विचित्र रूप से यह भी कहा कि भविष्य में रात्रि सैर के लिए उसे मिर्च स्प्रे की आवश्यकता पड़ सकती है। एक अन्य रेडिटर ने पोस्ट पर टिप्पणी की कि यह बहुत संभव है कि वे छीनने की योजना बना रहे थे, आप कभी नहीं जानते... पछताने से बेहतर है कि सुरक्षित रहें। आपने अच्छा किया, अपने पैरों पर खड़े होकर सोचा।

सहायक अभियंता को एसीबी ने वानापर्थी में किया गिरफ्तार

वानापर्थी, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बुधवार को वानापर्थी के गणपुर मंडल में टीजीएसपीडीसीएल के सहायक अभियंता (संचालन) कोंडैया को 10,000 रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, एसीबी की महबूबनगर इकाई ने टीजीएसपीडीसीएल अधिकारी को उस समय गिरफ्तार किया जब वह गणपुर के मलकापुर में तिरुमाला एग्रो इंडस्ट्रीज में स्थापित वितरण ट्रांसफार्मर को बिजली कनेक्शन देने के लिए कथित तौर पर रिश्वत ले रहा था।

एक ब्रेन डेड किसान के अंग दान किये गये

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा के कन्नेकल के गरकुंटा पालम निवासी 75 वर्षीय किसान गरलापति वेंकट रेड्डी का ब्रेन डेड हो गया था। उसके परिवार के सदस्यों ने राज्य द्वारा संचालित जीवनदान अंग दान पहल के तहत जरूरतमंद मरीजों को मृतक के अंग दान कर दिए हैं। 18 अप्रैल को, अपने दोपहिया वाहन पर यात्रा करते समय किसान अचानक फिसल गया और इस प्रक्रिया में उसे गंभीर चोटें आईं। उसके परिवार के सदस्यों ने तुरंत उसे मिर्यालगुडा के स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया और बाद में बेहतर इलाज के लिए उसे हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया।

गहन चिकित्सा उपचार के बाद किसान की स्वास्थ्य स्थिति में कोई सुधार न होने पर, उपस्थित डॉक्टरों की टीम ने वेंकट रेड्डी को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। किसान के दो बेटों, रमना रेड्डी और रविंदर रेड्डी ने जीवनदान अंगदान पहल के तहत जरूरतमंद मरीजों को अंग दान करने की सहमति दी। शल्य चिकित्सकों ने दो कॉर्निया और लीवर (कुल 3 अंगों में) निकाले तथा उन्हें जीवनदान अंग दान दिशानिर्देशों के आधार पर जरूरतमंद मरीजों को आवंटित कर दिया। जीवनदान तेलंगाना ने अंगदान करने के नेक निर्णय के लिए गरलापति वेंकट रेड्डी के परिवार के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-WAT-SOUTH-06-2025
दिनांक: 16.04.2025

कार्य का नाम : BCM के साथ प्लेन ट्रैक की डीप स्क्रीनिंग एवं अन्य अनुषंगी कार्य-वाल्टियर मण्डल में वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/साउथ/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन मेन लाइन में कोरुकोंडा से दुव्वाड़ा स्टेशन के बीच 44.918 TKM एवं वाल्टियर मार्शलिंग यार्ड एवं VSPS यार्ड लाइन।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 3,24,01,098.81, EMD : ₹ 3,12,000/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 08.05.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-66/Q/25-26

चायल विधायक पूजा पाल ने दर्ज कराई शिकायत

कहा- फेसबुक पर किया जा रहा बदनाम

प्रयागराज, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कौशांबी के चायल विधानसभा से विधायक पूजा पाल को फेसबुक पर बदनाम करने का मामला सामने आया है। उनका कहना है कि छवि धूमिल करने व गरिमा को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से षडयंत्र पूर्वक फेसबुक आदि इन्टरनेट प्लेटफर्मों का प्रयोग कर उनकी मर्यादा व शुचिता के विरुद्ध लेख पोस्ट व शेयर किए जा रहे हैं। इस पर लगातार अभद्र व अश्लील टिप्पणी करके जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस षड्यंत्र से प्रार्थिनी के राजनीतिक भविष्य को अपूर्णनीय क्षति पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। फेसबुक पर पोस्ट आरती पाल नाम के एक फेसबुक एकाउंट पर किया जा रहा। विधायक की तहरीर पर धूमनगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

अलीगढ़ में पानी न मिलने पर हंगामा, महिलाओं ने लगाए 'मकान बिकाऊ हैं' के पोस्टर

अलीगढ़, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। ऊपरकोट के चिराग चियान मोहल्ले में लोगों को पिछले 15 दिनों से पर्याप्त मात्रा में पेयजल नहीं मिल रहा है। इससे आक्रोशित लोगों ने मंगलवार को क्षेत्र में सड़क पर उतरकर हंगामा किया। महिलाओं ने खाली बाल्टियां लहराकर नगर निगम विरोधी नारे लगाए। इसके अलावा लोगों ने 'यह मकान बिकाऊ है, यहां पानी की समस्या है' कागज पर लिखकर पोस्टर बनाए और घरों के दरवाजे पर चिपका दिए। घरों में ताला डालकर लोग सड़क पर विरोध जताने लगे। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि चिराग चियान क्षेत्र में पर्याप्त पानी न आने से रोजमर्रा के काम अटक जाते हैं, आस-पड़ोस से पानी लेना पड़ता है। क्षेत्रीय निवासी शहाबुद्दीन ने सीधे प्रदेश सरकार पर निशाना साध दिया। कहा कि सरकार क्षेत्र की जनता को पानी नहीं देना चाह रही है। इसीलिए अधिकारी भी आंख मूंदे बैठे हैं। अफजल अंसारी ने बताया कि वाटरवर्क्स, घुड़ियाबाग व बारहद्वारी के नलकूपों से ओवरहेड टैंक भरता है, उससे पानी क्षेत्रों में भेजा जाता है। इन नलकूपों की मोटरें खराब होने से ओवरहेड टैंक भर नहीं पाता है। इसके चलते पर्याप्त जलापूर्ति नहीं होती है। बनियापाड़ा क्षेत्र में पानी पहुंचता है लेकिन उसी के बराबर में चिराग चियान क्षेत्र में पानी नहीं पहुंचता है। इसलिए लोगों ने यहां से पलायन करने का निर्णय किया है। जब गर्मी में पेयजल ही उपलब्ध नहीं हो पा रहा तो ऐसे रोज-रोज कैसे गुजर-बसर हो पाएगा? चिराग चियान निवासी शकील अहमद ने बताया कि उनके घर पर वैवाहिक समारोह है। तीन दिन पहले हल्दी की रस्म थी। घर पर रिश्तेदारों का आना-जाना लगा है। मगर पानी न होने समस्या हो रही है। मस्जिद से पानी लाकर काम चलाना पड़ रहा है। घर पर सभी काम अटके हुए हैं। नगर निगम में शिकायत के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है। क्षेत्र में पिछले दो हफ्ते से पानी नहीं आ रहा है। बनियापाड़ा में पानी आता है लेकिन चिराग चियान में आपूर्ति नहीं होती। इसकी शिकायत लंबे समय से कर रहे हैं लेकिन कोई सुधार नहीं। मोहम्मद शाकिर भीषण गर्मी में पानी न मिलने से लोग परेशान हो रहे हैं। मस्जिद व आस-पड़ोस से पानी लेने को मजबूर हो रहे हैं। इस तरह कितने दिन तक काम चल पाएगा। जनता परेशान हो रही है। नजर अभी कई लोग पलायन करने के फैसले कर रहे हैं। अगर दो दिन में पानी की व्यवस्था नहीं सुधरी तो सीधे निगम में ही डेरा जमा लेंगे। जब तक पानी नहीं आएगा तब तक विरोध होगा।

सुप्रीम कोर्ट में परीक्षा रद्द करने की याचिका खारिज, गड़बड़ी के नहीं मिले कोई सबूत

पटना, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाने वालों को सुप्रीम झटका लगा है। सर्वोच्च न्यायालय ने बीपीएससी की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर दायर याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने इस मामले पर सुनवाई के बाद कहा कि परीक्षा में बड़ी गड़बड़ी का कोई सबूत नहीं है। लिहाजा ये याचिका खारिज की जाती है। मामले की सुनवाई जस्टिस दीपांकर दत्ता और मनमोहन की बेंच ने की। उन्होंने सुनवाई के दौरान याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि देश में परीक्षाएं आज समाप्त नहीं हो रही हैं, क्योंकि उन्हें हर बार चुनौती दी जा रही है। बेंच ने आगे कहा, "आप इस अदालत में बैठते हैं और महसूस करते हैं कि परीक्षाएं समाप्त नहीं हो रही हैं। हर परीक्षा को चुनौती दी जा रही है। कोई भर्ती नहीं हो रही है। हर कोई एक-दूसरे की असुरक्षा का फायदा उठा रहा है।" इससे पहले पटना हाईकोर्ट ने भी बीपीएससी परीक्षा रद्द करने को लेकर दायर सारी याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट में आज याचिका दायर करने वालों ने कई बड़े वकीलों को उतारा था, लेकिन वे कोई ठोस तथ्य या सबूत पेश नहीं कर पाए।

कार के सीक्रेट चैंबर से 58.5 किलो चांदी बरामद

बांका, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बांका में पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान एक कार से 58 किलो 480 ग्राम चांदी के जेवरात बरामद किया। मौके से पश्चिम बंगाल के दो तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बाराहाट पुलिस ने यह कार्रवाई का है। शाम बाराहाट पुलिस ने भागलपुर-हंसडीहा सड़क मार्ग पर यह करवाई किया। इस दौरान पूछताछ और जांच पड़ता चलता रहा। बाराहाट थानाध्यक्ष दीपक पासवान ने बताया कि भागलपुर-दुमका मुख्य मार्ग पर वाहन जांच की जा रही थी। एक संदिग्ध कार की तलाशी में उसके अंदर बने गुप्त तहखाने से भारी मात्रा में चांदी के जेवर मिले। इलेक्ट्रिक तराजू पर मापने पर बरामद चांदी कुल वजन 58 किलो 480 ग्राम निकला। पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर निवासी गुरु प्रसाद करमोकार और अमन मलिक हैं।

पूछताछ में पता चला कि वे चांदी को पश्चिम बंगाल से दरभंगा ले जा रहे थे।मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओ अविनाश कुमार और एसडीपीओ अर्चना कुमारी ने मौके का जायजा लिया। एसडीपीओ के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

पहलगाम आतंकी हमला: आग-बबूला हुए शाहनवाज हुसैन और वीआईपी सुप्रीमो

पटना, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से पूरे देश में आक्रोश है। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के विंग द रजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने ली है। इसको लेकर देश के अलग-अलग नेताओं की प्रतिक्रिया आ रही है। इसी कड़ी में बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आंतकी हमला अत्यंत शर्मनाक और कायराना है। जो आतंकी अपने पाकिस्तानी आका के कहने पर इस घटना में शामिल हैं उन्हें बक्शा नहीं

जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एलजी को वहां भेजा है। जो आतंकी इसमें शामिल होंगे उन्हें मौत के घाट उतारा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर देश को एकजुट होना चाहिए। विपक्ष जो इसपर बयानबाजी कर रहा है उसे बंद करना चाहिए। सबको एक स्वर, एक आवाज में इकट्ठा होकर देश के साथ खड़ा रहना चाहिए। ये बहुत कायरतापूर्ण हमला है। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले ने एक बार फिर इंसानियत को झकझोर दिया है। निर्दोष लोगों की जान जाना बेहद दुखद और निंदनीय है। मैं उन सभी नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने इस हमले में अपनी जान गंवाई। शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। आतंकवाद के खिलाफ देश एकजुट है और हर ऐसी बर्बरता का मुंहतोड़ जवाब देना जरूरी है। उधर बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में सैलानियों पर आतंकी हमला बेहद ही कायरतापूर्ण और निंदनीय है। मैं मृतकों और उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं एवं घायलों के स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। बिहार सरकार में मंत्री संजय सरावगी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में सैलानियों पर आतंकी हमला बेहद ही कायरतापूर्ण और निंदनीय है। मैं मृतकों और उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं एवं घायलों के स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

23 दिन की दुल्हन मामा के साथ भागी, भागने से पहले पति को धमकाया- टुकड़ों में काटकर अटैची में भर दूंगी

गजरौला, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। शादी के 23 दिन बाद एक विवाहिता अपने रिश्ते के मामा संग फरार हो गई। उसके पति ने आरोप लगाया है कि विवाहिता ने उसे मेरठ में ड्रम कांड का हवाला देते हुए उसी तरह टुकड़ों में काटकर अटैची में भरने की धमकी भी दी थी। विवाहिता पर 25 हजार की नकदी और डेढ़ लाख के जेवर चुराने का भी आरोप लगाया है। हालांकि पुलिस ने अभी इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की है।

'पैंट उतरवा कर देखा मोमिन हैं या काफिर और फिर गोली मारी'

कश्मीर पहलगाम हमले को लेकर राजा भैया भड़के

प्रतापगढ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम के पास स्थित बैसरन में आतंकियों ने जो बर्बरता की है, उससे पूरा देश गुस्से में हैं। आतंकियों ने 28 पर्यटकों को मार डाला है। बताया जा रहा है कि आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा है। बताया तो यहां तक जा रहा है कि आतंकियों ने मारने से पहले कलमा भी पढ़वाया है और फिर गोली मारी है। अब इस घटना को लेकर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के बाहुबली राजनेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया का बड़ा रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने जनता से साफ कहा है कि वह कश्मीर घुमने नहीं जाए। इसी के साथ उन्होंने ये भी कहा है कि जिन पर्यटकों की उनके परिजनों के सामने बर्बर हत्या की गयी उनकी पैंट उतरवा कर आतंकवादियों ने ये तय किया कि वो मोमिन है या क़ाफ़िर।

क्या बोले राजा भैया?

सोशल मीडिया एक्स पर राजा भैया ने लिखा, कश्मीर में हिन्दू तो पहले ही मारे काटे जा चुके हैं, जो जान बचाकर भागने में सफ़ल रहे वे अपने ही देश में आज भी शरणार्थी हैं। अब अपने पर्यटक भाई बहनों से कहना चाहूंगा कि जब हम अपने बच्चों को गर्मी की छुट्टियों में कश्मीर घुमाने ले जाते हैं तो न सिर्फ अपने परिवार के जीवन को खतरे में डालते हैं बल्कि आतंकवादी, अलगाववादी, जेहादी ताकतों को आर्थिक रूप से मजबूत करते हैं, इतना ही नहीं हम अनजाने में अपने ही ख़िलाफ़ छिड़े 'जेहाद' को अपनी ही जेब से फ़ंड करते हैं। राजा भैया ने लिखा, डल झील में नावों पर सपरिवार सेल्फी लेकर हम विश्व को ये संदेश देते हैं कि कश्मीर में अमन चैन है, लेकिन आज फिर एक बार असलियत सबके सामने आ गयी।

कश्मीर जाकर हम उनके अल जेहाद को बल देते हैं- राजा भैया

राजा भैया ने लिखा, इसमें कोई शक नहीं कि कश्मीर में लगभग सभी की मानसिकता अलगाववादी है, कोई प्रत्यक्ष तो कोई परोक्ष रूप से आतंक का समर्थन करता है, और वहां के राजनैतिक दल भी इसका अपवाद नहीं हैं, ऐसे में हम कश्मीर जाकर होटल, भोजन, ख़रीदारी करके उनके अल-जेहाद को ही बल देते हैं।

धर्म देखकर गोली मारी गई- राजा भैया

राजा भैया ने आगे लिखा, जिन पर्यटकों की उनके परिजनों के सामने बर्बर हत्या की गयी उनकी पैंट उतरवा कर आतंकवादियों ने ये तय किया कि वो मोमिन है या क़ाफ़िर।

कलावा देख के और वस्त्र उतारकर धर्म देखने के बाद गोली मारने वाले आतंकियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि आतंकवाद का मज़हब होता है।

कानपुर के शुभम को भी मार डाला

बता दें कि जिन 26 लोगों को आतंकियों ने मारा है, उसमें कानपुर के शुभम द्विवेदी भी शामिल हैं। उनकी शादी 12 फरवरी 2025 को ही हुई थी। उनको उनकी पत्नी के सामने सिर पर गोली मार दी गई और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

पति को लेकर भिड़ी दो पत्नियां, बाल पकड़कर एक-दूसरे को गिराकर मारा; थाने पर हाई वोल्टेज ड्रामा

मेरठ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के मेरठ में एक पति को लेकर दो पत्नियों का थाने के गेट पर महासंग्राम हो गया। दोनों पत्नियां एक युवक को लेकर एक दूसरे के बाल पकड़-पकड़कर लड़ने लगी। उनके साथ आए लोग भी आपस में उलझ गए। पुलिस के सामने मारपीट और गालीगलौज का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह थाना ब्रह्मपुरी का गेट है, जहां पर दो युवतियां एक युवक को 'यह मेरा हसबैंड' कहते हुए लड़ने लगीं। जानकारी के अनुसार, तारापुरी के धोबीघाट के रहने वाले इरशाद की शादी हो चुकी है और उसके चार बच्चे भी है। निशा का आरोप है कि उसे बिना बताए इरशाद ने दूसरा निकाह कर लिया और दूसरी बीबी अलिना को कहीं और किराए के मकान में रख लिया। लोगों से जानकारी मिलने के बाद पहली पत्नी निशा इरशाद को ढूंढते हुए अलिना के पास पहुंच गई। दोनों पत्नियों ने इरशाद को लेकर संघर्ष शुरू कर दिया और थाने पहुंच गई।

पटना में आरजेडी का पोस्टर वार

सम्राट चौधरी से इस्तीफा मांगा, चुनाव से पहले कुशवाहा जाति को साधने की तैयारी!

पटना, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले पोस्टर के जरिए हमले किए जा रहे हैं। बुधवार राजधानी पटना में एक पोस्टर देखने को मिला जिसे आरजेडी नेता की ओर से लगवाया गया है। पोस्टर के जरिए सीधे तौर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर हमला बोला गया है। पोस्टर में सम्राट चौधरी की तस्वीर लगाकर उन्हें कुशवाहा विरोधी बताया गया है। लिखा गया है, जाति की बात करते हो और कुशवाहा समाज की हत्या पर चुप्पी साधते हो।

'अब जाग गया कुशवाहा समाज'

मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र के रहने वाले आरजेडी नेता सनत कुशवाहा ने पटना के इनकम टैक्स गोलंबर, आरजेडी कार्यालय और राबड़ी आवास के अलावा बीजेपी कार्यालय के सामने इस पोस्टर को लगवाया है। पोस्टर में सबसे ऊपर लिखा गया है, मुरेठा खोल, बड़बोले उपमुख्यमंत्री कहां हैं? उसके नीचे सम्राट चौधरी की बड़ी तस्वीर लगाई गई है तो एक साइड में सम्राट चौधरी द्वारा सम्मान करते हुए उस नेता (मंटू सिंह) की तस्वीर लगाई गई है जिस पर हत्या का आरोप है। उसके बीच में लिखा गया है, कुशवाहा समाज अब जाग गया है। अब वह सिर्फ साथ नहीं हिसाब भी मांगेगा।

'इस्तीफा दो या शर्म करो'

पोस्टर में आगे लिखा गया है, जाति की बात करते हो और कुशवाहा समाज की हत्या पर चुप्पी साधते हो। जाति के नाम पर वोट लिया अब नरसंहार पर मौन क्यों हो, इस्तीफा दो या शर्म करो। आरजेडी ने पोस्टर के जरिए सीधे तौर पर सम्राट चौधरी पर हमला करते हुए कुशवाहा जाति के वोट बैंक को साधने की कोशिश की है।

कुशवाहा समाज को एकजुट करने की कोशिश

गौरतलब है कि कुढ़नी विधानसभा में सहनी समाज और कुशवाहा समाज की बहुलता है। 2020 में इस सीट से आरजेडी के अनिल कुमार सहनी की जीत हुई थी। अब आरजेडी की ओर से कुशवाहा समाज को एकजुट करने के लिए पोस्टर लगाया गया है। देखना होगा कि 2025 के चुनाव में क्या कुछ नतीजा आता है।

पति की टोक ऐसी चुभी

लखनऊ में बीजेपी नेता की पत्नी ने खुद को मार ली गोली

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक प्रॉपर्टी डीलर एवं बीजेपी के नेता की पत्नी ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। उनका खाना बनाने को लेकर अपनी ही सास से झगड़ा हुआ था। इस झगड़े में पति ने अपनी मां का साथ दिया, जिसे बीवी बर्दाश्त न कर पाई। वो गुस्से में अपने कमरे में गईं फिर पति की ही लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। जैसे ही फायरिंग की आवाज आई, घर वाले दौड़कर कमरे में पहुंचे। खून से लथपथ महिला को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामला नवी कोट नंदा नई बस्ती इलाके का है। यहां पेशे से प्रॉपर्टी डीलर अतुल सिंह चौहान अपने परिवार के साथ रहते हैं। वो बीजेपी नेता भी हैं और वो भाजपा से पार्षद का चुनाव भी लड़ चुके हैं। पुलिस के मुताबिक मंगलवार को अतुल काम पर गए हुए थे। दोपहर करीब डेढ़ बजे पत्नी गुंजन सिंह (28) ने पति को व्हाट्सएप पर मैसेज भेज कर खाने के लिए घर बुलाया। व्हाटसएप पर मैसेज आने के कुछ देर बाद ही अतुल घर पहुंच गए, जिसके बाद गुंजन ने सास को भी खाना परोसा। सास शुगर की मरीज हैं। उन्होंने खाने में परोसे गए चावलों को लेकर गुंजन को टोका, जिस पर पति ने भी मां का ही पक्ष लिया। विवाद बढ़ने पर गुंजन तैश में आकर कमरे में चली गई। अतुल ने पुलिस को बताया कि गुंजन के कमरे में जाने के चंद मिनट बाद ही फायरिंग की आवाज आई। वह कमरे में पहुंचे तो गुंजन खून से लथपथ हालत में फर्श पर पड़ी थी। परिवार वालों की मदद से अतुल पत्नी को इलाज के लिए लेकर राम सागर मिश्र अस्पताल गए। वहां से घायल को केजीएमयू ट्रामा सेंटर ले जाने को कहा गया। अतुल के मुताबिक, ट्रॉमा सेंटर पहुंचने पर डॉक्टरों ने गुंजन की मौत की पुष्टि कर दी।

पहलगाम आतंकी हमला: बीजेपी के विज्ञापन पर भड़के अखिलेश यादव, कहा- समर्थक भी माफ नहीं करेंगे

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर स्थित पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय जनता पार्टी द्वारा किए गए एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने कहा कि बीजेपी के इस विज्ञापन से उनके कट्टर समर्थक भी उन्हें माफ नहीं करेंगे। सपा चीफ ने लिखा- भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के बेहद दर्दनाक हादसे पर बचकाना विज्ञापन छापकर साबित कर दिया है कि भाजपाइयों की संवेदना उनके प्रति शून्य है, जिन्होंने अपना जीवन खोया है और जिनके परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। भाजपा अब ये विज्ञापन हटवा भी देगी तो भी उसका ये पाप उसके कट्टर समर्थक तक माफ़ नहीं करेंगे। भाजपा हमेशा आपदा में अपनी सत्ता और सियासत के लिए अवसर ढूँढती है। भाजपा अपनी सत्ता के सिवा किसी की सगी नहीं है। घोर निंदनीय! यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा- जब जम्मू-कश्मीर में भाजपा सरकार ने सब कुछ अपने मन मुताबिक़ किया है तो वो इतने अधिक लोगों की असामयिक मौत के लिए अपनी ज़िम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती। ये केंद्र की सरकार की नाकामी है कि वो पहले से पता नहीं कर पायी कि देश के दुश्मन इतनी वीभत्स घटना को अंजाम देनेवाले हैं। ये कोई पहली बार नहीं हुआ है, भाजपा सरकार ने अगर पिछले हमलों से सबक लिया होता तो वो पहले से ही सचेत-सजग रहती और ऐसे हमलों को रोका जा सकता था, लोगों के जीवन को बचाया जा सकता था। उन्होंने लिखा कि संवेदनहीन भाजपाइयों से आग्रह है कि जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनका दुख-दर्द समझकर कम-से-कम देश की सुरक्षा को तो जुमला न बनाएं। ये असीम दुःख की घड़ी है, इसको भाजपाई दिखावटी बैठकों से और झूठी संवेदनाओं से झुठलाने का कुकृत्य न करें।

भाजपा सरकार की रणनीतिक चूक - कन्नौज सांसद

अखिलेश ने लिखा- भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों के ख़िलाफ़ देश भर के करोड़ों लोगों के मन में उठ रहा, 'गहरे दुख, रोष और क्रोध से भरा' ये आक्रोशित सवाल गलत नहीं है कि 'अगर भाजपाई और उनके संगी-साथी देश भर के पर्यटकों को जम्मू-कश्मीर के भ्रमण पर जाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं तो उनकी सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध पहले से क्यों नहीं किये गये'? जहाँ हमला हुआ वो स्थान कोई निर्जन स्थान नहीं था बल्कि एक चर्चित पर्यटन स्थल था, तब ही तो वहाँ देश के कई प्रदेशों के पर्यटक उपस्थित थे। सपा सांसद ने लिखा- इतने प्रसिद्ध स्थान पर सुरक्षा के लिए बैठकें पहले करनी थी, लोगों के जीवन गँवाने के बाद नहीं।

ये भाजपा सरकार की रणनीतिक चूक भी है लेकिन इससे उन भाजपाइयों को क्या फ़र्क़ पड़ता है जो स्वयं तो सुरक्षा के कई घेरों में चलते हैं लेकिन देशवासियों को मौत के मुँह में ढकेल देते हैं।

यूपी पुलिस की वेबसाइट पर 'मोस्ट वांटेड' नहीं अतीक की बीवी शाइस्ता, 50 हजार की है इनामी

प्रयागराज, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पुलिस की नजर में माफिया अतीक की बीवी शाइस्ता परवीन भले ही वांटेड है, लेकिन यूपी पुलिस की वेबसाइट पर वह 'मोस्ट वांटेड' नहीं है। प्रदेश के बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड के मुकदमे में शाइस्ता पिछले दो साल से वांछित चल रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि यूपी पुलिस की उसी वेबसाइट पर उमेश पाल हत्याकांड में ही वांछित पांच-पांच लाख रुपये के इनामी शूटर साबिर, अरमान और बमबाज गुड्डू मुस्लिम का तस्वीर के साथ इनाम की राशि, पता के साथ जानकारी दी गई है। मगर शाइस्ता के बारे में कोई जानकारी नहीं दर्शायी गई है। यूपी पुलिस की वेबसाइट देखने पर पता चलता है कि 'मोस्ट वांटेड' की सूची में कुल 28 अभियुक्तों का ब्यौरा दिया गया है। वह प्रदेश के विभिन्न जिले के रहने वाले वाले हैं और अलग-अलग मुकदमे में वांछित चल रहे हैं। इन सभी पर 50 हजार से लेकर पांच लाख रुपये तक का इनाम घोषित किया गया है। मोस्ट वांटेड अभियुक्तों की तस्वीर, नाम, पिता का नाम, पता और इनाम की राशि दर्शायी गई है। इसमें से 13 अपराधी ऐसे हैं, जिन पर 50-50 हजार रुपये का इनाम है। लेकिन इतना ही नाम माफिया अतीक की बीवी शाइस्ता पर भी है और उसे यूपी पुलिस की वेबसाइट में स्थान नहीं दिया गया है। इस आधार पर माना जा रहा है कि वेबसाइट को अपडेट नहीं किया गया है। धूमनगंज थाना क्षेत्र के जयंतीपुर मुहल्ले में 24 फरवरी 2023 की शाम उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की गोली व बम मारकर हत्या कर दी गई थी।

कूड़ा बीनने को लेकर दिल्ली में हुआ डबल मर्डर आरोपियों ने 3 लोगों पर चाकू से बोला हमला

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के आजापुर सब्जीमंडी में दो पक्षों में मामूली बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद आरोपी ने 3 लोगों पर चाकू से हमला बोल दिया। हमले के बाद लोगों ने तीनों को अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को फोन पर सूचना दी। जहां डॉक्टरों ने 2 को मृत घोषित कर दिया और एक का इलाज अभी जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी हमला करने के बाद मौके से फरार हो गया था। दरअसल यह पूरा विवाद कूड़ा बीनने को लेकर हुआ, जो खूनी खेल में बदल गया। मामला दिल्ली के आदर्श नगर इलाके का है। आबिद, कमल और अजमल रोजाना की तरह आदर्श नगर मेट्रो स्टेशन के पास कूड़ा बीन रहे थे तभी वहां फुटपाथ पर बैठे 2 व्यक्तियों ने इन तीनों के साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया और पैसे की मांगे, जब इन तीनों ने विरोध किया तो चाकू से हमला बोल दिया। इस विवाद में एक शख्स घायल भी हुआ है जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, आबिद, कमल और अजमल यह तीनों कूड़ा इकट्ठा करके उसे बेचने का काम करते हैं। घायल आबिद के मुताबिक, यह तीनों आदर्श नगर मेट्रो स्टेशन के पास कूड़ा इकट्ठा कर रहे थे, इसी दौरान फुटपाथ पर बैठे एक शख्स ने तीनों के साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया और कूड़ा उठाने की एवेज में पैसे की डिमांड करने लगे जिसका तीनों ने विरोध किया। इसके बाद फुटपाथ पर बैठे दोनों शख्स ने तीनों पर चाकू से हमला कर दिया।

इस वारदात में कमल और अजमल की मौत हो गई और आबिद घायल हो गया। फिर आरोपी वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गया। दोनों को एक-एक चाकू लगा और उपचार के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, आबिद के दाहिने हाथ पर चाकू लगा और उसका उपचार चल रहा है।

पहलगाम हमले को लेकर संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस से पूछा

'क्या आप गोमूत्र छिड़ककर जिंदा करने की कोशिश करेंगे', शिंदे को दिया ये चैलेंज

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर बुधवार (23 अप्रैल) को शिवसेना-यूबीटी के सांसद संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अमित शाह का देश के सभी बड़े असफल गृह मंत्री हैं। अमित शाह को गृह मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। संजय राउत ने कहा ,पहलगाम आतंकी हमले के लिए केंद्र सरकार और मोदी सरकार जिम्मेदार है। देश में आंदोलन करने से अच्छा है कि अमित शाह, पीएम नरेंद्र मोदी और उनके परिवार वालों की सुरक्षा कम किया जाए। उन्होंने आगे कहा, सेना में दो लाख जवान के पद खाली हैं। गृह मंत्री उन पदों को भरने तक के लिए तैयार नहीं हैं। 2000 हजार पर्यटक जम्मू-कश्मीर घूमने गए थे। क्या केंद्र सरकार को पता नहीं था कि वहां सुरक्षा बढ़ाई जाए।

एकनाथ शिंदे दिखाएंगे अमित शाह से इस्तीफा मांगने की हिम्मत- संजय राउत

संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांगना चाहिए। क्या एकनाथ शिंदे में ऐसा करने का दम है। संसद में उन्हें छप्पन इंच का सीना वाला कहा गया। वो कहते थे कि जम्मू-कश्मीर में परिंदा भी पर नहीं मारेगा। हकीकत यह है कि केंद्र सरकार ने सारी सुरक्षा बीजेपी के नेताओं के परिवार वालों को देखकर रखी है।

केंद्र सिर्फ विपक्षी सरकार को तोड़ने में लगी है- संजय राउत

संजय राउत ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि कौन से हिसाब से आप करारा जवाब देंगे? क्या आप उनको गोमूत्र छिड़क कर जिंदा करने की कोशिश करेंगे? केंद्र सरकार सिर्फ और सिर्फ जहां बीजेपी की सरकार नहीं है, वहां की सरकार तोड़ने में लगी है। अमित शाह पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर पहुंचे और उनकी सुरक्षा के लिए दर्जनों सुरक्षा लगाई गईं। अभी अमित शाह को वह सुरक्षा देकर क्या फायदा? देश के लोगों की तो जान चली गई और आप अभी जा रहे हैं।

'देश में इसलिए हो रहे हैं हिंदू-मुस्लिम विवाद'

उन्होंने कहा कि बीजेपी की वजह से देश में हिंदू-मुसलमान विवाद हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में मारे गए मुसलमान भी हैं, लेकिन बीजेपी उसे जातीय रंग देने की कोशिश कर रही है। बीजेपी को सिर्फ इतना ही आता है कि जहां बीजेपी सरकार नहीं है, वहां तृणमूल कांग्रेस, उमर अब्दुल्ला की पार्टी और तमाम जहां पर बीजेपी की सरकार नहीं है, ये लोग उसको तोड़ो और वहां पर विधायकों को और सांसदों को खरीदो की योजना में लगे रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, बिहार में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं तो जातीय गणित कहां से सेट करेंगे। उसी के लिए लिए जम्मू-कश्मीर में हमले हुए हैं।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस का संविधान बचाओ अभियान, तीन चरणों में होगा विरोध प्रदर्शन

भोपाल, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी की बैठक हुई. इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता विशेष रूप से मौजूद रहे. बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, जनसमस्याओं को प्राथमिकता देने, आगामी आंदोलनों और अभियानों को लेकर रणनीतिक चर्चा की गई. बैठक का प्रमुख फोकस आगामी संविधान बचाओ अभियान पर रहा. निर्णय लिया गया कि 25 से 30 अप्रैल के बीच पूरे देश में संविधान बचाव रैली आयोजित की जाएगी. इस कार्यक्रम के अंतर्गत मध्य प्रदेश में इस अभियान को 28 अप्रैल से ग्वालियर में एक भव्य रैली के साथ किया जाएगा. यह अभियान तीन चरणों में विस्तारित होगा. पहले चरण में 3 मई से 10 मई तक प्रदेश के प्रत्येक जिले में समस्त डीसीसी द्वारा पीसीसी के समन्वय से रैलियां आयोजित की जाएंगी. इन रैलियों में मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियां जैसे बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बदहाली आदि मुद्दों को उजागर किया जाएगा. युवाओं, किसानों, मजदूरों और दलित समुदायों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी. दूसरे चरण में 11 मई से 17 मई तक हर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के विधायक, पूर्व जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता जनजागरण करेंगे.

वाहनों की जब्ती की कार्रवाई पर हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, कलेक्टर से छीना अधिकार

जबलपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने अवैध कार्यों या अपराध में शामिल पकड़े गए वाहनों को राजसात करने के मामले में एक अहम आदेश दिया है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने अवैध शराब परिवहन में जब्त वाहनों को राजसात करने के कलेक्टर के अधिकार को खत्म कर दिया है। अब सिर्फ संबंधित ट्रायल कोर्ट ही ऐसे वाहनों को राजसात करने का आदेश दे सकेगी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सुरेश कुमार कैत, जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और जस्टिस विवेक जैन की तीन जजों की बेंच ने मप्र आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 47-ए को असंवैधानिक करार दिया है। इस धारा के तहत कलेक्टर को यह अधिकार था कि वे आबकारी मामलों में जब्त वाहनों को राजसात कर सकें।

गौ-वंश प्रतिषेध अधिनियम को लेकर दिया ये आदेश

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि गौ-वंश प्रतिषेध अधिनियम के तहत भी जब्त वाहन को कलेक्टर तभी राजसात कर सकेंगे, जब ट्रायल कोर्ट दोष सिद्ध कर दे। यह फैसला सागर निवासी राजेश विश्वकर्मा और नरसिंहपुर के रामलाल झारिया द्वारा दायर याचिकाओं पर आया है। दोनों याचिकाओं में यह तर्क दिया गया था कि कई बार वाहन मालिक की जानकारी के बिना वाहन का दुरुपयोग होता है और लंबी ट्रायल प्रक्रिया के चलते वाहन थानों में खड़े-खड़े खराब हो जाते हैं, जिससे निर्दोष मालिक को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। कोर्ट ने यह आदेश उन सभी मामलों पर भी लागू किया है, जिनमें अभी तक राजसात की कार्रवाई नहीं हुई है या जिनमें अपील या पुनर्विचार याचिकाएं हाई कोर्ट में लंबित हैं।

क्या होती है राजसात की कार्रवाई?

राजसात का मतलब है किसी संपत्ति (जैसे कि वाहन या उपकरण) को सरकार की संपत्ति घोषित करना, जो किसी अपराध में इस्तेमाल की गई हो या जिसे सरकार ने जब्त किया हो। जब कोई व्यक्ति या संस्था किसी अपराध के लिए दोषी पाई जाती है, तो सरकार उस संपत्ति को जब्त कर सकती है और उसे सरकारी संपत्ति घोषित कर सकती है। इसे ही राजसात कहा जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यदि कोई वाहन अवैध रूप से खनिज उत्खनन या अवैध शराब परिवहन आदि मामलों में इस्तेमाल किया जाता है तो सरकार उस वाहन को राजसात कर सकती है।

दिल्ली में कांग्रेस को मजबूत करने में जुटे देवेंद्र यादव, बनाया बड़ा प्लान

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में कांग्रेस पार्टी अपने संगठन को मजबूत करने के लिए कमर कस रही है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव की अगुआई में प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में बड़ी बैठक हुईं। इनमें लोकसभा और जिला पर्यवेक्षकों से लेकर कार्यकारिणी तक शामिल हुई। पार्टी का मकसद है कि संगठन को बूथ स्तर तक ले जाया जाए और आम लोगों तक पहुंच बढ़ाई जाए। इस बीच, आम आदमी पार्टी और बीजेपी पर भी जमकर हमला बोला गया। देवेंद्र यादव ने कहा, लोकसभा पर्यवेक्षक अब हर इलाके में जाकर पुराने-नए नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। जिला और ब्लॉक स्तर पर काम की समीक्षा करेंगे और पार्टी की हालत का जायजा लेंगे। अगर कहीं कुछ बदलने की जरूरत दिखी, तो अपनी रिपोर्ट देंगे। वहीं, जिला पर्यवेक्षकों को बूथ स्तर तक कमेटी बनाने और पार्टी के कार्यक्रमों को लागू करने की जिम्मेदारी दी गई। हर महीने जिला-ब्लॉक स्तर पर बैठकें होंगी और उनकी रिपोर्ट 3-5 दिन में प्रदेश कार्यालय में जमा करानी होगी। उन्होंने ये भी बताया कि 27 अप्रैल तक हर पर्यवेक्षक को अपने इलाके में दो उपाध्यक्ष, एक कार्यालय सचिव और एक सोशल मीडिया साथी के नाम देने होंगे। साथ ही, घर-घर प्रचार, धरना-प्रदर्शन और इलाके के बड़े मुद्दों पर मासिक प्लान तैयार किया जाएगा।

पार्टी विरोधियों पर सख्ती, मेहनती को मौका

देवेंद्र यादव ने साफ कहा, जो लोग पार्टी के खिलाफ काम कर रहे हैं, चाहे वो प्रदेश, जिला या ब्लॉक स्तर पर हों, उनकी पहचान होगी और उन पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। लेकिन, जो मेहनत से पार्टी के लिए खड़े हैं, उन्हें आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में ये तय हुआ कि संगठन को मजबूत करने के लिए सच्चे कार्यकर्ताओं को तवज्जो दी जाएगी।

25 अप्रैल को बीजेपी हेडक्वार्टर तक मार्च

कांग्रेस का 'संविधान बचाओ अभियान' भी जोरों पर है। इसके तहत 25 अप्रैल को दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय तक पैदल मार्च निकाला जाएगा। देवेंद्र यादव ने कहा, ये अभियान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का हिस्सा है 3 से 10 मई तक जिला स्तर पर, 11 से 17 मई तक विधानसभाओं में रैलियां होंगी। फिर 20 से 30 मई तक घर-घर संपर्क कर जनता से महंगाई, बेरोजगारी, अधिकार और जाति जनगणना जैसे मुद्दों पर बात होगी।

आप और बीजेपी पर हमला

देवेंद्र यादव ने दिल्ली नगर निगम के मेयर-डिप्टी मेयर चुनाव को लेकर आप और बीजेपी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, आप ने निगम चुनाव में जनता से सत्ता मांगी थी। जनता ने उन्हें बहुमत दिया, लेकिन अब वो मेयर-डिप्टी मेयर चुनाव से भाग रहे हैं। ये साफ दिखाता है कि आप और बीजेपी में सांठगांठ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जिम्मेदार विपक्ष के तौर पर अपने उम्मीदवारों का नामांकन करवाई है, भले ही बहुमत न हो। साथ ही, सभी पार्षदों से अपील की कि वो कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देकर निगम को भ्रष्टाचार से मुक्त करें।

भोपाल के नजदीक मंडीदीप में गेल प्लांट से गैस लीक

कड़ी मशक्कत के बाद रोका रिसाव; हड़कंप

भोपाल, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भोपाल के नजदीकी मंडीदीप में बुधवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे गेल प्लांट में गैस लीक हो गई। गैस लीक की सूचना मिलते ही फायर सेफ्टी टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद बुधवार सुबह करीब 10 बजे रिसाव को रोका जा सका। इस दौरान प्लांट के अंदर अफरा-तफरी एहतियातन एनडीआरएफ और एसडीईआर की टीमें भी मौके पर पहुंची। प्लांट के एक किलोमीटर के दायरे में बैरिकेड्स लगाकर आवाजाही पर रोक लगा दी गई। नगर पालिका मंडीदीप के फायर फाइटर्स को बुला लिया गया। इलाके को खाली करा लिया गया। सतलापुर और मंडीदीप पुलिस, होमगार्ड की टीम भी तैनात रही।

जयपुर से गेल की सेफ्टी टीम प्लांट का सेफ्टी ऑडिट करने पहुंच गई है। गेल के प्रोजेक्ट मैनेजर डी डोंगरे ने स्थिति को नियंत्रण में बताया है। उन्होंने कहा कि रिसाव को नियंत्रित कर लिया गया है। किसी तरह के नुकसान की आशंका नहीं है। स्कूलों की छुट्टी या आसपास के क्षेत्र को खाली कराने जैसी कोई आवश्यकता नहीं है।

कर्तव्य निर्वहन पर डिमोशन ठीक नहीं

हाईकोर्ट ने पंजाब पुलिस के एएसआई की सजा पर लगाई रोक

चंडीगढ़, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एएसआई को कांस्टेबल बनाने वाले डिमोशन के आदेश को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि यदि कर्तव्य निर्वहन पर इस प्रकार की कठोर सजा दी गई तो पुलिस अधिकारी कानून तोड़ने वालों पर कार्रवाई से डरेंगे। हाईकोर्ट ने डिमोशन की सजा को रद्द करते हुए पूर्व में दी गई दो इंक्रीमेंट रोकने की सजा को बहाल कर दिया है। मामले में याचिकाकर्ता शाम कुमार ने हाईकोर्ट को बताया कि वह 1989 में पंजाब पुलिस में कांस्टेबल भर्ती हुए थे। धीरे-धीरे पदोन्नति के माध्यम से वह एएसआई बन गए। अपनी ड्यूटी के दौरान एक नाबालिग लड़के को उन्होंने वाहन चलाते हुए रोका था। जांच के दौरान स्कूटी के स्टोरेज बॉक्स में दो कंडोम मिले। इसके बाद पुलिस ने लड़के के पिता को बुलाया, जिन्होंने मौके पर ही अपने बेटे को डांटा। दो-तीन दिन बाद उस लड़के ने आत्महत्या कर ली।

बिना नोटिस जारी किए किया डिमोशन

घटना के बाद विभागीय कार्रवाई शुरू हुई और शाम कुमार को दो वेतन वृद्धियों की कटौती की सजा दी गई। उन्होंने इस सजा के खिलाफ पहले अपीलीय प्राधिकरण और फिर गृह सचिव के समक्ष अपील की। गृह सचिव ने बिना कोई नोटिस जारी किए, उनकी सजा को बढ़ाकर कांस्टेबल के तौर पर डिमोशन कर दिया।

हाईकोर्ट ने की ये टिप्पणी

हाईकोर्ट में शाम कुमार की अपील पर फैसला सुनाते हुए जस्टिस जगमोहन बंसल ने माना कि याचिकाकर्ता ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए कार्रवाई की थी। उसने न तो वाहन को अवैध रूप से रोका और न ही किसी बच्चे को अवैध हिरासत में लिया। कोर्ट ने कहा कि पंजाब पुलिस रूल्स के तहत सरकार को सजा की समीक्षा का अधिकार तो है, लेकिन यह उचित प्रक्रिया अपनाने के बाद ही प्रयोग किया जा सकता है, जिसमें नोटिस और सुनवाई का अवसर शामिल है। इस मामले में न तो याचिकाकर्ता को नोटिस दिया गया और न ही कोई अवसर। जस्टिस बंसल ने कहा कि अगर इस तरह की कार्रवाई को सही ठहराया गया, तो भविष्य में कोई भी पुलिस अधिकारी कानून तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने से डरेगा।

स्कूल बस ड्रायवर ने टीचर से किया दुष्कर्म

ब्लैकमेल करने पर आत्मदाह का प्रयास पुलिस ने दर्ज किया केस

इंदौर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर में निजी स्कूल बस ड्राइवर रोहित द्वारा उसी स्कूल की शिक्षिका से बच्चों और क्लीनर के सामने बस में रेप करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी फोटो और वीडियो दिखाकर शिक्षिका को बदनाम करने की धमकी दे रहा था, जिसके चलते पीड़िता ने खुद को आग लगा ली। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ड्राइवर की हरकत का पता चलने पर पीड़िता के परिजनों ने तिलकनगर पुलिस को बताया और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पीड़िता के मुताबिक 13 मार्च को स्कूल की छुट्टी होने के बाद वह उसी बस से घर जा रही थी। रोहित ने बस में एक अन्य ड्राइवर शुभम को चढ़ा रखा था। रोहित ने उसे बस का स्टेयरिंग थमाया और खुद शिक्षिका के पास जाकर बैठ गया। उसने शिक्षिका को फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी और बस में सीटों के बीच ले जाकर रेप किया। उस समय बस में बच्चे और क्लीनर भी था। इसके बाद रोहित ने फिर कॉल किया और फोटो-वीडियो होने वाले पति को भेजने की धमकी दी। घबराई हुई शिक्षिका ने खुद के कपड़ों में आग लगा ली। जिससे वह जल गई और उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में पीड़िता ने परिजनों की पूरी घटना बताई।

दिल्ली दंगे को लेकर कड़कड़डूमा कोर्ट का बड़ा फैसला, 57 लोगों पर आगजनी के आरोप तय

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में साल 2020 में हुए दंगे को लेकर कड़कड़डूमा कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने चांद बाग और मुख्य वजीराबाद रोड इलाके में हुई हिंसा से जुड़े मामले में 57 आरोपियों के खिलाफ दंगा, आगजनी, तोड़फोड़ और हमला करने जैसे गंभीर आरोप तय किए हैं। कोर्ट ने साफ कहा है कि यह कोई आकस्मिक भीड़ नहीं थी, बल्कि एक उद्देश्य के साथ एकत्र हुई हिंसक जमात थी, जो तबाही मचाने निकली थी। जज पुलस्त्य प्रमाचला ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया पर्याप्त सबूत हैं। कोर्ट के मुताबिक, दर्जनों गवाहों ने यह पुष्टि की है कि आरोपी घटनास्थल पर मौजूद थे।

एक ट्रक, टू-व्हीलर और गोदाम को कर दिया गया था आग के हवाले

गवाहों ने कोर्ट को बताया कि दंगाई भीड़ ने एक ट्रक, टू-व्हीलर और गोदाम को आग के हवाले कर दिया। साथ ही आम नागरिक ओमप्रकाश को रोककर उसके साथ मारपीट की गई। कोर्ट का कहना है कि आरोपियों की हरकतें हिंसा फैलाने और कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाने की थीं। कोर्ट ने आरोपियों पर से आपराधिक साजिश यानी आईपीसी की धारा 120बी के आरोप से राहत दी, लेकिन यह जरूर माना कि भीड़ की नीयत साफ तौर पर हिंसा फैलाने की थी। कोर्ट के मुताबिक आईपीसी की धारा 148 (हथियार के साथ दंगा), 435 और 436 (आगजनी से संपत्ति और मकान को नुकसान), 323 (चोट पहुंचाना), 341 (गलत तरीके से रोकना), 149 (गैरकानूनी जमावड़ा) और 188 (सरकारी आदेश का उल्लंघन) के तहत आरोप तय किए गए हैं। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ये दंगा महज गुस्से या उत्तेजना में नहीं हुआ, बल्कि इसके पीछे एक साफ इरादा और मंशा काम कर रही थी।

भोपाल में बाल विवाह पर प्रशासन सख्त, आयोजकों के साथ सेवा प्रदाताओं पर भी होगी कार्रवाई

भोपाल, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। अक्षय तृतीया पर संभावित बाल विवाह को रोकने के लिए भोपाल जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने स्पष्ट किया है कि यदि नाबालिगों की शादी में किसी भी व्यक्ति की संलिप्तता पाई गई, तो उस पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अब केवल परिवार ही नहीं, बल्कि मैरेज गार्डन संचालक, कैटरिंग सेवा प्रदाता, बैंड पार्टी और धर्मगुरु भी प्रशासन की नजर में होंगे। यदि इनमें से कोई भी नाबालिग की शादी में सहयोग करता पाया गया, तो बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत दो साल की सजा और एक लाख रुपये तक जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। कलेक्टर ने कहा है कि शादियों से जुड़े सभी सेवा प्रदाताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि वर-वधू दोनों की आयु कानूनी सीमा (18 वर्ष से अधिक) में हो। इसके लिए उन्हें आयु प्रमाण पत्र देखना अनिवार्य होगा।

महाकाल की नगरी में मंदिर में पढ़ी नमाज, वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने लिया एक्शन

उज्जैन, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन के मंदिर में नमाज पढ़ने का मामला सामने आया है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, वीडियो में एक मुस्लिम व्यक्ति मंदिर परिसर में नमाज पढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। उसे मंदिर में नमाज पढ़ते हुए देखकर यहां से गुजरने वाले लोग भी हैरान दिखाई दे रहे हैं।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो को लेकर जब पड़ताल की गई तो पता चला कि यह वीडियो खाचरोद क्षेत्र के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित शीतला माता मंदिर का है। शाम के समय मंदिर में यह नमाज पड़ी थी। इस दौरान मंदिर में कमला नाम की श्रद्धालु दर्शन करने पहुंची थी, जिसने मंदिर में नमाज पढ़ते हुए शख्स को देखा तो तुरंत इस मामले की शिकायत थाने पर पहुंचकर की। इसके बाद पुलिस ने कमला की शिकायत पर नमाज पढ़ने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। ग्रामीण एडिशनल एसपी मयूर खंडेलवाल ने बताया कि इस मामले में अभी जांच की जा रही है जल्द ही आगामी कार्रवाई की जाएगी। पकड़े गए शख्स का नाम युसूफ बताया जा रहा है।

हिंदूवादी संगठनों ने जताया विरोध

शीतला माता मंदिर में नमाज पढ़ने कि इस घटना की जानकारी लगते ही हिंदूवादी संगठनों ने विरोध जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया ही नहीं बल्कि थाने पर पहुंचकर भी इस घटना पर विरोध दर्ज करवाया। इनका कहना था कि आखिर ऐसा क्या कारण है कि बुजुर्ग को मंदिर में पहुंचकर नमाज पढ़नी पड़ी।

सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश

महाकाल सेना के संगठन मंत्री रूपेश मेहता ने बताया कि वह मंदिर में नमाज पढ़ने जाने की इस घटना का विरोध करते हैं। उन्होंने बताया कि नमाज पढ़ने वाले व्यक्ति को चाहिए था कि वह मंदिर में नमाज पढ़ने की बजाय किसी अन्यत्र स्थान पर नमाज पढ़ लेता। उन्होंने कहा कि मंदिर में पहुंचकर नमाज पढ़ने के पीछे उक्त व्यक्ति की क्या मंशा थी? इसकी जांच पुलिस को करना चाहिए। क्योंकि इस घटना से साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने के साथ ही धार्मिक भावनाओ को ठेस भी पहुंची है। घटना का हो रहा विरोध शीतला माता मंदिर में नमाज पढ़े जाने का वीडियो वायरल होने के साथ ही इस घटना की जानकारी हिंदूवादी संगठनों तक पहुंच रही है। वह इस घटना का विरोध कर रहे हैं। नागदा थाने में इस घटना को लेकर किए गए प्रदर्शन के बाद उज्जैन के हिंदूवादी संगठन भी इस मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग करते नजर आ रहे हैं। उनका कहना है कि इस प्रकार की घटनाएं नहीं होना चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 24 अप्रैल - 2025

जेडी वेंस ने भी आतंकी हमले पर संवेदना प्रकट की

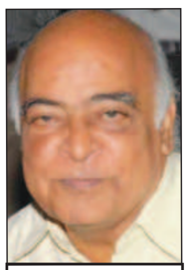

अशोक भाटिया

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले को लेकर भारत की यात्रा पर आए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दुख जताया है. उन्होंने एक्स पर पोस्ट में पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की और इस हमले को बेहद दुखद बताया. साथ ही कहा कि हमारी भावनाएं और प्रार्थनाएं यहां के लोगों के साथ हैं. जेडी वेंस चार दिन की भारत यात्रा पर सोमवार को ही भारत पहुंचे थे. उन्होंने एक्स पर कहा, ₹उषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं. पिछले कुछ दिनों में हम इस देश और इसके लोगों की खूबसूरती से अभिभूत हो गए हैं. इस भयानक हमले में हमारी भावनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं. यही नहीं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की चौतरफा निंदा हो रही है. साल 2019 में हुए पुलवामा हमले के बाद कश्मीर घाटी में हुआ से सबसे बड़ा हमला है, जिसने एक बार फिर से झकझोर कर रख दिया है. दहशतगर्दों की इस कायराना हरकत ने 30 लोगों की जान ले ली. देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर के तमाम देशों ने घटना पर दुख जाहिर करते हुए इसकी निंदा की है.

हम बात कर रहे थे अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की । एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी और उपराष्ट्रपति वेंस ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की और उसका सकारात्मक मूल्यांकन किया.बताया जाता है कि जेडी वेंस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बातचीत से दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति दिखी।दूसरा प्रधानमंत्री के सामने एक बैठक में वेंस के पहुंचने की तस्वीरें आज जारी की गईं। यह देखते हुए, यह मान लेना सुरक्षित है कि चर्चा बहुत ही चंचल माहौल में हुई थी। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के बाद से, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति ने एक नए आयाम पर ले लिया है। व्हाइट हाउस में, ट्रम्प के सबसे करीबी सहयोगी एलोन मस्क के बेटे और बेटी, मेहमानों के सामने खेल रहे हैं, उनके एक दर्जन से अधिक बच्चों में से एक उनके वास्तविक सिर पर बैठा है, दूसरे को अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा तैयार किया जा रहा है, और किसी और को शाही अतिथि के रूप में खेला जा रहा है, और ट्रम्प का पारिवारिक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति लाने का प्रयास राजनीति में पारिवारिक संस्थानों के महत्व को रेखांकित करता है। क्षेत्र में ट्रम्प का अनुभव काफी व्यापक है, और मस्क कम से कम चार ज्ञात परिवारों का अनुयायी है। वेंस बचपन से अपने बच्चों के लिए ट्रम्प-मस्क के कूटनीति के उपयोग का अनुकरण करते हैं। वैसे भी। यह मामला हो सकता है, लेकिन प्रधान मंत्री-उपराष्ट्रपति की यात्रा पर कोई आधिकारिक संयुक्त बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, दोनों पक्षों ने कहा कि वार्ता 'बहुत सार्थक' रही। अब इस 'फला' की व्याख्या करने की जरूरत है।

इस बात का खुलासा खुद वेंस ने जयपुर में अपने भाषण में किया। भारत को अमेरिका से ज्यादा से ज्यादा हथियार मिलें, अमेरिकी उत्पादों के लिए ज्यादा से ज्यादा बाजार मिले, भारत अमेरिकी अनाज से ज्यादा से ज्यादा एथेनॉल खरीदे, भारतीय वाहनों में अमेरिकी एथेनॉल का इस्तेमाल शुरू करे, हमारे एफ-35 विमान भारत की रक्षा में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। वेंस की यात्रा के पीछे का आर्थिक विचार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों को अधिक आसान पहुंच प्रदान करना है, ताकि भारत भारतीय ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर अमेरिकी ईंधन उत्पादों का उपयोग कर सके। उन्होंने कहा कि आने वाली सदी भारत और अमेरिका के बीच होगी और दोनों देशों को 'समान सिद्धांत' पर व्यापार बढ़ाना चाहिए। समाज-सम्मत। मकसद है कि दोनों देशों के बीच जल्द से जल्द ट्रेड डील हो जाए। उपराष्ट्रपति वेंस की भारत यात्रा इसी के अनुरूप थी। वांस ने कहा कि बैठक के दौरान व्यापार समझौते पर अच्छी प्रगति हुई, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि अक्टूबर दोनों देशों के बीच पहले समझौते को वास्तविकता में बदलने का समय होगा। ऐसा लगता है कि वेंस की भारत यात्रा में इस मुद्दे पर प्रगति करने में कम से कम चार से पांच महीने लग गए हैं, जिसका अर्थ है कि अगर यह संयुक्त यात्रा के लिए नहीं होती और अपेक्षित प्रगति हुई होती, तो समझौते में और देरी होती।

क्योंकि ट्रम्प के अनुसार, भारत अमेरिकी सामान उतना नहीं खरीदता जितना वह संयुक्त राज्य अमेरिका को बेचता है। ट्रम्प का कहना है कि भारत-अमेरिका व्यापार उनके लिए फायदेमंद है और संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए वरदान है। संयुक्त राज्य अमेरिका जोर देकर कहता है कि भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका से अधिक उत्पाद खरीदकर इस व्यापार असंतुलन को दूर करना चाहिए। ट्रम्प ने हाल ही में इस उद्देश्य के लिए भारतीय उत्पादों पर 26 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया है। उन्होंने अभी के लिए इस पर 90 दिनों की रोक लगा दी है। अधिस्थगन अवधि के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार समझौतों को फिर से लिखे जाने की उम्मीद है। दूसरे शब्दों में, इस अवधि के दौरान भारत के अमेरिकी उत्पादों के प्रवाह को बढ़ाने की जरूरत है। इसे कितना बढ़ाना चाहिए? हाल ही में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में, दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा 41 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल 3,533 अरब डॉलर और उससे पहले 2,768 अरब डॉलर था। इसका मतलब यह है कि भारतीय उत्पाद अमेरिका में अधिक बेचे जाते हैं, जैसा कि ट्रम्प कहते हैं, और अमेरिकी उत्पाद भारतीय बाजार में उतने नहीं हैं। ट्रम्प प्रशासन अब इसे और अधिक प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी कृषि और डेयरी उत्पादों को भारतीय बाजार में स्वतंत्र रूप से बेचने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह एक आग्रह है जिसे आप स्वीकार नहीं करते हैं। क्योंकि अगर ऐसा होता है, तो भारतीय बाजार सस्ते अमेरिकी उत्पादों से भर जाएगा और यह स्थानीय, भारतीय उत्पादों को प्रभावित करेगा। यह आत्मनिर्भरता के रास्ते में आएगा। लेकिन भारत की तरह, अमेरिका भी आत्मनिर्भर बनने की कोशिश कर रहा है और देश जोर देता है कि दूसरे लोग भी अधिक अमेरिकी उत्पाद खरीदें। यह वेंस की भारत यात्रा में स्पष्ट है। जयपुर में अपने भाषण में, उन्होंने एक सूची प्रस्तुत की कि भारत को अमेरिका से क्या लेना चाहिए। वास्तव में, वेंस एक बार शेखी बघार रहे थे कि भारत एफ -35 खरीदेगा जिसे एलोन मस्क ने एक बार ₹स्क्रैप₹ के रूप में वर्णित किया था। लेकिन कोई संकेत नहीं है कि हमारी खरीदारी यात्रा वहां समाप्त होने जा रही है।

एक बेहद भरोसेमंद दैनिक फाइनेंशियल टाइम्स ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट प्रकाशित की, जबकि वेंस भारत में थे, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका ने जोर दिया है कि भारतीय बाजार को अमेज़ॅन और वॉलमार्ट के विशाल स्टोरों के लिए खोला जाना चाहिए। अमेज़ॅन अभी भी ऑनलाइन सेवाओं के माध्यम से भारत में है, लेकिन यह कई शर्तों का भी सामना करता है और साथ ही अपने भारतीय प्रतिस्पर्धियों को कई छूट प्रदान करता है। वहीं, वॉलमार्ट किराना क्षेत्र में विदेशी पूंजी की सीमा तय होने के कारण भारत में फिजिकल स्टोर नहीं खोल पाई है। फाइनैंशल टाइम्स के मुताबिक अमेरिका इन दोनों मुद्दों के लिए भारत पर दबाव बना रहा है और यह कहना मुश्किल है कि इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है. वित्तीय पत्रिकाओं में छपी खबरों के मुताबिक इसके साथ ही भारत इस बात की भी कोशिश कर रहा है कि ज्यादा से ज्यादा भारतीय कंपनियां अमेरिकी उत्पादों का आयात करें। खबरों के मुताबिक सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि क्या वह इन आयातों को बढ़ाने के लिए अपने आयातकों को कोई सब्सिडी या कुछ इसी तरह की विशेष सहायता दे सकती है। यदि भारत-अमरीका व्यापार घाटे को कम करना है तो ये और ऐसे अन्य उपाय किए जाने चाहिए। क्योंकि इतने सालों के घाटे को एक झटके में एक फैसले से भरना असंभव है।अमेरिका का कहना है कि इस संबंध में भारत की स्थिति सकारात्मक है, और वेंस इस पर भारत को बधाई देते हैं, जिसका स्पष्ट अर्थ है कि यह कब सामने आता है।

पहलगाम के कराहते सवाल

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। एक नवविवाहित व्यक्ति पर आतंकियों ने उस वक्त हमला किया जब वो हनीमून पर थे। हरियाणा के करनाल निवासी नेवी अफसर विनय नरवाल की जान चली गई। शादी का चूड़ा पहने उनके शव के पास निढाल सी बैठी पत्नी की तस्वीर स्तब्ध कर रही है। मृतक में और महिला में फर्क यही है कि उसकी सांसें चल रही हैं, लेकिन शरीर निष्प्राण हो चुका है। चार दिन पहले ही तो इसने गले में मंगलसूत्र पहनी थी। चार दिन बाद ही आतंकी समूह ने उसकी दुनिया ही उजाड़ दी। नेवी के युवा अधिकारी की नव विवाहिता बिना कुछ कहे इंसानियत के दुश्मनों से पूछ रही है कि उसने किसी का क्या बिगाड़ा था? उसे तो परिवार वालों ने हंसते-खेलते हनीमून पर भेजा था। अब उन्हें किस मुंह से 26 साल के लेफ्टिनेंट का शव दिखाएगी? नरवाल उन 28 लोगों में शामिल हैं, जो पहलगाम की धरती पर आतंकवादियों की गोली का शिकार हुए हैं। सोशल मीडिया पर विनय नरवाल की पत्नी का एक बयान वायरल है, कि 'हम तो बस भेलपुरी खा रहे थे कि अचानक आए आतंकियों ने मेरे पति को गोली मार दी। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहलाने वाले पहलगाम में सिर्फ 28 सैलानियों का ही धर्म पूछकर कत्लेआम नहीं किया है, बल्कि उन हजारों कश्मीरियों के पेट को भी गोलियों से भूनने की कोशिश की है, जिनकी रोजी-रोटी की फसल टूरिस्ट ही हैं। सरकारी आंकडों के अनुसार 2023 में अगर 2.11 करोड़ पर्यटक कश्मीर आए तो 2024 में यह संख्या 2.35 करोड़ पहुंच गई। 2025 में तो अभी शुरुआत ही हो रही थी। 2015 में कश्मीर घूमने आने वाले इन्हीं सैलानियों की संख्या मात्र 1.33 करोड़ थी। दहशतगर्दों ने करीब 50 राउंड फायरिंग की। जाहिर है कि उनका मकसद भारत में सिर्फ दहशत फैलाना नहीं, बल्कि हिंदुओं को निशाना बनाना था, जिसमें हताहतों की संख्या ज्यादा हो और पूरे भारत में गुस्से का माहौल बने। मकसद साफ है कि सामान्य नागरिकों के दिलो दिमाग में यह डर बैठा दिया जाए कि जम्मू-कश्मीर अभी भी सुरक्षित नहीं है और वे उसकी तरफ देखना भी बंद कर दें। शांति की ओर लौट चुके जम्मू-कश्मीर को फिर जलाने के पाकिस्तानी मंसूबों को देखते हुए इस नरसंहार के बाद सवाल उठना लाजमी है। क्या पाकिस्तान ने आतंकियों के जरिए घरेलू संकट और राजनीतिक अस्थरिता से ध्यान भटकाने के लिए यह सब कराया है? क्या पाकिस्तान चाहता है कि कश्मीर आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या फिर से कम हो जाए, ताकि आम कश्मीरियों को तंगहाली के दिन देखने पडें, ताकि उनके हाथों में पत्थर थमाकर वह पहले की तरह अपना उल्लू-सीधा कर सकें। क्या कश्मीर में लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल होने की वजह से फिर से आतंकवादियों को खड़े होने का मौका मिल रहा है? क्योंकि, आर्टिकल 370 खत्म होने के बाद यह सबसे बड़ी आतंकी वारदात है। हाल के दिनों में कश्मीरी अलगाववादी संगठनों का प्रभाव पूरी तरह से खत्म होने लगा है। क्या इसकी वजह से दहशतगर्दों को फिर से लोकल सपोर्ट दिया गया है? क्योंकि, इतनी बड़ी वारदात बिना लोकल सपोर्ट के मुमकिन नहीं है। क्या भारत इस बार पाकिस्तान को सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से भी तगड़ा जवाब देगा, जो कि निर्णायक साबित हो।

धर्म पूछकर गोली मारने वाली बर्बर मानसिकता!

मनोज कुमार अग्रवाल

एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापित करने के सरकारी दावों को पलीता लगाते हुए पाकिस्तान समर्थित चरमपंथी आतंकियों ने 28 बेगुनाह पर्यटकों की हत्या को अंजाम देकर समूचे देश को झकझोर दिया है। लंबे समय बाद जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बड़ा आतंकी हमला हुआ है, 28 से ज्यादा पर्यटकों की मौत की आशंका है। इस हमले को तीन आतंकियों ने अंजाम दिया है जिनके तार टीआरपीएफ से जुड़े हुए है, इस संगठन को लश्कर का ही प्रॉक्सी बताया जाता है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक दहशतगर्दों ने 50 राउंड फायरिंग की थी, कुछ रिपोर्ट्स में यहां तक दावा हुआ है कि लोगों से उनका मजहब पूछकर मारा गया। जाहिर है सदियाँ बदली तारिखें बदली लेकिन इक्कीसवीं सदी में भी कुछ जनूनी मजहब के अंधे चरमपंथी बर्बर मानसिकता नहीं बदली जो कभी हमास कभी तालिबान तो कभी लश्कर तैयबा का मुखौटा लगा कर बेगुनाहों का मजहब पूछ कर खून की होली खेलते हैं। जरूरत इस बर्बर मानसिकता के इलाज की है।

आपको बता दें कि आतंकियों ने पहलगाम जैसे टूरिस्ट स्पॉट को ही हमले के लिए क्यों चुना ?इस के पीछे एक बड़ी वजह आने वाले दिनों में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के श्रध्दालुओं में दहशत फैला कर यात्रा में बाधा उत्पन्न करना है। दूसरी वजह अमेरिकी उपराष्ट्रपति के भारत दौरे के दौरान इस तरह की खूनी वारदात कर कश्मीर के मुद्दे को विश्वमंच पर जिंदा रखने की पाकिस्तान की साजिश है। जानकार बताते हैं कि जम्मू-कश्मीर का पहलगाम इलाका जंगलों से घिरा हुआ है, यह काफी ऊंचाई पर स्थित है। अब वैसे तो पूरे जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों की भारी तैनाती दिखती है, लेकिन पहलगाम एक ऐसी जगह है जहां दूसरे क्षेत्रों की तुलना में कम सिक्योरिटी रहती है। इससे पहले पहलगाम में क्योंकि कभी ऐसा हमला भी नहीं हुआ, ऐसे में ज्यादा फोर्स नहीं देखी गई। पहलगाम आए पर्यटक खुद बता रहे हैं कि जब हमला हुआ, कोई फोर्स उस समय वहां नहीं थी, लोग ही एक दूसरे की भागने में मदद कर रहे थे।

जाहिर है कि सरकार कुछ भी दावा करे लेकिन सुरक्षा में भारी कोताही और सजगता में चूक ही इस आतंकी हमले के पीछे एक बड़ी वजह बनी है। दरअसल लंबे समय से आतंकवाद पर नियंत्रण के बाद कहीं न कहीं सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता में थोड़ा ढील बनी और आतंकी इसी का फायदा उठाकर हिन्दू पर्यटकों के साथ खून की होली खेलने में कामयाब हो गए।

यहां यह भी गौरतलब है कि जांच के दौरान पता चला है कि इस हमले की साजिश लश्कर तैयबा के पाकिस्तान में बैठे कमांडर सैफुल्लाह कसूरी ने रची और पाकिस्तान से आए आतंकियों को देश में मौजूद स्लीपर सेल के आतंकियों ने पुलिस और सैना की वर्दी पहन कर कत्लोगारत में साथ दिया यह बेहद चिंता का विषय है वहीं बताता है कि देश में मौजूद चरमपंथी स्लीपर सेल कितना खतरनाक और देशद्रोही मानसिकता से ग्रसित है। कई रिपोर्ट्स बता रहे हैं कि इस आतंकी हमले के एक घंटे बाद सुरक्षाबल वहां आने शुरू हुए, इलाके को कंट्रोल में लिया गया। लेकिन आतंकियों को इस पूरे इलाके की भनक थी, उन्हें भी पता था कि यहां दूसरे क्षेत्रों की तुलना में सुरक्षा कम है। पहलगाम के जिस इलाके में हमला हुआ है, वहां पर वाहन भी नहीं जाते हैं, पर्यटक खच्चर के जरिए ही वहां तक पहुंचते हैं, इसे ट्रैक वाला इलाका माना जाता है। ये सारी जानकारी भी इन दहशतगर्दों को पहले से थी।माना जा रहा है कि इसी वजह से टूरिस्ट सीजन में पहलगाम को निशाना बनाया गया। वहीं यह इलाका क्योंकि जंगलों से घिरा हुआ है, ऐसे में आतंकी वहां से आए और वहीं से भाग भी गए। अभी के लिए पूरे इलाके में बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन चल रहा है, कल यानी कि बुधवार को एनआईए भी वहां जाने वाली है। पहलगाम को निशाना बनाने का एक बड़ा कारण यह भी है कि अमरनाथ यात्रा के रूट में यह क्षेत्र पड़ता है। अमरनाथ जाने के दो रास्ते रहते हैं, एक रास्ता पहलगाम से होते हुए जाता है। ऐसे में आतंकी हमला कर ना सिर्फ पर्यटकों के मन में डर पैदा करने की कोशिश हुई है बल्कि सरकार को भी सीधी चुनौती दे दी गई है। समझने वाली बात यह भी है कि जम्मू-कश्मीर की सबसे ज्यादा आय पर्यटन के जरिए आती है, जितना टूरिस्ट घाटी में आता है, उतना ही जम्मू-कश्मीर का विकास भी होता है। लेकिन कश्मिरियों और कश्मीर का विकास इन आतंकियों की सबसे बड़ी हार है, ऐसे में उसे खत्म करने के लिए ऐसे कायराना हमले पहले भी किए जा चुके हैं।जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों पर हुआ ये अब तक का सबसे बड़ा हमला है। इससे पहले भी घाटी में टूरिस्ट्स को निशाना बना भय का माहौल बनाने की कोशिश हुई है। एक नजर दी गई टेबल पर डालनी चाहिए जिसे देख पता चलता है कि किस तरीके से सिविलियंस को भी आतंकियों ने अपने निशाने पर लिया है।हमले के बाद फरार हुए आतंकियों को मार गिराने के लिए सुरक्षा बल ने भी बड़ा अभियान छेड़ दिया है। कश्मीर में यह हमला उस समय हुआ, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर आए हैं।

साल 2000 से अब तक जम्मू-कश्मीर में आतंकी कई बार पर्यटकों, श्रद्धालुओं और स्थानीयों को अपना निशाना बना चुके हैं।आतंकवादियों ने 21 मार्च की रात को अनंतनाग जिले के छत्तीसिंहपोरा गांव में अल्पसंख्यक सिख समुदाय को निशाना बनाया, जिसमें 36 लोग मारे गए।अगस्त 2000 नुन्वान बेस कैंप पर हुए आतंकी हमले में दो दर्जन अमरनाथ तीर्थयात्रियों सहित 32 लोग मारे गए।जुलाई 2001 में 13 लोग मारे गए। अनंतनाग के शेषनाग बेस कैंप पर हुए इस आतंकी हमले में अमरनाथ यात्रियों को फिर से निशाना बनाया गया, जिसमें 13 लोग मारे गए।1 अक्टूबर 2001श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर राज्य विधानमंडल परिसर पर आत्मघाती (फिदायीन) आतंकी हमला हुआ, जिसमें 36 लोग मारे गए।2002में चंदनवारी बेस कैंप पर आतंकी हमला हुआ और 11 अमरनाथ यात्री मारे गए।23 नवंबर, 2002 नौ सुरक्षाकर्मियोंजम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दक्षिण कश्मीर के लोअर मुंडा में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में नौ सुरक्षा बल कर्मियों, तीन महिलाओं और दो बच्चों सहित उन्नीस लोगों की जान चली गई।23 मार्च 2003 आतंकवादियों ने पुलवामा जिले के नंदीमार्ग गांव में 11 महिलाओं और दो बच्चों सहित कम से कम 24 कश्मीरी पंडितों की हत्या कर दी।

हर हाल में नोचने होंगे आतंक के पंख

डॉ घनश्याम बादल

आतंकवाद का एक और घिनौना चेहरा पहलगाम में सामने आया है. जब से कश्मीर से धारा 370 हटाई गई है एवं नई विधानसभा का गठन हुआ है, तभी से आतंकवाद लगातार सर उठाने का प्रयास करता रहा है. सच यह भी है कि वहां आतंकवाद को प्रेशर देने के लिए पाकिस्तानी ख़ुफ़िया एजेंसियां और वहां की राजनीतिक मजबूरियां इसके पीछे सबसे बड़े जिम्मेदार तत्व हैं लेकिन लंबे समय से उन्हें वहां ज्यादा कुछ करने का मौका नहीं मिला था. ऐसे में उन्होंने पहलगाम की उस बैसरन घाटी को चुना जो अमरनाथ यात्रा का भी एक मुख्य बिंदु है और अमरनाथ यात्रा के दौरान इस क्षेत्र का बहुत अच्छे से सेना एवं स्थानीय सुरक्षा बलों द्वारा सैनिटाइजेशन किया जाता रहा है लेकिन अभी अमरनाथ यात्रा दूर है, इसलिए संभव है वहां की सतर्कता कम हुई हो और इसका फायदा आतंकवादियों ने उठकर पहलगाम में पर्यटकों की बड़ी संख्या में जान ले ली।

पहलगाम जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आतंकवादी हमलों के पीछे कई प्रछन्न उद्देश्य हैं। ऐसे हमलों के पीछे आमतौर पर कई कारण और ताकतें होती शामिल हैं। यदि पहलगाम के आतंकी हमले पर एक निगाह डाली जाए तो साफ पता चलता है कि इस हमले में पाकिस्तान आधारित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, और हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठन कश्मीर घाटी में अस्थिरता फैलाने को आतुर जिम्मेदार हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि इन संगठनों को पाकिस्तान की ख़ुफ़िया एजेंसीज का हमेशा का समर्थन मिलता रहा है। दरअसल पिछले एक लंबे समय से जम्मू कश्मीर शांत क्षेत्र के रूप में तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता हुआ नजर आ रहा था और वहां पर पर्यटन उद्योग भी बहुत फल फूल रहा था और यह बात हमारे ईर्ष्यालु पड़ोसी को निराश आनी थी और एन आई क्योंकि उसका उद्देश्य हमेशा ही भारत में अस्थिरता फैलाना रहा है।

आतंकवादी संगठन भारत में सांप्रदायिक तनाव और अस्थिरता फैलाना चाहते हैं ताकि देश की एकता और अखंडता को चोट पहुँचाई जा सके। पाकिस्तान का हमेशा से ही कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने का प्रयास जग जाहिर है। अब वह सीधे-सीधे तो भारत पर हमला करने की स्थिति में है नहीं क्योंकि उसकी एवं भारत की सैन्य ताक़त में ज़मीन आसमान का अंतर है । ऐसे में वह अपने पाले हुए आतंकी संगठनों का सहारा लेता रहा है। हमलों के ज़रिए ये संगठन दुनिया का ध्यान कश्मीर की ओर खींचना चाहते हैं ताकि उसे एक ₹विवादित क्षेत्र₹ के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। यह संगठन अपने आका के कहने पर कश्मीर के पर्यटन और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचने की कोशिश करते रहते हैं । पहलगाम जैसे स्थान, अमरनाथ यात्रा और अन्य पर्यटन केंद्र आतंकियों के निशाने पर इसलिए होते हैं क्योंकि वे कश्मीर की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। हमलों से पर्यटन प्रभावित होता है। अपनी स्लीपिंग सेल्स के माध्यम से ये संगठन स्थानीय युवाओं का कट्टरपंथीकरण और ब्रेन वाश भी लगातार करते रहे हैं जिससे उन्हें वहां के कुछ गिने-चुने स्थानीय लोगों का समर्थन भी मिल जाता है। ऐसे हमलों के ज़रिए ये ताकतें स्थानीय युवाओं को प्रभावित कर उन्हें उग्रवाद की ओर मोड़ना चाहती हैं। आतंकवादियों का लक्ष्य किसी भी हाल में भारतीय सुरक्षा बलों का मनोबल तोड़ना भी रहता है। सेना, सी आर पी एफ और पुलिस बलों को निशाना बनाकर आतंकवादी उनके मनोबल को तोड़ने और जनता में भय का माहौल बनाने का प्रयास करते हैं।

इस हमले में जिस टीआरएफ का नाम आया है जो एक नया लेकिन बेहद सक्रिय आतंकवादी संगठन है जो विशेष रूप से कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सक्रिय रहता है। वास्तव में यह संगठन लश्कर ए तैयबा की ही एक छद्म शाखा है जो 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के कुछ ही समय बाद बना था। अंतरराष्ट्रीय दबाव और प्रतिबंधों के कारण इसका नाम बदलकर एक नया चेहरा दिया गया।

यह संगठन कितना चालाक है कि इसके सदस्य विभिन्न कंपनियों तक में कर्मचारियों के रूप में काम करते हैं. टीआरएफ सोशल मीडिया और साइबर स्पेस में भी सक्रिय रहता है जहाँ ये युवाओं को कट्टरपंथी बनाने का काम करता है। रणनीति के तहत यह संगठन आमतौर पर छोटे हथियारों से हमले करता है जिसमें स्थानीय नागरिक, प्रवासी मज़दूर, पंचायत सदस्य या पुलिस बल के जवान निशाने पर होते हैं मगर इस बार तो इन्होंने एक-47 जैसी रायफलों का इस्तेमाल करके यह जता दिया है कि अब यह एक साधन संपन्न संगठन है एवं इसे नजर-अंदाज करना बहुत ख़तरनाक हो सकता है। यह संगठन खुद को स्वदेशी कश्मीरी प्रतिरोध के रूप में पेश करता है ताकि यह दिखाया जा सके कि ये आंदोलन बाहर से थोपा गया नहीं बल्कि स्थानीय है । टीआरएफ सोशल मीडिया और इंटरनेट सेवी आतंकी संगठन है जो धमकियाँ देना, ज़िम्मेदारी लेना, वीडियो जारी करना आदि बड़ी सक्रियता के साथ करता है।

राष्ट्रीयता के कवि दिनकर

हिंदी साहित्य में दिनकर की पहचान राष्ट्रकवि के रूप में है। उनका साहित्य राष्ट्रीय जागरण व संघर्ष के आह्वान का जीता-जागता दस्तावेज़ है। उनकी राष्ट्रीय चेतना कई स्तरों पर व्यक्त हुई है।

दिनकर राष्ट्रीयता की स्थापित पहचान और स्थापना के मूल्यों के दोआब हैं। सच में यहीं से कोई कवि या चिंतक राष्ट्रीय भारतीयता को प्रस्तुत कर सकता है। इस अर्थ में दिनकर भारतीय राष्ट्रीयता से बढ़ कर राष्ट्रीय भारतीयता के कवि है।

दिनकर की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना समग्रता में दिखाई देती है। क्योंकि वह पहले भारतीयता के कवि हैं जो बाद में राष्ट्रीयता के रूप में पहचान बन कर प्रवृत्ति के रूप में उभरती है। वह राष्ट्रीयता की आड़ में भारतीय नहीं, उनकी भारतीयता राष्ट्रीयता के रूप में अपनी पहचान बनाती है।

हुंकार, रेणुका, इतिहास के आँसू जैसी कविताओं में दिनकर जी ने विद्रोह और विप्लव के स्वर को उभारा है। इनमें कर्म, उत्साह, पौरुष एवं उत्तेजना का संचार है। यह सब तत्कालीन राष्ट्रीय आंदोलन की प्रगति के लिये अत्यंत सहायक सिद्ध हुआ।

दिनकर जी के यहाँ राष्ट्रीय चेतना एक अन्य स्तर पर वहाँ दिखाई देती है, जहाँ वे शोषण का प्रतिकार करने का समर्थन करते हैं। वे कहते हैं कि यदि कोई हमारे साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार करे तो नैतिकता का तकाजा युद्ध करना ही है न कि अनैतिकता को स्वीकार करना-

छीनता हो स्वत्व कोई और तू
त्याग तप से काम ले, यह पाप है।

संघर्ष के आह्वान के साथ दिनकर जी ने प्राचीन भारतीय आदर्शों एवं मूल्यों की स्थापना के माध्यम से भी राष्ट्रीय जागरण व राष्ट्रीय गौरव की भावनाओं को जगाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

दिनकर जी की राष्ट्रीय चेतना संकीर्ण नहीं है। यह न केवल ब्रिटिश राज्य का विरोध करने वाली है अपितु स्वतंत्रता के बाद भी जनता के सामाजिक-आर्थिक शोषण के विरुद्ध आवाज़ उठाने वाली है। कवि ने 'दिल्ली', 'नीम के पत्ते', 'परशुराम की प्रतिज्ञा' में स्वतंत्रता-उपरांत जनजीवन में व्याप्त आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक विषमताओं का चित्रण किया है।

उन्होंने उन सत्ताधीशों के खिलाफ बेबाक होकर लिखा लिखा है जो राष्ट्रीयता के रंगे चोले में अभारतीयता को ढके रहते हैं। जो जनता के जीवन से खिलवाड़ करते है, जिनके लिए लोकतन्त्र सिर्फ नाटकीयता की वस्तु भर है, जो गरीबों का स्वाभिमान अपने सुख के लिए बेच देते हैं, जो देश की लौकिकता को दरकिनार कर सत्ता के लिए किसी भी हद तक गिर सकते हैं, जिन्होंने अपने लोलुप झूठ के लिए देश को कत्लगाह बना दिया, जो सरकार बचाने के लिए किसानों और मजदूरों के जवान बेटों को युद्धों में झोंक दिया हो- ऐसे राष्ट्रीयता के सौदागरों के लिए दिनकर की कविताएं आज भी झन्नाटेदार सांस्कृतिक तमाचा हैं। बनावटी राष्ट्रवाद पर दिनकर की ये पंक्तियाँ देखी जा सकती हैं-

दिनकर ने युद्ध की राजनीति को भारतीयता की नजर से देखा है। वे राष्ट्रीयता को भारत की सांस्कृतिक परंपरा की विराट चेतना में निरखते हैं। वे अपने समय के मूल्यांकन के लिए सांस्कृतिक मानस में पैठ कर सवाल करते हैं और विश्वयुद्धों की विभीषिका को भारतीयता की मिथिकीय चेतना से जोड़ते हैं। भारतीय मिथकीयता की सांस्कृतिक ताकत को समझने के लिए दिनकर बेहतरीन कवि हैं। कुरुक्षेत्र और उर्वशी जैसे काव्य-ग्रंथ उनकी चेतना की कसौटी हैं।दिनकर ने अपने समय की राजनीति को जनता और सत्ता के बीच खड़े होकर देखा है। उनकी जनतान्त्रिक पक्षधरता सत्ता के अपराध यदि बेबाकी से बेनकाब करती है, तो सही अर्थों में यह राष्ट्रीय चेतना का सबसे जरूरी पहलू है। अपने देश से लगाव और प्रेम की यह संघर्षशील वास्तविकता है।भारतीयता और राष्ट्रीयता जिन तत्त्वों से निर्मित होती है, उस तात्त्विकता से सराबोर रहने वाला व्यक्ति ही इनका अधिकारी हो सकता है। प्रेम और लगाव कोई थोपी हुई नैतिकता से नहीं पहचाना जाता, उसके लिए सहजता, स्वाभाविकता, संवेदनशीलता की हार्दिक पात्रता जरूरी है।

ब्यूरोक्रेसी के लिए श्रेयष्कर है पब्लिक एजेंडा पर चलना

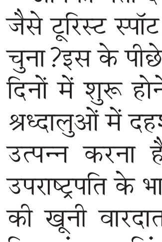

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

21 अप्रेल को लोकसेवा दिवस पर राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में राजस्थान ब्यूरोक्रेसी के मुखिया सुधांश पंत का संदेश इसलिए समसामयिक और अर्थपूर्ण हो जाता है कि उन्होंने पी-2 व जी-2 की चर्चा करने के साथ ही लोकसेवकों को महत्वपूर्ण संदेश दिया है वह पीए से पीए की और रुपांतरण का संदेश है। इसमें कोई दो राय नहीं कि लोकसेवक अपने आपको प्रीविलेज ग्रुप का मानता है और समाज में भी उसकी हैसियत प्रीविलेज में ही होती है ऐसे में लोकसेवक का जीवन स्तर और सामाजिक स्तर समाज के अन्य वर्ग के लोगों से अलग हो जाता है।

ऐसे में लोकसेवक के प्रति आमजन और सरकार के संचालकों की अपेक्षाएं भी काफी बढ़ जाती है। पर महत्वपूर्ण यह हो जाता है कि लोकसेवक के प्रति समाज में जो अलग तरह का नजरिया बना हुआ है जिसमें काम को अनावश्यक रुप से डिले करने सहित अन्य नकारात्मक बिन्दु शामिल होते है। वह लोकसेवक को लेकर समाज में एक अलग ही तरह की धारणा बना देती है। ऐसे में राजस्थान ब्यूरोक्रेसी मुखिया मुख्यसचिव सुधांश पंत ने लोकसेवकों को जो संदेश पीए के स्थान पर पीए यानी कि परसनल एजेंडा के स्थान पब्लिक एजेंडा पर काम करने का संदेश दिया है वह अपने आपमें लोकतांत्रिक व्यवस्था में ब्यूरोक्रेसी को सही दिशा देने के साथ ही ब्यूरोक्रेसी की भूमिका को स्पष्ट करता है।

हांलाकि ब्यूरोक्रेसी के अधिकांश सदस्य अपने कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति गंभीर होने के साथ ही अपने कार्य को प्रभावी तरीके से अंजाम देते हुए सरकार के जनहितकारी एजेंडा को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में ब्यूरोक्रेसी की खास भूमिका होती है। सशक्त ब्यूरोक्रेटिक ढाँचे के बिना सरकारी, सार्वजनिक या निजी संस्था के सफलतापूर्वक संचालन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। सुधांश पंत ने पी-2 यानी कि प्रो पिपुल-प्रो एक्टिव होने की आवश्यकता प्रतिपादित करने के साथ ही जी-2 यानी कि गुड गवर्नेंस का संदेश दिया और इसी को आगे बढ़ाते हुए ब्यूरोक्रेसी को पीए से पीए यानी कि परसनल एजेंडा के स्थान पर पब्लिक एंजेडा को तरजीह देने पर जोर दिया। सही मायने में देखा जाए तो ब्यूरोक्रेसी में इसी सोच की आवश्यकता है जिसे सुधांश पंत ने समझा है और समूची ब्यूरोक्रेसी तक इस संदेश का पहुंचाने का प्रयास किया है।

भारतीय चिंतकों से लेकर देश-दुनिया के जाने माने चिंतकों ने ब्यूरोक्रेसी के महत्व को स्वीकारने के साथ ही ब्यूरोक्रेसी की भूमिका भी अपने अपने तरीके से तय की है। कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में ब्यूरोक्रेसी यानीकि नौकरशाही के बारे में विस्तार से बताया गया है, लेकिन आज हम जिस रूप में ब्यूरोक्रेसी को देखते हैं उसको किसी सीमा में नहीं बांधा जा सकता।

रावण की कितनी बेटियां थीं, उनका क्या हुआ
सोने से शरीर वाली किस बेटी को हुआ हनुमान से प्यार

रावण के बेटों के बारे में हर किसी को मालूम है। उसके तीन बेटे थे। लेकिन क्या किसी को ये मालूम है कि रावण की बेटियां भी थीं। वो कौन थीं। उनका जीवन कैसा था। वो क्या करती थीं। शायद इसके बारे में इसलिए नहीं मालूम क्योंकि उनके बारे में बहुत ज्यादा कहीं कुछ आया ही नहीं है। लेकिन क्षेत्रीय रामायण के संस्करणों में रावण की बेटियों की बात की गई है। सामान्य तौर पर रावण की दो बेटियों का जिक्र आता है।

रामायण और इससे संबंधित ग्रंथों में रावण की संतानों के बारे में सीमित जानकारी है। वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस में रावण के पुत्रों के बारे में तो बताया गया है। उसके तीन पुत्र थे – मेघनाद, अक्षयकुमार, और प्रहस्त। हालांकि ग्रंथ ये कहते हैं कि रावण के तीन पत्नियों से उसके कुल सात बेटे थे। मंदोदरी से मेघनाद और अक्षय कुमार, धन्यमालिनी से अतिकाय और त्रिशिरा और तीसरी पत्नी से प्रहस्त, नरांतक और देवांतक। बेटियों का जिक्र क्षेत्रीय रामायणों, जैसे आनंद रामायण, अध्यात्म रामायण, और दक्षिण भारत की लोक कथाओं में है।

दूसरी बेटी का नाम था कुंभिनी

वैसे कुछ कथाओं में सीता को भी रावण की पुत्री बताया गया है। इसके अलावा उसकी दूसरी बेटी का नाम कुंभिनी था। उसकी शादी रावण ने अपने ही भाई कुंभकर्ण से की थी। कुछ अन्य क्षेत्रीय कथाओं में रावण की अन्य बेटियों के नाम भी आया है। लेकिन उनकी संख्या और कहानियां स्पष्ट नहीं हैं।

सीता को भी क्यों कहते हैं रावण की बेटी

कुछ क्षेत्रीय और लोक कथाओं में दावा किया जाता है कि सीता रावण और मंदोदरी की पुत्री थीं। जब ये भविष्यवाणी हुई कि ये बच्ची रावण के विनाश का कारण बनेगी, तब रावण ने उसे एक पेटी में बंद करके समुद्र में बहा दिया। यह पेटी मिथिला पहुंची, जहां राजा जनक ने उसे पाया। सीता के रूप में पाला। हालांकि ये कथा वाल्मीकि रामायण या रामचरितमानस में नहीं मिलती। मुख्यधारा में मानी भी नहीं जाती।

कुंभिनी क्यों दुखी रहती थी

अब आइए कुंभिनी के बारे में जानते हैं। कुछ दक्षिण भारतीय रामायणों और लोककथाओं में कुंभिनी को रावण की पुत्री बताया गया है, जिसका विवाह कुंभकर्ण (रावण के भाई) से हुआ। कुंभिनी को एक बुद्धिमान और धर्मपरायण नारी के रूप में दिखाया गया है, जो अपने पति की लंबी नींद और युद्ध में भागीदारी से दुखी थी।

कुंभकर्ण के युद्ध में मारे जाने के बाद, कुंभिनी का कोई विशेष उल्लेख नहीं मिलता। शायद वह लंका में ही रही होगी। कुछ कथाओं में उसे मंदोदरी के साथ शोक करते हुए दिखाया गया है।

एक और बेटी थी सुवर्णमछा

घोषित तौर पर दूसरी बेटी का उल्लेख विभिन्न क्षेत्रीय और विदेशी रामायणों में मिलता है। रावण की इस एक और बेटी का नाम सुवर्णमछा या सुवर्णमत्स्य था।इसके बारे में थाईलैंड की रामकियेन रामायण और कंबोडिया की रामकेर रामायण में बताया गया है।

जिसका शरीर सोने की तरह चमकता था

सुवर्णमछा का शरीर सोने की तरह चमकता था, इसलिए उसे "स्वर्ण जलपरी" भी कहा जाता था। इसका शाब्दिक अर्थ है "सोने की मछली"।इस बेटी का उल्लेख वाल्मीकि रामायण या तुलसीदास के रामचरित मानस में नहीं मिलता, यह केवल कुछ क्षेत्रीय और विदेशी रामायणों में पाया जाता है।

सुवर्णमछा और हनुमानजी की कथा

कथा के अनुसार, जब श्रीराम ने लंका तक समुद्र पर सेतु बनाने के लिए वानर सेना के नल-नील को काम सौंपा था, तब रावण ने अपनी बेटी सुवर्णमछा को इस योजना को विफल करने का आदेश दिया। सुवर्णमछा समुद्र के नीचे जाकर पत्थरों को गायब करने लगी,जिससे सेतु निर्माण में बाधा आई।

उसे हनुमान से प्यार हो गया

हनुमानजी ने जब इसका कारण पता लगाया तो समुद्र के अंदर सुवर्णमछा को देखा। दोनों के बीच युद्ध हुआ। युद्ध के दौरान सुवर्णमछा हनुमानजी के प्रति आकर्षित हो गईं। उनसे प्रेम हो गया।

हनुमानजी ने उसे समझाया कि रावण का काम गलत है। इसके बाद सुवर्णमत्स्य ने चुराए गए पत्थरों को वापस कर दिया। तब राम सेतु का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा हुआ। इस कथा के अनुसार, यदि सुवर्णमत्स्य को हनुमानजी से प्रेम न होता, तो राम सेतु का निर्माण बाधित हो सकता था। उसने हनुमानजी ने जाहिर किया कि उसे उनसे प्रेम हो गया लेकिन हनुमान ने उसे स्वीकार नहीं किया, क्योंकि वह ब्रह्मचारी थे।

पैसा नहीं रुकता? वैशाख में करें ये आसान उपाय, मां लक्ष्मी भर देंगी झोली!

हिंदू धर्म में वैशाख मास को अत्यंत पावन और पुण्यदायक माना गया है। इस महीने में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष आराधना का विधान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वैशाख के महीने में सच्चे मन से किया गया पूजा-पाठ, दान-पुण्य, तप और जप न सिर्फ मोक्ष की ओर ले जाता है बल्कि मनुष्य के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति भी लाता है।

बता दें कि, मां लक्ष्मी को अनेक वस्तुएं प्रिय हैं। जिनमें से एक नारियल (श्रीफल) भी शामिल है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अगर वैशाख के महीने में नारियल से जुड़े कुछ सरल और प्रभावशाली उपाय कर लिये जाएं तो जातक को आर्थिक लाभ होता है और घर की समस्याएं भी दूर होती हैं। साथ ही मां लक्ष्मी भी प्रसन्न होती हैं व आशीर्वाद प्रदान करती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं इस पवित्र माह में कौन-कौन से विशेष उपाय करना लाभप्रद हो सकता है।

घर में नहीं टिकता पैसा तो करें ये उपाय

अगर आपके पास पैसा नहीं टिकता है और आमदनी से ज्यादा खर्च हो जाता है, तो शुक्रवार को नहाने के बाद लाल कपड़े पहनें और मां लक्ष्मी की पूजा करें। पूजा में उन्हें जटा वाला नारियल, कमल का फूल, सफेद कपड़ा, दही और सफेद मिठाई चढ़ाएं। फिर उस नारियल को लाल कपड़े में लपेटकर ऐसे जगह रखें जहां कोई देख न सके। ऐसा करने से पैसे की दिक्कतें दूर होती हैं।

नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए

अगर आपको लगता है कि आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा है, तो वैशाख महीने में एक नारियल पर काजल का टीका लगाइए। फिर उस नारियल को घर के हर कोने में घुमाइए और बाद में उसे किसी नदी में बहा दीजिए। ऐसा करने से घर की नकारात्मकता दूर होती है और परिवार में प्यार बढ़ता है।

कुंडली में राहु-केतु के दोष दूर करने के लिए

अगर आपकी कुंडली में राहु-केतु का दोष है, तो यह नारियल का टोटका बहुत असरदार माना जाता है। शनिवार के दिन एक नारियल को बीच से दो भागों में बांट लें और उसके अंदर शक्कर भर दें। फिर उसे किसी सुनसान जगह पर जाकर जमीन में दबा दें। मान्यता है कि जैसे-जैसे मिट्टी में रहने वाले कीड़े इसे खाते हैं, वैसे-वैसे ग्रह दोष कम होने लगता है।

लंका युद्ध के समय लक्ष्मण के हाथों मारा गया मेघनाद
तो फिर उसकी पत्नी सुलोचना का क्या हुआ?

सीता हरण के कारण लंका का भीषण युद्ध हुआ, जिसमें प्रभु राम और वानर सेना ने रावण के पूरे कुल का अंत कर दिया। रावण की सेना में एक से बढ़कर एक योद्धा थे, जिनमें उसका पुत्र मेघनाद काफी बलशाली और मायावी था। मेघनाद ने देवताओं के राजा इंद्र पर जीत हासिल की थी, इसकी वजह से उसे इंद्रजीत भी कहा जाता था। हालांकि अधर्म के रास्ते पर चलने के कारण उसका वध लक्ष्मण के हाथों हुआ। जब लंका में मेघनाद के वध की खबर आई तो पूरा नगर शोक में डूब गया। रावण मूर्छित हो गया, मां मंदोदरी बेसुध हो गई, वहीं मेघनाद की पत्नी सुलोचना पति की खबर पाकर बेजान सी हो गई। मेघनाद की मृत्यु के बाद सुलोचना का क्या हुआ?

कौन थी सुलोचना?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, सुलोचना नागराज वासुकी की पुत्री थी। सुलोचना का अर्थ है सुंदर आंखों वाली महिला। वह अपने नाम के समान ही अतिसुंदर और गुणी थी। उसका विवाह मेघनाद से हुआ था। कुछ कहानियों में बताया जाता है कि सुलोचना का विवाह देवताओं के राजा इंद्र के बेटे जयंत से होना तया था। लेकिन विवाह से पूर्व रावण पुत्र मेघनाद ने इंद्र को युद्ध में हरा दिया, जिसके बाद सुलोचना का इंद्रजीत के प्रति प्रेम हो गया और परिणाम स्वरुप सुलोचना का विवाह मेघनाद से हुआ। कुछ जगहों पर सुलोचना को प्रमीला नाम से भी लिखा जाता है।

कैसे हुआ मेघनाद का सुलोचना से विवाह?

मेघनाद ने तप करके एक सती को पत्नी के रुप में पाने की सिद्धि पाई थी। रावण को नाग लोक जाने की सिद्धि प्राप्त थी। रावण ने मेघनाद को वह सभी सिद्धि प्रदान कर दी। उसने बताया कि नागराज की बेटी सुलोचना ही तुम्हारी पत्नी होगी। रावण ने मेघनाद को बताया कि एक बार जब वह नागलोक गया था, तब नागों की देवी सती ने सुलोचना को सती होने और चमत्कारी पति पाने का वरदान दिया था। रावण की सिद्धियां लेने के बाद मेघनाद सेना के साथ नागलोक जाता है। वहां उसकी मुलाकात नागराज से होती है और वह सुलोचना से विवाह का प्रस्ताव रखता है। इस पर नागराज सहमत हो जाते हैं, लेकिन सुलोचना की भी इच्छा जानना चाहते हैं। पिता के पूछने पर सुलोचना नाग देवी से इसकी अनुमति लेती है। उनकी अनुमति मिलने के बाद सुलोचना मेघनाद से विवाह के लिए सहमत हो जाती है। इस तरह से मेघनाद का विवाह सुलोचना से होता है।

पतिव्रता स्त्री थी सुलोचना

कथाओं के अनुसार, सुलोचना एक पतिव्रत स्त्री थी। उसके पतिव्रता धर्म का पुण्य प्रभाव सदा मेघनाद की रक्षा करता था। रावण ने इसलिए सुलोचना का पुत्र वधु के रूप में चयन किया था, ताकि मेघनाद की शक्तियों में बढ़ोत्तरी हो जाए और वह अजेय रहे।

मेघनाद के मारे जाने के बाद सुलोचना का क्या हुआ?

लंका युद्ध के समय लक्ष्मण के हाथों मेघनाद का वध होता है तो इस बात पर सुलोचना को विश्वास नहीं होता है। ऐसा कहा जाता है कि सुलोचना प्रभु राम के पास अपने पति मेघनाद का सिर लेने के लिए जाती है, ताकि वह सती हो सके। भगवान राम ने उसे मेघनाद का सिर दे दिया, जिसके बाद वह सती हो गई।

गुरुवार के शुभ संयोग में वरुथिनी एकादशी

वरुथिनी एकादशी का व्रत 24 अप्रैल गुरुवार को शुभ संयोग में पड़ा है। वरुथिनी एकादशी और गुरुवार व्रत दोनों में भगवान श्री विष्णु की पूजा करते हैं। ऐसे में यह दिन अत्यंत ही पुण्य फलदायी है। जो व्यक्ति वरुथिनी एकादशी का व्रत रखकर भगवान श्रीहरि के वराह स्वरूप की पूजा करता है, वह सदैव निर्भय रहता है, उसे किसी भी प्रकार का कोई भय नहीं रहता है।

वरूथिनी एकादशी व्रत कथा

पौराणिक कथा में वरूथिनी एकादशी के महत्व को बताया गया है। एक समय राजा मांधाता का राज्य नर्मदा नदी के तट पर बसा था। वे धर्मात्मा राजा थे। वे अपनी प्रजा की सेवा करते थे और पूजा, पाठ, धर्म, कर्म में उनका मन लगता था। एक दिन वे जंगल में चले गए और वहां पर तपस्या करनी शुरू कर दी। वे तपस्या में काफी समय तक लीन रहे। एक दिन एक भालू वहां पर आया और राजा मांधाता पर हमला कर दिया।

इस हमले में भालू ने राजा मांधाता के पैर को पकड़ लिया और घसीटने लगा। उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और भगवान के तप में ही लगे रहे। उन्होंने अपने प्रभु श्रीहरि का स्मरण करके जीवन रक्षा की प्रार्थना की। इतने समय में भालू उनको जंगल के और अंदर लेकर चला गया। तभी भगवान विष्णु प्रकट हुए। उन्होंने उस भालू का वध कर दिया और राजा मांधाता के प्राण बच गए। भालू के हमले में राजा मांधाता का पैर खराब हो गया था। इस बात से वे काफी दुखी थे।

तब भगवान विष्णु ने राजा मांधाता को बताया कि यह तुम्हारे पिछले जन्मों के कर्मों का ही फल है। तुम्हें परेशान नहीं होना चाहिए। जब वैशाख महीने के कृष्ण पक्ष में एकादशी आए तो उस दिन मथुरा में भगवान वराह की पूजा विधिपूर्वक करो। उस व्रत और पूजन के प्रभाव से एक नया शरीर प्राप्त होगा।

श्रीहरि की ये बात सुनकर राजा मांधाता खुश हो गए। वे प्रभु की आज्ञा पाकर वैशाख कृष्ण एकादशी यानि वरूथिनी एकादशी को मथुरा पहुंच गए। उन्होंने वरूथिनी एकादशी का व्रत रखा और भगवान वराह की विधिपूर्वक पूजा की। व्रत के बाद पारए करके उपवास को पूरा किया। इस व्रत के पुण्य से उनको एक नया शरीर प्राप्त हुआ। वे अपने राज्य वापस लौट आए और सुखी जीवन व्यतीत करने लगे। जब उनकी मृत्यु हुई तो उनको स्वर्ग की प्राप्ति हुई। उनको सद्गति मिली।ऐसी ही जो भी व्यक्ति वरूथिनी एकादशी का व्रत विधि विधान से करता है और वरूथिनी एकादशी की व्रत कथा सुनता है, उस पर प्रभु हरि की कृपा होती है। उसके पाप मिटते हैं और वह मोक्ष पा जाता है। वह भयहीन हो जाता है।

वरुथिनी एकादशी व्रत 2025 मुहूर्त और पारण समय

वैशाख कृष्ण एकादशी तिथि की शुरूआतः 23 अप्रैल, बुधवार, शाम 4:43 बजे से

वैशाख कृष्ण एकादशी तिथि की समाप्तिः 24 अप्रैल, गुरुवार, दोपहर 2:32 बजे पर

ब्रह्म योगः सुबह से दोपहर 03:56 बजे तक, फिर इंद्र योग होगा।

ब्रह्म मुहूर्तः 04:19 ए एम से 05:03 ए एम तक

अभिजीत मुहूर्तः 11:53 ए एम से दोपहर 12:46 पी एम तक

वरुथिनी एकादशी व्रत पारण समयः 25 अप्रैल, शुक्रवार, 05:46 ए एम से 08:23 ए एम तक द्वादशी तिथि का समापनः 25 अप्रैल, शुक्रवार, 11:44 ए एम पर।

अक्षय तृतीया पर
मेष, सिंह, मीन सहित सभी राशि अनुसार करें खरीदारी

अक्षय तृतीया के दिन खरीदारी करना भी शुभ माना जाता है। सामान्यतौर पर लोग इस दिन सोना, चांदी, इलेक्ट्रॉनिक आइटम या फिर बर्तन खरीदते हैं।

मेष राशिः इस शुभ पर्व पर मसूर की दाल खरीदना आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगा। यह न केवल घर में सकारात्मक ऊर्जा लाएगा, बल्कि मां लक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त होगी। इसके साथ ही नए बर्तन खरीदना भी आपके भाग्य को प्रबल करेगा।

वृषभ राशिः अगर आप आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं, तो अक्षय तृतीया पर घर में चावल खरीदकर लाएं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की विशेष अनुकंपा आपको मिलती है और धन-संबंधी समस्याएं भी दूर होती हैं।

मिथुन राशि– अक्षय तृतीया के दिन अगर आप धनिया खरीदते हैं, तो यह बहुत शुभ माना जाता है। इससे जीवन में मौजूद ग्रहों की नकारात्मकता दूर हो सकती है और भाग्य मजबूत हो सकता है।

कर्क राशि– इस दिन दूध खरीदना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। ऐसा

करने से ग्रह दोषों का असर कम होता है और देवी लक्ष्मी की विशेष कृपा भी प्राप्त होती है।

सिंह राशि– आपके लिए इस खास दिन मौसमी फल खरीदना बेहद लाभकारी रहेगा। इससे आपके घर में सुख-शांति और समृद्धि का वास होगा।

कन्या राशि– अगर आपके जीवन में परेशानियां चल रही हैं, तो आज मूंग की दाल जरूर खरीदें और मां लक्ष्मी की सुबह-शाम पूजा करें, ये उपाय आपके लिए शुभ परिणाम ला सकता है।

तुला राशि– इस राशि के जातकों को अक्षय तृतीया के दिन चावल खरीदने से लाभ मिल सकता है। आपके सभी अटके हुए काम बनने लगेंगे, साथ ही घर का माहौल भी खुशियों से भर सकता है।

वृश्चिक राशि– अक्षय तृतीया के दिन गुड़ खरीदें और मां लक्ष्मी का पूजन करें। ऐसा करने से ग्रह दोषों से राहत मिल सकती है और सौभाग्य भी बढ़ेगा।

धनु राशि– इस राशि के जातकों के लिए केला खरीदना अक्षय तृतीया के दिन आपके लिए शुभ रहेगा। इसके साथ अगर आप शाम को लक्ष्मी जी को भोग लगाते हैं, तो आर्थिक स्थिति में सुधार आ सकता है।

मकर राशि– मकर राशि के जातकों के लिए उड़द की दाल खरीदना इस पवित्र दिन पर बहुत शुभ रहेगा। इससे जीवन में चल रही कई समस्याएं धीरे-धीरे कम हो सकती हैं।

कुंभ राशि– कुंभ राशि के जातक अक्षय तृतीया के दिन तिल खरीदिए और मां लक्ष्मी की पूजा करके उनके सामने घी का दीपक जलाइए। इससे घर में सुख-शांति बनी रहेगी और नकारात्मकता दूर होगी।

मीन राशि– अक्षय तृतीया के दिन मां लक्ष्मी की पूजा के बाद हल्दी खरीदकर तिजोरी में रखें। इससे आर्थिक तंगी दूर हो सकती है और धन की देवी लक्ष्मी की आपपर विशेष कृपा भी बनी रहती है।

चाणक्य ने कहा ये लोग दोस्त नहीं, बल्कि आपको बनाना चाहते हैं अपना गुलाम, जल्द बना लें इनसे दूरी

अपने इशारों पर चलना

हमारे जीवन में कुछ लोग ऐसे भी रहते हैं जो कि आपको अपने इशारों पर चालाना चाहते हैं और आपकी राय को बिलकुल भी महत्व नहीं देते हैं। हमेशा आपसे यही उम्मीद करते हैं कि आप उनकी सोच, आदतें और फैसले के अनुसार चलें। ऐसे लोग धीरे-धीरे आपकी स्वतंत्र सोच को खत्म कर देते हैं और यही आदतें आपको उनका गुलाम बनाती है।

जरूरत पड़ने पर मुंह फेरने वाले लोग

सच्चा रिश्ता वही होता है जो आपके पूरे अस्तित्व को स्वीकार करे और आपका हर परिस्थिती में साथ दे।

लेकिन कुछ लोग केवल अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए आपके करीब आते हैं और जब आपको उनकी जरूरत पड़ती है तो वे अपना व्यवहार बदल लेते हैं। यह संकेत है कि वे आपको एक इंसान नहीं बल्कि एक वस्तु के समान मानते हैं और उनकी नजरों में आपकी कोई वेल्यू नहीं होती और वे सिर्फ आपको अपना गुलाम बनाना चाहते हैं।

दूसरों के सामने नीचा दिखाना

एक तरफ जहां सच्चे लोग आपकी ताकत को पहचानते हैं वहीं कुछ लोग ऐसे होते हैं जो सिर्फ आपकी कमियां खोजने में ही लगे रहते हैं। उनका मकसद होता है आपको लगातार नीचा दिखाना ताकि आप आत्म-संदेह में जकड़े रहें और वे आप पर हावी हो सकें। ऐसे लोगों की संगत आपके आत्मबल को खत्म कर देती है और फिर आप उनपर पूर्णरूप से निर्भर हो जाते हैं।

जो भावनाओं का सहारा लेते हैं

भावनाएं इंसान की सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ी कमजोरी होती हैं। कुछ लोग इसका फायदा उठाकर आपको प्यार या सहानुभूति के नाम पर ब्लैकमेल करते हैं। वे आपको ये यकीन दिला देते हैं कि उनके बिना आप अधूरे हैं। धीरे-धीरे आप अपने फैसलों और इच्छाओं को त्यागकर केवल उनके इशारों पर जीने लगते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले पर भड़के सेलेब्स : संजय दत्त बोले- चुप नहीं बैठेंगे

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 27 लोगों की मौत हो गई। इस आतंकी हमले से पूरे देश में आक्रोश है। वहीं अमिताभ बच्चन, अजय देवगन से लेकर कमल हासन समेत बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने भी इस पर नाराजगी जाहिर की है। संजय दत्त ने नरेंद्र मोदी को टैग कर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें लिखा है कि अब हम चुप नहीं रहेंगे और न ही इसे माफ किया जाएगा। वहीं इस आतंकी हमले के बाद अमिताभ बच्चन की एक पोस्ट मजाक का मुद्दा बन गई है।

संजय दत्त ने आतंकी हमले पर लिखा है, उन्होंने हमारे लोगों को बेरहमी से मारा। इसे माफ नहीं किया जा सकता, उन आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि हम चुप नहीं बैठेंगे। हमें जवाब देना होगा। मैं प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी जी और होम मिनिस्टर अमित शाह और डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह से विनती करता हूं कि उन्हें वो दें, जो वो डिजर्व करते हैं।

अजय देवगन ने लिखा, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बारे में सुनकर स्तब्ध हूं। पीड़ित और उनके परिवार निर्दोष थे और जो हुआ वह बेहद दिल दहला देने वाला है और पूरी तरह गलत है। मेरी संवेदनाएं और दुआएं उनके साथ हैं।

अनुष्का शर्मा ने भी आतंकी हमले में पीड़ित लोगों का सांत्वना देने के साथ-साथ इस हमने को घिनौना कहा है। उन्होंने पोस्ट कर लिखा है कि इसे कभी नहीं भूला जाएगा। आलिया भट्ट ने भी आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए लिखा है, पहलगाम में से आई खबर दिल तोड़ देने वाली है। मासूमों की जान चली गई। टूरिस्ट, परिवार, लोग जो बस वहां रह रहे थे, खूबसूरती निहार रहे थे और शांति में थे। अब सिर्फ शोक और असहनीय भार रह गया है।

आतंकी हमले की खबर आने के बाद **अमिताभ बच्चन** ने देर रात अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट से सिर्फ ट्वीट का नंबर डाला और कुछ भी नहीं लिखा। कुछ लोग इस पोस्ट को खामोशी कह रहे हैं, वहीं कुछ लोगों का मानना है कि जया बच्चन के पॉलिटिकल करियर के चलते अमिताभ बच्चन ने आतंकी हमले पर विचार नहीं रखे। इन सेलेब्स ने भी आतंकी हमले की कड़ी निंदा की।

कानूनी विवादों में घिरी कंगना रनोट की 'इमरजेंसी'

राइटर ने मेकर्स के खिलाफ किया मुकदमा, फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर दिखाने का आरोप

कंगना रनोट की फिल्म 'इमरजेंसी' एक बार फिर कानूनी विवादों में घिर गई है। अब इस फिल्म को लेकर वरिष्ठ पत्रकार और लेखिका कूमी कपूर ने फिल्म निर्माताओं के खिलाफ केस दर्ज कराया है। आरोप है कि फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर दिखाया गया है।

कूमी कपूर ने कंगना की प्रोडक्शन कंपनी मणिकर्णिका फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर उनकी किताब और नाम का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को बदलने का भी आरोप लगाया है।

'द इमरजेंसीः ए पर्सनल हिस्ट्री' की लेखिका कूमी कपूर का कहना है कि उन्होंने 'मणिकर्णिका फिल्म्स' और 'पेंगुइन रैंडम हाउस' के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, जिसमें उनकी किताब को फीचर फिल्म में रूपांतरित करने की अनुमति दी गई थी। हालांकि, अब उनका आरोप है कि उस एग्रीमेंट का उल्लंघन किया गया है।

एग्रीमेंट के अनुसार, फिल्ममेकर्स को कंटेंट से क्रिएटिव अडॉप्टेशन का अधिकार था। इसके अलावा कपूर ने कानूनी सलाह पर इस एग्रीमेंट में दो महत्वपूर्ण शर्तें जोड़ी थीं। उसमें स्पष्ट था कि फिल्ममेकर्स को फिल्म बनाने के लिए पूरी स्वतंत्रता है, लेकिन इसमें कोई भी ऐसा बदलाव नहीं किया जाना चाहिए, जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत हो।'

कपूर के मुताबिक, 'एग्रीमेंट में ये भी कहा गया था कि फिल्म के प्रचार या कमाई के लिए लेखिका और किताब के नाम का इस्तेमाल बिना उनसे अनुमति लिए नहीं किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उनका दावा है कि फिल्म किताब पर आधारित है।'

इसके साथ ही कपूर ने यह भी बताया कि फिल्म निर्माताओं ने 3 अप्रैल को भेजे गए कानूनी नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया। कंगना की टीम या नेटफ्लिक्स से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उन्होंने मुकदमा दायर किया है।

नोटिस के मुताबिक, कपूर ने फिल्ममेकर्स के लापरवाह और गैर-कानूनी बिहेवियर के कारण उन्हें पर्सनल रेप्युटेशन, प्रोफेशनल, इमोशनल और फाइनेंशियल लेवल पर हुए नुकसान की भरपाई के लिए तत्काल मुआवजा देने की मांग की है।

किसिंग सीन के लिए ऐश्वर्या राय को मिला था कानूनी नोटिस

लोगों ने पूछा-आपने ऐसा क्यों किया? धूम-2 में ऋतिक रोशन को किया था किस

ऐश्वर्या राय बच्चन की गिनती इंडस्ट्री की वर्सेटाइल एक्ट्रेस में होती है। अपने फिल्मी करियर में उन्होंने कई तरह के रोल निभाए हैं। एक्ट्रेस का एक पुराना इंटरव्यू सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वो बताती है कि कैसे उन्हें धूम-2 के किसिंग सीन के लिए कानूनी नोटिस मिले थे।

किसिंग सीन की वजह से हॉलीवुड फिल्में रिजेक्ट की

साल 2012 में डेली मेल को दिए एक इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने कहती हैं कि उन्होंने वेस्टर्न सिनेमा की कुछ स्क्रिप्ट सिर्फ इसलिए रिजेक्ट कर दी थीं, क्योंकि वो उनमें इंटीमेट सीन, खासकर किसिंग सीन को लेकर सहज नहीं थीं। इससे पहले उन्होंने कभी भी स्क्रीन पर ऐसा नहीं किया था, इसलिए यह आइडिया उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं आया।

वो आगे कहती हैं, 'मैंने सोचा कि अगर मुझे उस रास्ते पर जाना ही है, तो पहले मैं अपनी इंडस्ट्री में ऐसा करूंगी। मैंने 'धूम-2' में ऐसा किया और यह एक बहुत बड़ा मुद्दा बन गया था। आपको हैरानी होगी लेकिन मुझे देश के कुछ लोगों से कानूनी नोटिस मिले, जिनमें कहा गया था, आप आईकॉनिक हैं। आप हमारी लड़कियों के लिए एक एग्जांपल हैं। आपने अपनी लाइफ को इतने बढ़िया तरीके से जिया है। वे आपके स्क्रीन पर ऐसा करने से सहज नहीं हैं, तो आपने ऐसा क्यों किया?'

हमारी फिल्मों में किसिंग सीन के लिए एक्टर भी सहज नहीं

ऐश्वर्या फैंस के कानूनी नोटिस भेजे जाने से हैरान थीं और उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा, वाह - मैं सिर्फ एक कलाकार हूं, जो अपना काम कर रही हूं। यहां मुझे दो से तीन घंटे की फिल्म में कुछ सेकंड के लिए स्पष्टीकरण देने के लिए कहा जा रहा है।

बहुत से एक्टर ने फिल्मों में किसिंग सीन किया है और ऐसा लगातार कर रहे हैं। हालांकि, भारतीय कल्चर में पब्लिक में अफेक्शन दिखाना आम नहीं है। हमारे सिनेमा में एक्टर भी स्क्रीन पर किस करते हुए बहुत कम ही सहज दिखते हैं। हमारी कहानी या गानों में यह बहुत नैचुरल नहीं लगता है।'

एक्शन-थ्रिलर धूम-2 साल 2006 में रिलीज हुई थी। ये फिल्म 'धूम' की सीक्वल फिल्म थी। इस फिल्म में ऐश्वर्या ऋतिक रोशन के अपोजिट नजर आई थीं। दोनों ने पहली बार स्क्रीन शेयर किया था। संजय गढ़वी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में विजय कृष्ण आचार्य ने डायलॉग लिखा था। इसमें अभिषेक बच्चन, उदय चोपड़ा और बिपाशा बसु भी मुख्य भूमिकाओं में थे। एक्ट्रेस की वर्कफ्रंट की बात करें तो आखिरी बार उन्हें मणिरत्नम की फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन' में देखा गया था।

आलिया भट्ट पर बिगड़े सौतेले भाई राहुल के बोल

कहा- न शक्ल, न टैलेंट, मेरी सगी बहन पूजा भट्ट के सामने आधी भी नहीं है

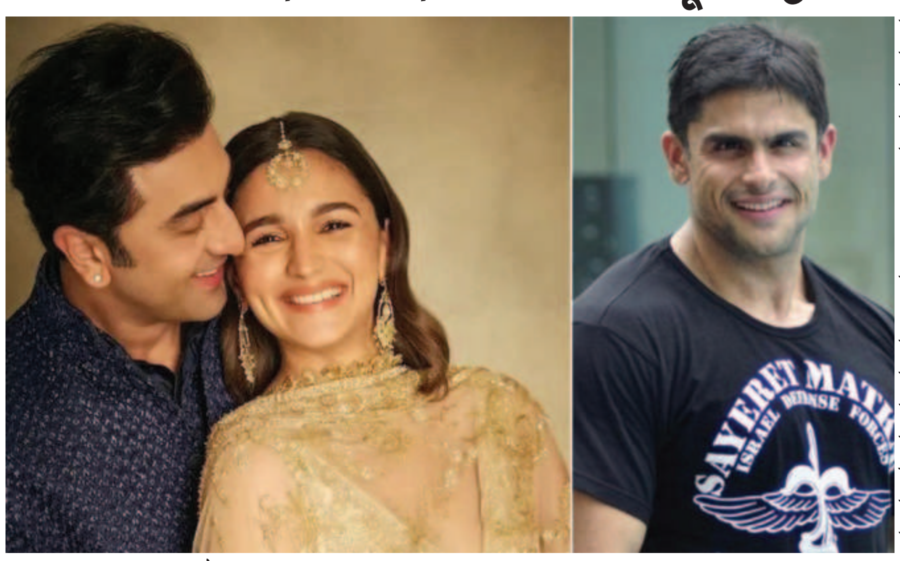

आलिया भट्ट के सौतेले भाई राहुल भट्ट ने हाल ही में एक इंटरव्यू में न सिर्फ एक्ट्रेस की तुलना अपनी सगी बहन से की बल्कि ये भी कहा कि वो उनके आगे कुछ भी नहीं है। राहुल भट्ट ने कहा है कि शक्ल और टैलेंट में आलिया भट्ट, पूजा भट्ट की आधी भी नहीं हैं। इसी दौरान उन्होंने रणबीर कपूर पर भी अटपटा बयान दिया है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में राहुल भट्ट से कहा गया कि आलिया भट्ट, भट्ट परिवार को लीगेसी को आगे बढ़ा रही हैं। इस पर राहुल ने कहा, अगर आप मुझसे पूछेंगे तो मेरे ख्याल में, वो (आलिया) मेरी सगी बहन (पूजा भट्ट) के आगे आधी भी नहीं है। न तो टैलेंट, न तो लुक और न तो सेक्सी। मेरी सगी बहन के सामने पानी कम चाय। अगर आप हम सभी भाई बहनों में पूछोगे कि सबसे ज्यादा टैलेंटेड कौन है या सबसे ज्यादा मोरलिस्टिक कौन है, तो वो पूजा है। आगे राहुल भट्ट ने ये भी कहा कि पूजा भट्ट ही उनके पिता की लीगेसी को आगे ले जाने वालीं असल उत्तराधिकारी हैं।

रणबीर कपूर पर बात करते हुए राहुल भट्ट ने कहा है, वो एक अच्छा पिता है। एक्टिंग का पता नहीं, मुझे समझ में नहीं आता, एक्टिंग कौन है, एक्टर कौन है, एनिमल कौन है, कपूर कौन है। कुछ फर्क नहीं पड़ता। बाप अच्छा है। बच्ची से प्यार करता है, मेरे लिए इतना काफी है। बाकी सब नाम, शोहरत, एनिमल, जाएगा, आएगा, घूम फिरकर बात आती है कि वो अच्छा पिता है। वो मेरी सौतेली बहन की इज्जत करता है, बस।

बताते चलें कि महेश भट्ट ने साल 1970 में किरण भट्ट से शादी की थी। इस शादी से उन्हें दो बच्चे पूजा और राहुल हैं। 1986 में महेश भट्ट ने सोनी राजदान से दूसरी शादी की थी, जिससे उन्हें आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट हैं। सोनी राजदान से शादी करने के लिए महेश भट्ट ने इस्लाम कबूल कर लिया था, जिससे उन्हें पहली पत्नी को तलाक न देना पड़े।

पंजाब की जीत पर प्रीति जिंटा को क्रिकेटर्स के लिए बनाने पड़े थे 120 आलू के पराठे

एक शर्त के कारण करनी पड़ी थी इतनी मेहनत

पंजाब किंग्स की ओनर प्रीति जिंटा इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान काफी एक्साइटेड रहती हैं, हालांकि उनकी टीम का परफॉर्मेंस ठीक ठाक ही रहता है, मगर एक्ट्रेस का एनर्जी लेवल कभी कम नहीं दिखाई देता और वो अपनी टीम को पूरा सपोर्ट करती हैं, एक बार तो उन्होंने अपनी टीम को अपने हाथों से आलू के पराठे भी बनाकर खिलाए थे। जी हां! प्रीति जिंटा ने पंजाब किंग्स के लिए आलू के पराठे बनाए थे वो भी पूरे 120।

मैचों के दौरान, प्रीति अक्सर स्टेडियम मैचों के बाद ब्रॉडकास्टर से बात भी करती हैं। ऐसी ही एक बातचीत सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें प्रीति बताती हैं कि उन्हें पंजाब किंग्स के क्रिकेटरों के लिए 120 आलू पराठे बनाने थे।

प्रीति जिंटा वीडियो में कहती दिख रही हैं, "मैंने बोला कि मुझे आलू का पराठा खाना है और होटल वाले ने एक मरेला, थकेला, सड़ेगा आलू पराठा दिया। तो मैंने कहा कि मैं तुम्हें सिखाती हूं, तो लड़कों ने कहा कि आप हमारे लिए भी बनाएंगी। मैंने कहा ऐसे तो नहीं, लेकिन अगर तुम अच्छे से जीतो तो मैं बनाऊंगी और वो जीत गए। मैंने कहा ठीक है और फिर मुझे उनके लिए करीब 120 पराठे बनाने पड़े थे। तब से अब तक फिर मैंने कभी आलू के पराठे नहीं बनाए।"

बता दें कि प्रीति जिंटा हर सीजन में अपनी टीम को फुल सपोर्ट करती हैं। उन्हें अक्सर स्टैंड से अपनी टीम के लिए चीयर करते हुए देखा जाता है और वो आईपीएल फ्रैंचाइज़ी मालिकों के बीच काफी मशहूर हो गई हैं। प्रीति के होने से पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी में ग्लैमर और एक्साइटमेंट जुड़ गया है। वो मैचों के बीच सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली टीम ओनर हैं।

बता दें कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार को पंजाब किंग्स पर सात विकेट से जीत हासिल की थी। इसके बाद भी प्रीति जिंटा का जज्बा कम नहीं हुआ था। उन्हें हार के बाद भी कोहली के साथ मुलाकात की और उनसे बात की। दोनों का हंसी मजाक करते हुए वीडियो भी इंटरनेट पर खूब वायरल हुआ।

लव मैरिज के दो महीने बाद तलाक : पत्नी के साथ छोड़ने पर पहुंचा सदमा, करने वाले थे सुसाइड; दोस्तों ने बचाई जान

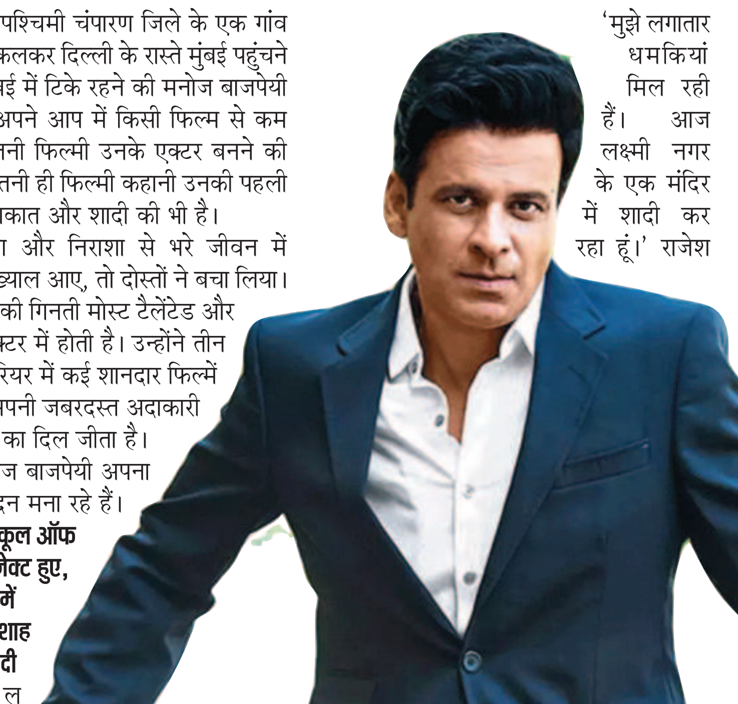

बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले के एक गांव बेलवा से निकलकर दिल्ली के रास्ते मुंबई पहुंचने और फिर मुंबई में टिके रहने की मनोज बाजपेयी की कहानी अपने आप में किसी फिल्म से कम नहीं है। जितनी फिल्मी उनके एक्टर बनने की कहानी है, उतनी ही फिल्मी कहानी उनकी पहली पत्नी से मुलाकात और शादी की भी है।

असफलता और निराशा से भरे जीवन में सुसाइड के ख्याल आए, तो दोस्तों ने बचा लिया। आज मनोज की गिनती मोस्ट टैलेंटेड और वर्सेटाइल एक्टर में होती है। उन्होंने तीन दशक के करियर में कई शानदार फिल्में की हैं और अपनी जबरदस्त अदाकारी से हर किसी का दिल जीता है।

आज मनोज बाजपेयी अपना 56वां जन्मदिन मना रहे हैं।

नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में रिजेक्ट हुए, थिएटर में नसीरुद्दीन शाह को टक्कर दी

नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा ने मनोज को तीन बार ऑडिशन में रिजेक्ट कर दिया था। उन्होंने दिल्ली में ही एक्ट वन थिएटर ग्रुप जॉइन कर लिया। 90 के दशक में दिल्ली में एक्ट वन थिएटर ग्रुप बहुत ही लोकप्रिय था। दिल्ली के रंगमंच में मनोज बाजपेयी का बहुत बड़ा नाम हो गया।

देखते ही देखते मनोज बाजपेयी दिल्ली के रंगमंच की दुनिया में काफी फेमस गए। उनको नसीरुद्दीन शाह की टक्कर का थिएटर आर्टिस्ट कहा जाता था। मनोज का एक नाटक 'नेटुआ' बहुत बड़ा हिट हुआ था।

थिएटर में मिला पहला प्यार

एक्ट वन थिएटर ग्रुप में ही मनोज की मुलाकात दिव्या नाम की एक लड़की से हुई। दिव्या उस समय दिल्ली में ग्रेजुएशन कर रही थीं। थिएटर की तरफ उनका भी झुकाव था। वह एक्ट वन थिएटर ग्रुप में रिहर्सल करने आती थीं। दिव्या बेहद खूबसूरत थीं और उनकी आवाज बहुत अच्छी थी। पहली ही नजर में मनोज को दिव्या से प्यार हो गया। दोनों की मुलाकातों का सिलसिला बढ़ता गया, बात शादी तक पहुंच गई।

लड़की के घर वाले शादी के खिलाफ थे

दिव्या दिल्ली के बड़े सम्पन्न घर की रहने वाली थीं। वहीं, मनोज स्ट्रगल कर रहे थे। उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। इसलिए दिव्या के घर वाले नहीं चाहते थे कि दोनों की शादी हो। यहां तक कि मनोज के परिवार वाले भी उस शादी से खुश नहीं थे। लड़की के घरवालों से मनोज को लगातार धमकियां मिल रही थीं, लेकिन उन्होंने उन धमकियों की परवाह नहीं की।

पुलिस सुरक्षा के बीच मंदिर में शादी हुई

'मुझे लगातार धमकियां मिल रही हैं। आज लक्ष्मी नगर के एक मंदिर में शादी कर रहा हूं।' राजेश जोशी ने स्थानीय पुलिस स्टेशन में बात करके मंदिर के बाहर दो पुलिस वाले तैनात करवा दिए। बिल्कुल फिल्मी तरीके से मनोज की पहली शादी हुई थी।

शादी के दो महीने के बाद ही तलाक हो गया

दिव्या के घर वालों को जिस बात का डर था। वहीं हुआ। मनोज की आर्थिक स्थित इतनी खराब थी कि पति-पत्नी का गुजारा बहुत मुश्किल से हो पाता था। कहीं ना कहीं दिव्या को भी इस बात का एहसास होने लगा था कि जल्दबाजी में उनसे गलती हो गई। नतीजा यह निकला कि दो महीने के अंदर ही दिव्या ने मनोज से तलाक ले लिया। इस वजह से मनोज बहुत निराश हो गए थे।

सुसाइड के बारे में सोचने लगे थे

पत्नी से तलाक और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में तीन बार रिजेक्ट होने से मनोज पूरी तरह से टूट गए थे। वो सुसाइड के काफी करीब पहुंच गए थे। यह चौंकाने वाला खुलासा मनोज ने एक इंटरव्यू के दौरान किया था।

बैंडिट क्वीन से नहीं मिली पहचान

थिएटर का बड़ा नाम होने के बाद मनोज जब मुंबई आए तो उनके पास काम नहीं था। मुंबई आने से पहले उन्होंने शेखर कपूर की फिल्म 'बैंडिट क्वीन' की थी। उस फिल्म में उनका ऐसा गेटअप था कि वे पहचान में नहीं आ रहे थे।

मुंबई में सौरभ शुक्ला के साथ आठ बाई आठ के कमरे में रहे

मुंबई पहुंचने के बाद मनोज ने अंधेरी के पास डीएन नगर में एक घर किराए पर लिया। उनके मुंबई पहुंचने के कुछ दिन बाद सौरभ शुक्ला आए। सौरभ शुक्ला ने पीयूष पांडे की किताब 'कुछ पाने की जिद' में कहा है- मुंबई में आठ बाई आठ का कमरा देखकर मुझे बड़ा झटका लगा।

शूटिंग पर पहले दिन मैंने जैसे ही पहला शॉट दिया तो कैमरे के सामने खड़े सारे लोग अचानक लापता हो गए। मेरे हिसाब से शॉट अच्छा था, लेकिन कोई बताने वाला नहीं था। थोड़ी देर बाद एक सहायक निर्देशक आया और बोला कि आप कॉस्ट्यूम रूम में जाकर कपड़े बदल लीजिए। मैडम को आपका काम पसंद नहीं आया।

मैंने एक और बंदे को फोन किया, उसने भी मुझे एक रोल देने का वादा किया था। फोन किया तो उसने बताया कि उसे थोड़ा लंबा लड़का चाहिए था। इसलिए किसी दूसरे को ले लिया। इस तरह एक दिन में तीन जगह से मैं निकाला गया।

सीरियल स्वाभिमान का ऑफर ठुकरा दिया था

धारावाहिक 'स्वाभिमान' ने मुंबई में मनोज बाजपेयी के करियर की नींव रखी, लेकिन मनोज ने पहले इस सीरियल का ऑफर ठुकरा दिया था। मनोज 'स्वाभिमान' की कास्टिंग के लिए पहुंचे तो महेश भट्ट के सहायक निर्देशकों से बात हुई। मनोज बाजपेयी के करीबी दोस्त अशोक पुरंग कहते हैं- मनोज को रोल ठीक लगा, लेकिन उनको पैसे बहुत कम ऑफर किए गए थे।

वे ऑफर ठुकराकर बाहर आ गए। जैसे ही बाहर आकर उन्होंने सारी बात बताई। मैंने कहा कि भइया किराया देना है, बाकी जरूरतें भी हैं। इससे पहले मनोज कुछ जवाब देते, मैं दौड़कर अंदर गया और कास्टिंग डायरेक्टर को समझाया कि शायद मेरे दोस्त को कुछ समझने में गलती हुई है। हमें आधा घंटा दो। मैंने मनोज को समझाया-बुझाया और फिर मनोज उस सीरियल में काम करने के लिए राजी हुए।

शुरुआत में सिर्फ सिर्फ आठ-दस एपिसोड का काम मिला

मनोज को 'स्वाभिमान' में पहले शुरुआत के सिर्फ आठ-दस एपिसोड का काम मिला था। बाद में उनके किरदार को बढ़ा दिया गया था। इस बात का खुलासा खुद महेश भट्ट ने 'जीना इसी का नाम है' के कार्यक्रम में किया था।

महेश भट्ट ने मनोज को पेजर पर मैसेज भेजा और फौरन मिलने को बुलाया। मनोज को पहले तो विश्वास नहीं हुआ कि महेश भट्ट ने ही उन्हें मैसेज भेजा है। यकीन होने के बाद डरते-सहमते वे फिल्मिस्तान स्टूडियो पहुंचे। वहां पर महेश भट्ट फिल्म 'चाहत' की शूटिंग शाहरुख के साथ कर रहे थे। मनोज को देखते ही महेश भट्ट ने गले लगा लिया।

कील मुंहासों का ये सिंपल टिप्स जड़ से करेंगे सफाया

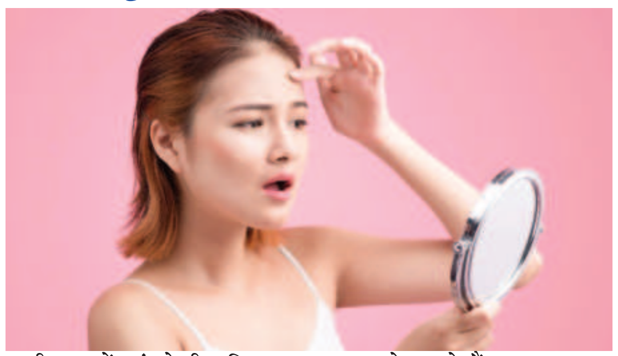

टीनएज में पहुंचते ही अधिकतर लड़के-लड़कियों को एक्ने की समस्या शुरू हो जाती है. एक्ने कई बार ऑयली स्किन वालों को अधिक होता है. एक्ने को ही पिंपल्स यानी मुंहासे कहते हैं. यह एक बेहद ही कॉमन स्किन डिसऑर्डर है. मुंहासे के सामान्य कारणों में तेल का अत्यधिक उत्पादन है, जिससे रोमछिद्र बंद हो जाते हैं. मृत त्वचा कोशिकाओं का निर्माण होना, त्वचा में सूजन आदि शामिल हैं. यदि आपको भी एक्ने काफी होता है और चेहरा दाग-धब्बों से भर गया है तो इससे छुटकारा पाने के लिए आप कुछ सिंपल टिप्स को फॉलो करके देखें. मुंहासों से छुटकारा और ग्लोइंग स्किन पाने के लिए इन टिप्स को शेयर किया डाइटिशियन शिवानी कांडवाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर.

एक्ने से छुटकारा पाने के 8 सिंपल टिप्स

1. आपको एक्ने हो रहा है तो आप घर पर भी इस समस्या को दूर कर सकते हैं. इसके लिए बार-बार आपको डर्मटोलॉजिस्ट के पास जाने की जरूरत नहीं है. इसके लिए जरूरी है कि आप जड़ से एक्ने होने के कारणों के बारे में जानकर उस पर काम करें. ये हार्मोनल इंबैलेंस, खराब गट हेल्थ, अनहेल्दी खानपान आदि कारण हो सकते हैं.

2. अगर आपको एक्ने होता है तो बिल्कुल भी चेहरे पर मेकअप ना लगाएं. अपनी त्वचा को साफ-सुथरा रखें. इसे खुल कर सांस लेने दें.

3. मुंहासों की समस्या से परेशान हैं, कई तरह के उपाय आजमाकर देख चुके हैं तो अब ट्राई करें मुल्तानी मिट्टी से बना फेस पैक. सप्ताह में कम से कम

दो बार मुल्तानी मिट्टी से बना फेस पैक लगाएं. कुछ देर रखने के बाद चेहरा ठंडे पानी से साफ कर लें.

4. यदि आप वर्कआउट नहीं करते हैं तो सप्ताह में 4 बार वर्कआउट जरूर करें. आप चाहें तो इसे प्रतिदिन 30 मिनट भी कर सकते हैं. बेहतर स्वास्थ्य के लिए वर्कआउट करना बहुत जरूरी है. इससे त्वचा भी यंग और हेल्दी बनी रहती है. ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से स्किन को लाभ होता है.

5. मुंहासे होते हैं तो अपने चेहरे को हमेशा नॉन केमिकल फेसवॉश से ही साफ करें. इसके लिए आप किसी स्किन एक्सपर्ट की सलाह भी ले सकते हैं कि कौन सा फेसवॉश केमिकल फ्री होता है.

6. यदि आप हद से ज्यादा सॉल्टी, फ्राइड फूड्स, शुगर, दूध से बने प्रोडक्ट्स का सेवन करते हैं तो इन्हें डाइट में कम से कम शामिल करें. ये एक्ने को बढ़ा सकते हैं.

7. आप दिन भर में कितना पानी पीते हैं, इस पर भी गौर करें क्योंकि स्किन को हेल्दी रखने के लिए वॉटर इनटेक भी बेहद जरूरी है. कम पानी पीने से त्वचा में नमी की कमी हो जाती है. शरीर से टॉक्सिक पदार्थ बाहर न निकलने से एक्ने अधिक हो सकते हैं. पानी शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है. पानी कम पीने से त्वचा पर छोटे-छोटे बम्प्स निकलने शुरू हो सकते हैं. ऐसे में ग्लोइंग स्किन पाना है तो हमेशा अपनी त्वचा को हाइड्रेटेड रखें. प्रतिदिन 3 से 4 लीटर पानी पिएं.

8. अपनी त्वचा पर ग्रीन टी की पत्तियां लगाएं. इसके लिए आप ग्री टी बनाएं, इसे छान लें. चाय पी जाएं और पत्तियों को रात में सोने से पहले पूरे चेहरे पर लगाएं. ये पत्तियां एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं. स्किन को ठंडक प्रदान

कम हो जाता है जीवन!

दुनिया में एक उम्र ही ऐसी चीज है, जिसे आप पैसे से नहीं खरीद सकते हैं या किसी इलाज के जरिए वापस नहीं पा सकते हैं. एक बार उम्र निकल गई तो वह निकल ही जाती है. इसलिए हर एक इंसान की चाहत होती है कि उसकी जिंदगी लंबी हो.

वह 100 साल जिंदा रहे, लेकिन कई बार इंसान की ही कुछ ऐसी आदतें होती हैं, जो उन्हें नुकसान पहुंचा देती हैं. यह आदतें इंसान को मौत के मुंह तक ले जाती हैं.

इंसान की खराब आदतें ही उसकी सबसे बड़ी दुश्मन हैं. अगर आदतों में समय रहते हुए बदलाव नहीं किया गया तो एक समय बाद नुकसान पहुंचाना शुरू कर देती हैं. आजकल मोबाइल और लैपटॉप चलाना आम है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनका ज्यादा इस्तेमाल करना आपकी उम्र पर असर डालता है.

इसलिए इस आदत को थोड़ा बदलने की जरूरत है. सिर्फ काम के लिए ही फोन और लैपटॉप का इस्तेमाल करना सीख लीजिए. वहीं अगर आप कम सोते हैं तो यह भी सेहत को नुकसान देने वाली आदत है. इससे आपको कई तरह की बीमारियां घेर सकती हैं. इसलिए इंसान को नींद पर्याप्त मात्रा में पूरी करनी चाहिए. एक इंसान कम से कम 6 से 8 घंटा सोना चाहिए.

अगर आप मसालेदार और फ्राइड चीजों के शौकीन हैं तो यह शौक आपके ऊपर भारी पड़ सकता है. इसकी वजह से आप कोलेस्ट्रॉल, दिल समेत कई बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं.

दूसरी ओर, अगर आप सिगरेट, बीड़ी या गांजा-शराब का नशा करते हैं तो यह आदत आपको खतरनाक अंजाम तक ले जा सकती हैं. नशे की लत को तुरंत छोड़ देने में ही आपकी भलाई है.

अगर आप एक जगह घंटों तक बैठे रहते हैं तो आदत में बदलाव कीजिए, ये आपको नुकसान दे सकती है. अगर आपका काम ऐसा है, तो थोड़ी-थोड़ी देर में उठकर अपने शरीर को हिलाते रहिए, जिससे वह एक्टिव बना रहे. लंबे समय तक एक जगह बैठने से शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ता है.

अगर आप खाने में ज्यादा नमक पसंद करते हैं तो यह आपकी सेहत के लिए खराब है. नमक का ज्यादा इस्तेमाल आपके ब्लड प्रेशर लेवल को बढ़ाता है. ब्लड प्रेशर के बढ़ने से आपको कई बीमारियां हो सकती हैं. कई तरह की बीमारियां आपको घेर सकती हैं.

40 की उम्र में स्किन पर रहेगा 25 जैसा ग्लो, फॉलो करें ये डाइट टिप्स

40 के पार जाते-जाते शरीर में कई तरह के बदलाव नजर आने लगते हैं. इस उम्र के पड़ाव को पार करने के बाद स्किन्स लूज होने लगती है, चेहरे पर भी झुर्रियां नजर आती हैं. कइयों को इन बदलावों को स्वीकार करने में काफी तकलीफ होती है. उनका कॉन्फिडेंस भी टूटने लगता है. हालांकि, आप 40 की आयु पार करने के बाद भी अपनी स्किन को 25 साल जैसी जवां रख सकते हैं. इसके लिए आपको अपने डाइट में कुछ हेल्दी बदलाव करने होंगे.

ऐसे फूड्स से तुरंत कर लें किनारा

शुगर और रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट फूड्स को खाने से परहेज करें. इन फूड्स के सेवन से डायबिटीज होने का खतरा बढ़ सकता है. डायबिटीज आपकी बॉडी को समय से पहले ही कमजोर करना शुरू कर देगा. ऐसे में आप कम उम्र में ही बूढ़े नजर आ सकते हैं. दरअसल, डायबिटीज के

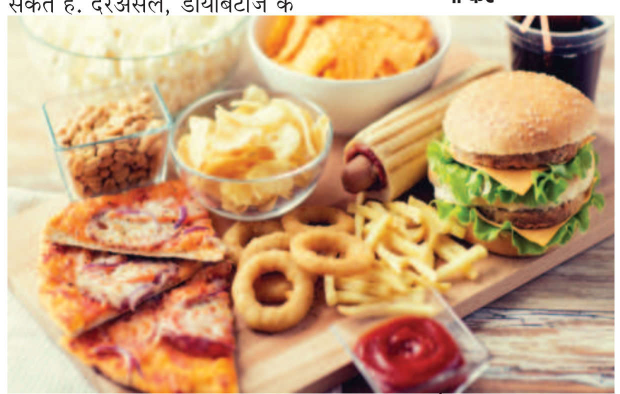

दौरान स्किन से फ्लूइड निकलने की प्रकिया तेज हो जाती है. इससे आपकी स्किन लूज होने लगती है.

शराब के सेवन से बचें

एल्कोहल यानी शराब का अधिक सेवन भी आपमें स्किन एजिंग की समस्या को बढ़ा सकता है. दरअसल जब आप शराब का सेवन करते हैं तो डिहाइड्रेट होने का खतरा बढ़ जाता है. ये स्थिति आपकी स्किन के लिए सही नहीं है. ऐसे में नियमित शराब का सेवन करने वालों में बुढ़ापा जल्दी आ सकता है.

अनहेल्दी फैट्स का बिल्कुल सेवन ना करें

अनहेल्दी फैट्स वाले फूड का सेवन करने से बचें. फास्ट फूड्स से भी परहेज करें. अनहेल्दी फैट्स आपकी स्किन के स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है. अपनी डाइट में हमेशा ऐसे फूड्स का सेवन करें, जिनमें हेल्दी फैट और फाइबर हो.

कैफीन भी स्किन के लिए नुकसानदायक

अधिक मात्रा में कैफीन का सेवन आपको डिहाइड्रेशन का शिकार बना सकता है. इसका असर त्वचा पर भी दिख सकता है. आप कम वक्त में बूढ़े नजर आ सकते हैं. ऐसे में कॉफी का सेवन कम कर दें.

तनाव ना लें

अगर आप तनाव लेने के आदी हैं तो इसका भी आपकी स्किन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है. ऐसे में खुद को खुश रखने की कोशिश करें. जितना खुश रहेंगे. उतना ही आपके चेहरे पर निखार नजर आएगा.

सब्जियां लाएंगी आपकी त्वचा पर निखार

सब्जियों का अधिक सेवन करें, अपनी त्वचा को अंदर से पोषण देने के लिए प्रतिदिन सब्जियों की 3-5 सर्विंग का लक्ष्य रखें. अधिकतर सब्जियों में पोटैशियम, फाइबर, फोलेट,विटामिन ए और सी आदि पाए जाते हैं. स्किन के लिए भी वेजिटेबल्स खाना फायदेमंद है.

क्यों खराब हो रही है आपकी मेंटल हेल्थ कहीं ये आदतें तो नहीं हैं वजह?

क्या आप भी हर किसी को खुश करने की कोशिश करते रहते हैं? अगर हां तो आज से ही अपनी इस आदत को बदल लें, क्योंकि हर किसी को खुश करना लगभग नामुमकिन है. दरअसल, पीपल प्लीजिंग आपकी मेंटल हेल्थ पर बुरा असर डाल सकती है. इस चक्कर में आप खुद को ही परेशान करते रहते हैं. इसकी वजह से तनाव, गुस्सा और मानसिक समस्याएं हो सकती हैं. जिसका असर आपकी सेहत पर ही पड़ता है. इसलिए इस हैबिट को सुधारने की जरूरत है.

पीपल प्लीजिंग से बचने के उपाय

1. ना कहना सीखें

दूसरों को बुरा न लग जाए, इस चक्कर में अगर आप किसी काम के लिए ना नहीं कह पा रहे हैं तो आपको सीखना होगा. इसकी मदद से आप पीपल प्लीजिंग से बाहर निकल सकते हैं. शुरुआत में इसमें थोड़ी मुश्किलें आ सकती हैं लेकिन आगे चलकर यही आपकी मजबूती बन जाएगी.

2. पहले अपनी प्रॉयरिटी समझें

हमेशा दूसरों से पहले खुद के बारे में सोचना चाहिए. यही आदत न होने की वजह से आप कब पीपल प्लीजर बन जाते हैं, पता ही नहीं चलता है. इसलिए सबसे पहले अपनी जरूरतों, ऑब्जेक्टिव्स और वेलबिंग को प्रॉयरिटी दें. इसका मतलब ये बिल्कुल भी नहीं कि आप स्वार्थी ही बन रहे हैं. इससे आप खुद को मेंटली और फिजिकली स्ट्रॉन्ग बना रहे हैं. ऐसा करके आप ज्यादा बेहतर तरीके से दूसरों की मदद कर सकते हैं.

3. हर चीज की सीमाएं तय करें

अगर आप दूसरों को खुश करने के चक्कर में अंदर ही अंदर गुस्सा हो रहे हैं तो न चाहते हुए भी आपकी हेल्थ पर इसका निगेटिव असर होगा. इसका एक ही सॉल्यूशन है, आप अपनी सीमाएं तय कर लें. अपनी क्षमता से ज्यादा काम करने से बचें, वरना तकलीफ बढ़ती ही जाएगी.

4. हर किसी को खुश करना पॉसिबल नहीं

इस बात को अच्छी तरह समझ लें कि आप हर किसी को खुश तो नहीं रख सकते हैं. आपकी और सामने वाले की जरूरतें अलग-अलग हो सकती हैं.

ऐसे में अगर अपने इमोशन को दरकिनार कर दूसरे को प्रॉयरिटी पर रखते हैं तो हो सकता है वह खुश हो जाए लेकिन आपक दुखी हो सकते हैं. इसका सेंस भी नहीं बनता है. इसलिए अपनी खुशी से समझौता न करें और खुद का ख्याल भी रखें.

4 करोड़ से लोग अंधेपन के शिकार आंखों को स्वस्थ रखने के मूल-मंत्र

आंखें ईश्वर का वरदान हैं जिनकी मदद से हम दुनियाभर के खूबसूरत नजारों का आनंद ले पाते हैं। हालांकि पिछले एक-दो दशकों में आंखों से संबंधित कई प्रकार की बीमारियों को तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। इतना ही नहीं कम उम्र के लोगों में भी आंखों से संबंधित कई तरह की दिक्कतें जैसे समय से पहले चश्मा लगने, कम दिखने और गंभीर स्थितियों में अंधेपन तक का खतरा बढ़ गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ये दुनियाभर के लिए गंभीर चिंता का विषय है, जिसपर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर लोगो में जागरूकता बढ़ाने और बीमारियों से बचाव को लेकर उन्हें शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल सात अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।

इस लेख में हम तेजी से बढ़ती आंखों की समस्याओं-अंधेपन के जोखिमों के बारे में जानेंगे।

बढ़ गया है अंधेपन का खतरा

आंकड़ों से पता चलता है कि 50 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी के बीच अंधेपन और दूर-निकट दृष्टि हानि की समस्या सबसे अधिक देखी जाती है, हालांकि ये दिक्कत कम उम्र के लोगों में भी बढ़ी है। डेटा के मुताबिक साल 2020 में दुनियाभर में लगभग 43.3 मिलियन लोग अंधेपन से पीड़ित थे और 295 मिलियन (29.5 करोड़) लोगों को मध्यम और गंभीर दृष्टि हानि की दिक्कत रिपोर्ट की गई है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आंखों की समस्याओं पर सभी लोगों को ध्यान देते रहना और इससे बचाव को लेकर सावधानी बरतना जरूरी हो जाता है।

क्या है विशेषज्ञ की राय?

वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ बताती हैं, दृष्टि हानि क्वालिटी ऑफ लाइफ को प्रभावित करने वाली समस्या है। समय पर गुणवत्तापूर्ण आंखों की देखभाल और टेस्टिंग के माध्यम से समस्याओं का निदान और इसके जोखिमों को रोका जा सकता है। मोतियाबिंद,ग्लूकोमा, ड्राई आइज जैसी समस्याओं पर अगर शुरुआत में ही ध्यान दे दिया जाए तो इसके गंभीर दुष्प्रभावों और खतरे को काफी हद तक कम करने में मदद कर सकती हैं।

लाइफस्टाइल और आहार का रखें ध्यान

डॉ कहती हैं, लाइफस्टाइल और आहार को ठीक रखकर न सिर्फ आप आंखों बल्कि संपूर्ण शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं। भोजन में कई रंग की सब्जियों-फलों को शामिल करना आंखों की सेहत के लिए बहुत आवश्यक है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी (एएओ) का कहना है कि गहरे रंग की हरी पत्तेदार सब्जियां ल्यूटिन और जेक्सैंथिन जैसे पोषक तत्व प्रदान करती हैं, जो पुरानी आंखों की बीमारियों को कम करते हैं। इसके अलावा नियमित व्यायाम करना और धूम्रपान से दूरी बनाना आंखों की बेहतर सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

आंखों की नियमित जांच कराएं

डॉ सुरभि कहती हैं, आंखों की समस्याओं का अगर समय रहते निदान और इलाज हो जाए तो इससे किसी गंभीर समस्या के इसके कारण होने वाले अंधेपन की दिक्कत को रोका जा सकता है।

लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी आंखों की बढ़ती दिक्कतों का प्रमुख कारण हो सकती है, इसे ठीक रखने के साथ कम उम्र से ही दो उपाय आपकी आंखों से संबंधित गंभीर समस्याओं और अंधेपन के खतरे को कम किया जा सकता है इसलिए जरूरी है कि आप सालाना किसी विशेषज्ञ से आंखों की जांच जरूर कराते रहें, भले ही आपको किसी तरह की दिक्कत न हो। ये सावधानी भविष्य में होने वाली किसी समस्या से बचाने में मददगार हो सकती है।

क्या मस्कारा लगाने से हो सकता है, आंख में इन्फेक्शन? इसको लगाने का सही तरीका

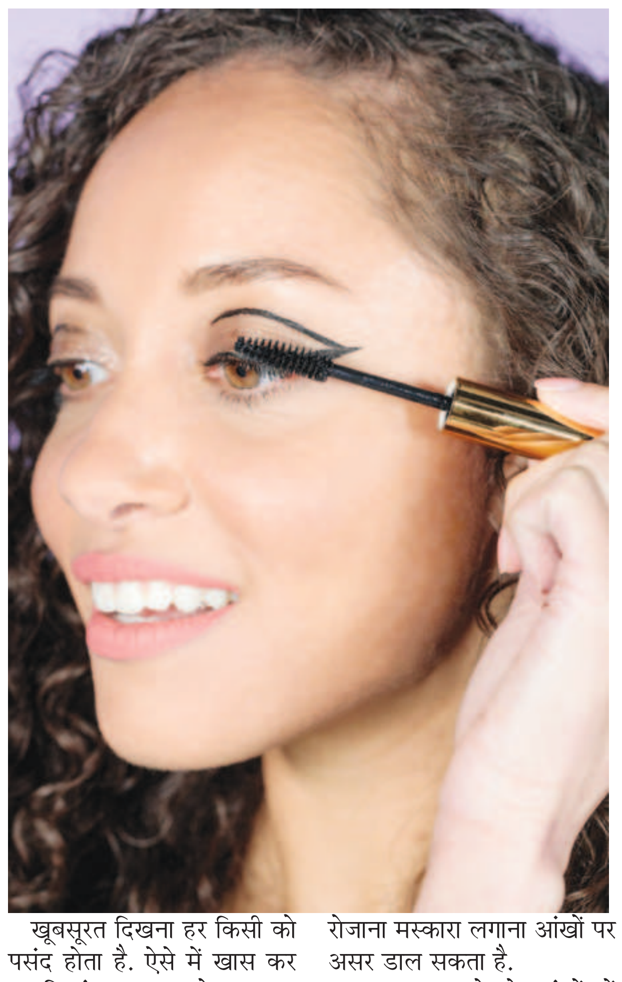

खूबसूरत दिखना हर किसी को पसंद होता है. ऐसे में खास कर लड़कियां नए-नए प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर अपने चेहरे को और सुंदर बनती है. ऐसे में मस्कारा का इस्तेमाल करना अब आम हो गया है. कुछ लड़कियों के लिए तो मस्कारा लगाना एक आदत बन जाती है.

लेकिन क्या आप जानते हैं रोजाना मस्कारा लगाने से आंखों से जुड़ी समस्या होने लगती है और इसे रोजाना लगाना आंखों के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है? अगर नहीं, तो यह खबर आपके लिए है. इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे की कैसे मस्कारा रोजाना लगाने से नुकसान हो सकता है.

आईए जानते हैं इसके नुकसान के बारे में. मस्कारा लगाने से लड़कियों की पलकें और खूबसूरत लगने लगती है. अधिकतर लड़कियां जो कॉलेज और ऑफिस जाति है, वे रोजाना मस्कारा लगा कर घर से निकलती है. लेकिन रोजाना मस्कारा लगाना आंखों पर असर डाल सकता है.

मस्कारा लगाने से आंखों में संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है. खासकर जब आप इसे गलत तरीके से इस्तेमाल करते हैं. कुछ लोगों को मस्कारा लगाने से आंखों में एलर्जी होने लगती है. इससे खुजली, सूजन और पानी आने जैसी समस्या हो सकती है.

मस्कारा आंखों में लगाने से बैक्टीरिया आपकी आंखों में जाते हैं और इससे आंखें सुखी और लाल होने लगती है. यदि मुस्कुरा बहुत ज्यादा लग जाए, तो इससे चिपचिपा या भारी-भारी लगता है. मस्कारा को 3 महीने से अधिक इस्तेमाल न करें.

इसके अलावा अपने मस्कारा को किसी और से ना बदले. मस्कारा लगाने के बाद उसे सूखने दें अपनी आंखों को न छुए. इसके बावजूद भी मस्कारा लगाने के बाद आपको आंखों में दिक्कत होती है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की वृद्धि दर के अनुमान में कटौती

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। विश्व बैंक ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के विकास अनुमान को 4 प्रतिशत घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया। वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता के बीच यह फैसला लिया गया है। विश्व बैंक ने अपने पिछले अनुमान में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। विश्व बैंक ने साल में दो बार जारी की जाने वाली अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत में वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि निराशाजनक रही। इस दौरान निजी निवेश में धीमी वृद्धि हुई और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय सरकारी लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सके।

टैक्सिंग टाइम्स के दक्षिण एशिया वृद्धि दर अपडेट में कहा गया है, भारत में, विकास दर वित्त वर्ष 2024-25 के 6.5 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में 6.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। ऐसा मौद्रिक सहजता और विनियामक सरलीकरण से निजी निवेश को होने वाले लाभ के वैश्विक आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता से प्रभावित की आशंका के कारण किया गया है। इससे पहले, मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद के अनुमान को जनवरी के 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.2

प्रतिशत कर दिया था। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि कर कटौती से निजी उपभोग को लाभ मिलने की उम्मीद है। सार्वजनिक निवेश योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से सरकारी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन व्यापार नीति में बदलाव और वैश्विक विकास में मंदी के कारण निर्यात मांग पर अंकुश लगेगा।

दक्षिण एशिया की विकास से जुड़ी संभावनाएं कमजोर हुई

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ती अनिश्चितता के बीच दक्षिण एशिया की विकास से जुड़ी संभावनाएं कमजोर हुई हैं और इस कारण क्षेत्र के अधिकांश देशों में वृद्धि दर के अनुमान घटा दिए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार घरेलू राजस्व जुटाने में तेजी लाने से दक्षिण एशियाई देशों को कमजोर राजकोषीय स्थिति को मजबूत करने और भविष्य के झटकों के प्रति लचीलापन बढ़ाने में मदद मिल सकती है। वाशिंगटन मुख्यालय वाली बहुपक्षीय एजेंसी ने अनुमान लगाया है कि 2025 में क्षेत्रीय विकास धीमा होकर 5.8 प्रतिशत हो जाएगा। यह अक्तूबर के अनुमानों से 0.4 प्रतिशत कम है। 2026 के लिए 6.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान जताया गया है।

बांग्लादेश और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर भी रिपोर्ट में की गई टिप्पणी

रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश में राजनीतिक अनिश्चितता और लगातार वित्तीय चुनौतियों के बीच वित्त वर्ष 2024-25 में विकास दर धीमी होकर 3.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025-26 में विकास दर में सुधार का अनुमान घटाकर 4.9 प्रतिशत कर दिया गया है। पाकिस्तान के लिए विश्व बैंक ने कहा कि उसकी अर्थव्यवस्था प्राकृतिक आपदाओं, बाहरी दबावों और मुद्रास्फीति के संयोजन से उबर रही है। इसके वित्त वर्ष 2024-25 में 2.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025-26 में 3.1 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। श्रीलंका के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ने ऋण पुनर्गठन में और प्रगति की है। निवेश और बाहरी मांग में अनुमानित उछाल से 2025 में विकास दर 3.5 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है।

एयर इंडिया के सीईओ ने एआईएक्स बोर्ड का अध्यक्ष पद छोड़ा

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने एयरलाइन की कम लागत वाली एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया है। विल्सन की जगह मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल लेंगे, जो पहले से ही एयर इंडिया एक्सप्रेस के बोर्ड में हैं। अग्रवाल चेयरमैन की भूमिका संभालेंगे और एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी के पद पर भी बने रहेंगे। यह खबर टाटा समूह की कम लागत वाली एयरलाइनों, एयर इंडिया एक्सप्रेस और एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयर एशिया इंडिया) के अक्तूबर 2024 में विलय के छह महीने बाद आई है। विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे ज्ञापन में कहा, आप अच्छी तरह से जानते होंगे, पिछले 18 महीनों में हमने एयर इंडिया समूह के परिवर्तन और पुनर्निर्माण के लिए कई संरचनात्मक बदलाव पूरे किए हैं। इनमें हमारी चार एयरलाइनों का विलय कर दो बनाना, गुरुग्राम में हमारी गैर-उड़ान टीमों को एक करना और एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस दोनों की नेतृत्व टीमों को तरोताजा करना शामिल है। उन्होंने कहा, इस संरचनात्मक कार्य के काफी हद तक पूरा हो जाने के बाद, अब समूह के बेड़े, नेटवर्क, बिक्री, वितरण और लॉयल्टी परिसंपत्तियों का पूरा लाभ उठाने की बारी है।

10 लाख रुपये से अधिक की लक्जरी चीजों पर अब चुकाना होगा 1 प्रतिशत टीसीएस

> सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। हैंडबैग, कलाई घड़ी, जूते और खेलकूद के कपड़े जैसे 10 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले लक्जरी सामानों पर अब एक प्रतिशत स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस) लगेगा। आयकर विभाग ने 22 अप्रैल, 2025 से विलासितापूर्ण वस्तुओं की बिक्री पर 1 प्रतिशत की दर से टीसीएस लगाने से जुड़ी अधिसूचना जारी की है। यह उन चीजों पर लागू होगा जहां बिक्री का मूल्य 10 लाख रुपये से अधिक होगा। विलासिता से जुड़ी वस्तुओं पर वित्त अधिनियम, 2024 के तहत टीसीएस लगाने का एलान जुलाई 2024 के बजट में किया गया था।

टीसीएस का भुगतान करने की जिम्मेदारी विक्रेता पर होती है, जिसे वह ग्राहकों से ही वसूलते हैं। यह टैक्स अधिसूचित वस्तुओं जैसे कलाई घड़ी, कला वस्तुएं जैसे पेंटिंग, मूर्तियां और प्राचीन चीजें, संग्रहणीय चीजें जैसे सिक्के और टिकट, नौका, हेलीकॉप्टर, लक्जरी हैंडबैग, धूप के चश्मे, जूते, उच्च श्रेणी के खेल परिधान व उपकरण, होम थिएटर सिस्टम और रेसिंग या पोलो के घोड़े आदि पर लागू होगा। नांगिया एंडरसन एलएलपी के टैक्स पार्टनर संदीप झुनझुनवाला के अनुसार यह अधिसूचना उच्च मूल्य वाली चीजों की निगरानी बढ़ाने और लक्जरी सामानों से जुड़े खंड में ऑडिट ट्रेल को मजबूत करने की सरकार की मंशा के तहत जारी की गई है। यह कर आधार का विस्तार करने और अधिक वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ावा देने के व्यापक नीतिगत उद्देश्य का परिचायक है। उन्होंने बताया कि विक्रेताओं को अब टीसीएस प्रावधानों का समय पर अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। वहीं, अधिसूचित लक्जरी वस्तुओं के खरीदारों को ऐसी चीजें खरीदते समय और अधिक केवाईसी आवश्यकताओं और दस्तावेजीकरण का सामना करना पड़ेगा। झुनझुनवाला ने कहा, हालांकि इस फैसले से लक्जरी सामानों से जुड़े क्षेत्र को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन इस फैसले से बेहतर नियामकीय निगरानी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

स्मार्ट सिटीज मिशन : 1.50 लाख करोड़ की 90 फीसदी से ज्यादा परियोजनाएं पूरी

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 25 जून, 2015 को शुरू किया गया स्मार्ट सिटीज मिशन अपने 10 साल पूरे करने के करीब है।

इस मिशन के तहत 100 शहरों में करीब 1.64 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली 8,000 से अधिक मल्टी-सेक्टोरल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एसबीआई ने स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर जारी एक रिपोर्ट में कहा, कुल परियोजनाओं में से 7,504 यानी 90 फीसदी से अधिक पहले ही पूरी हो चुकी हैं, जिनकी लागत 1.50 लाख करोड़ रुपये है। यह बताता है कि देशभर में शहरी विकास में तेजी से प्रगति हो रही है।

अडानी ने टेलीकाम सेक्टर से पल्ला झाड़ा

> सुनील मित्तल को बेचने की तैयारी

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। अमूमन ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि गौतम अडानी किसी प्रोजेक्ट में हाथ डालें और फिर पीछे हट जाएं। लेकिन पहली बार ऐसा होने जा रहा है। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस ने टेलीकॉम सेक्टर से हाथ पीछे खींचने का फैसला किया है। अडानी ग्रुप ने साल 2022 में जो स्पेक्ट्रम खरीदा था, उसे भारती एयरटेल को बेचने का फैसला किया है। अडानी डेटा नेटवर्क्स ने 26GHz बैंड में 400 MHz स्पेक्ट्रम लगभग 212 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब यह स्पेक्ट्रम एयरटेल को मिल जाएगा। अडानी ग्रुप ने पहले कहा था कि वह इस स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल अपने निजी इस्तेमाल के लिए करेगा। लेकिन टेलीकॉम विभाग के नियमों के अनुसार स्पेक्ट्रम खरीदने वाली कंपनियों को कुछ शर्तों को पूरा करना होता है। ऐसा न करने पर जुर्माना लग सकता है। सुनील भारती मित्तल की अगुवाई वाली कंपनी एयरटेल ने कहा कि भारती एयरटेल और उसकी सहायक कंपनी भारती हेक्साकॉम ने अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी डेटा नेटवर्क्स के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के तहत एयरटेल को गुजरात (100MHz), मुंबई (100MHz), आंध्र प्रदेश (50MHz), राजस्थान (50MHz), कर्नाटक (50MHz) और तमिलनाडु (50MHz) में 26GHz बैंड का 400MHz स्पेक्ट्रम इस्तेमाल करने का अधिकार मिलेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि यह सौदा कुछ शर्तों और सरकारी मंजूरियों के बाद पूरा होगा।

क्यों खींचे हाथ?

साल 2022 में अडानी ग्रुप के टेलीकॉम सेक्टर में आने के बाद कई तरह की बातें हो रही थीं। माना जा रहा है कि अडानी ग्रुप वोडाफोन आइडिया जैसी मुश्किलों में फंसी कंपनियों को खरीद सकता है। अडानी ग्रुप ने एयरपोर्ट, सीमेंट, डेटा सेंटर, बिजली और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में आक्रामक तरीके से काम किया है। इसलिए माना जा रहा था कि वह टेलीकॉम और डिजिटल सेक्टर में भी रिलायंस जियो जैसा धमाल कर सकता है।

सस्ता हो गया सोना-एक ही दिन में आई बड़ी गिरावट 100000 रुपये से कम हो गई कीमत

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बुधवार को सोने की कीमत में बड़ी गिरावट आई। मार्केट खुलने के कुछ ही देर बाद इसका भाव प्रति 10 ग्राम एक लाख रुपये से नीचे आ गया। एमसीएक्स पर सोने के जून वायदा में बुधवार को मुनाफावसूली देखी गई, जिसकी वजह से इसकी कीमत में गिरावट आई। मंगलवार को एमसीएक्स पर सोना 97,340 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसमें 3 फीसदी जीएसटी जोड़ने के बाद 10 ग्राम सोने की कीमत एक लाख रुपये को पार कर जाती है। बुधवार को यह 1911 रुपये की गिरावट के साथ 95,429 रुपये पर खुला। यानी मार्केट खुलते ही सोने की कीमत में 1911 रुपये की गिरावट आई। बाजार खुलने के बाद सोने की कीमत उतार-चढ़ाव जारी रहा। कारोबार के दौरान इसमें 2000 रुपये तक की गिरावट आ गई। सुबह 11:45 बजे सोने का भाव 1994 रुपये की गिरावट के साथ 95,346 रुपये पर आ गया। यानी अभी तक इसमें करीब दो फीसदी की गिरावट आ चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। कारोबार की शुरुआत में सोना 3,500 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस से ऊपर चला गया था, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति और फेड चेयरमैन के बयानों के बाद ऊंचे स्तरों पर बिकवाली हुई। अमेरिका के राष्ट्रपति ने चीन के साथ स्थिर संबंधों का भरोसा दिलाया। उन्होंने फेड चेयरमैन पॉवेल को बनाए रखने की बात कही।

बिटकॉइन की कीमत 93,000 के पार

10 लाख तक जा सकती है कीमत, किसने किया यह दावा

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर में नरमी आने की खबरों के बीच सोने की कीमत में गिरावट आई है। इससे दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी बिटकॉइन की कीमत में जबरदस्त उछाल देखी जा रही है। कारोबार के दौरान यह 6% से ज्यादा बढ़कर 93,000 के पार चली गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पॉजिटिव बयानों और दुनिया भर में तनाव कम होने से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। इसका असर शेयर बाजार के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी पर भी दिखा। बिटकॉइन के अलावा दूसरी क्रिप्टोकरेंसीज की कीमत भी बढ़ी है। ट्रंप ने कहा कि उनकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल को हटाने की कोई योजना नहीं है। साथ ही उन्होंने चीन से आने वाले सामान पर टैक्स कम करने का भी संकेत दिया। इससे शेयर बाजार और क्रिप्टोकरेंसी दोनों में तेजी आई। ट्रंप के बयानों के बाद डॉलर भी मजबूत हुआ क्योंकि फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता को लेकर चिंता कम हो गई थी। भारतीय समय के अनुसार सुबह 10:27 बजे बिटकॉइन 6.03 फीसदी तेजी के साथ $93,447 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह एथेरियम 13.6% बढ़कर $1,800 पर पहुंच गया। इसे साथ ही पूरे क्रिप्टो मार्केट का मूल्य 6% बढ़कर $2.92 ट्रिलियन हो गया। इस बीच रिच डैड पुअर डैड के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने भविष्यवाणी की है कि 2035 तक बिटकॉइन की कीमत $1 मिलियन तक पहुंच सकती है।

उपभोग-निवेश अर्थव्यवस्था के मजबूत इंजन

कमजोर विदेशी मांग से प्रभावित हो सकती है वृद्धि

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच उपभोग और निवेश जैसे वृद्धि के घरेलू इंजन मजबूत बने हुए हैं। ये बाहरी प्रतिकूल परिस्थितियों से अपेक्षाकृत कम प्रभावित हैं। हालांकि, वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के कमजोर होने के साथ विदेश से मांग में नरमी के कारण भारत की आर्थिक वृद्धि दर प्रभावित हो सकती है। आरबीआई ने मंगलवार को जारी अप्रैल के बुलेटिन में कहा, सूझबूझ के साथ नीतिगत समर्थन भारत को वैश्विक अस्थिरता को अवसर में बदलने और उभरते परिदृश्य में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद कर सकता है। हालांकि, व्यापार तनाव और वित्तीय बाजार में अस्थिरता ने निकट भविष्य में वैश्विक वृद्धि के कमजोर होने के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं।

बुलेटिन में आगे कहा गया है कि इस साल मानसून के सामान्य से बेहतर रहने का अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाओं को बढ़ावा मिला है। इससे कृषि आय में वृद्धि हो सकती है और खाद्य कीमतों को काबू में रखने में मदद मिल सकती है। बुलेटिन के मुताबिक, भारत के विभिन्न देशों के साथ व्यापार संबंधों को देखते हुए यह आपूर्ति श्रृंखला को व्यवस्थित कर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के स्रोतों को विविध बनाकर और वैश्विक निवेशकों के साथ जुड़ाव से लाभान्वित होने को तैयार है।

लगातार 7वें दिन तेजी सेंसेक्स 521 अंक ऊपर 80,116 पर बंद

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। घंटे पहले हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार, 23 अप्रैल को शेयर बाजार में लगातार 7वें दिन तेजी रही। सेंसेक्स 521 अंक चढ़कर 80,116 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 162 अंक की तेजी रही, ये 24,329 पर पहुंच गया है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 में तेजी रही। चौथी तिमाही में उम्मीद के मुताबिक नतीजों के बाद एचसीएल टेक के शेयर में 7.72% की तेजी रही। टेक महिंद्रा, इंफोसिस और टाटा मोटर्स के शेयर में 5% तक की तेजी रही।

‘श्रीनगर के लिए किराया न बढ़ाएं, टिकट कैंसिलेशन चार्ज भी माफ’

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सरकार सुरक्षा और पीड़ित पर्यटकों की मदद के लिए अलर्ट मोड पर है। इस बीच नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइंस को श्रीनगर हवाई मार्ग पर किराया न बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। वहीं इंडिगो और एयर इंडिया ने श्रीनगर से मुंबई और दिल्ली के लिए चार अतिरिक्त उड़ाने संचालित करने का एलान किया है। इसके साथ ही एयरलाइंस ने टिकट रिशेड्यूलिंग और टिकट कैंसिलेशन चार्ज भी माफ कर दिया है।

सरकार का एयरलाइंस को निर्देश

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद दिल्ली में नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने सभी एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ आपात बैठक की। इस दौरान उन्होंने सभी एयरलाइंस को श्रीनगर मार्ग पर हवाई किराये में इजाफा न करने के सख्त निर्देश दिए। एयरलाइंस को नियमित किराया बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। ताकि इस मुश्किल समय में किसी भी यात्री पर बोझ न पड़े। इसके अलावा तत्काल राहत उपायों के तहत श्रीनगर से चार विशेष उड़ानें दो दिल्ली और दो मुंबई के लिए चलाने का एलान किया गया है। साथ ही कई अतिरिक्त उड़ानों को स्टैंडबाय पर रखा गया है। नागरिक उड्डयन मंत्री ने सभी एयरलाइनों को राज्य सरकारों और स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाते हुए मृतकों को उनके संबंधित गृह राज्यों में ले जाने के लिए पूर्ण सहयोग देने का भी निर्देश दिया है। मंत्रालय हाई अलर्ट पर है और प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। एयर इंडिया ने अपनी अतिरिक्त उड़ानों का समय जारी कर दिया है। 11:30 बजे श्रीनगर से दिल्ली और 12:00 बजे श्रीनगर से मुंबई के लिए एयर इंडिया की उड़ान रवाना होगी। एयरलाइन ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि श्रीनगर से आने-जाने वाली हमारी सभी अन्य उड़ानें निर्धारित समय के अनुसार संचालित होंगी। इसके अलावा एयरलाइन इन सेक्टरों पर 30 अप्रैल तक कन्फर्म बुकिंग वाले यात्रियों को टिकट रिशेड्यूलिंग और कैंसिलेशन पर पूरा रिफंड देगी। इंडिगो ने कहा कि श्रीनगर की स्थिति को देखते हुए 30 अप्रैल तक यात्रा के लिए टिकट रिशेड्यूलिंग और कैंसिलेशन की छूट बढ़ा दी है। इसके अलावा 23 अप्रैल को श्रीनगर से दिल्ली-मुंबई और श्रीनगर के लिए दो उड़ानें संचालित होंगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-59 सूर्यास्त - 18-30
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष	मे	मेष---	05-24 बजे
चंद्र-	कुंभ	मे	वृष---	07-08 बजे
मंगल	कर्क	मे	मिथुन..	09-09 बजे
बुध-	मीन	मे	कर्क---	11-21 बजे
गुरु-	वृष	मे	सिंह---	13-33 बजे
शुक्र-	मीन	मे	कन्या--	15-40 बजे
शनि-	मीन	मे	तुला----	17-45 बजे
राहु-	मीन	मे	वृश्चिक--	19-56 बजे
केतु-	कन्या	मे	धनु......	22-10 बजे
			मकर...	00-15 बजे
			कुंभ....	02-05 बजे
			मीन....	03-44 बजे

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 14:32 तक उपरान्त द्वादशी
मास - वैशाख कृष्ण, गुरुवार 24 April
नक्षत्र - शतभिषा 10:49 तक उपरान्त पूर्वाभाद्रपद
योग - ब्रह्म 15-55 तक उप इन्द्र
करण- बालव 14-32 तक उप कौलव
विशेष:- वरुथिनी एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार - श्री वल्लभाचार्य ज.

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:49 से 15:24 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05:59 - 07:30	शुभ	अमृत	18:30 - 19:58	शुभ
रोग.	07:30 - 09:05	अशुभ	चंचल	19:58 - 21:24	शुभ
उत्पात	09:05 - 10:40	अशुभ	रोग	21:24 - 22:49	अशुभ
चंचल	10:40 - 12:14	शुभ	काल	22:49 - 00:14	अशुभ
लाभ	12:14 - 13:49	शुभ	लाभ	00:14 - 01:39	शुभ
अमृत	13:49 - 15:24	शुभ	उत्पात	01:39 - 03:04	अशुभ
काल	15:24 - 16:59	अशुभ	शुभ	03:04 - 04:30	शुभ
शुभ.	16:59 - 18:30	शुभ	अमृत	04:30 - 05:59	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आपके भावनात्मक व्यवहार की वजह से आपका कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। आप इसके आदि हो चुके है और इस से छुटकारा पाने में आपको समय लगेगा। अपनी इस संवेदनशीलता का आसपास के अन्य लोगों के प्रति समानुभूतिक रहकर इसका लाभ आप उठा सकते है। खाली समय में अचल संपत्ति में निवेश के लायक जगह आप तलाश सकते है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है, फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है। ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा। आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
अपना बेहतर प्रयास डाले। आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए। आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
व्यावहारिक स्थिति आज आपको काफी तीव्रता से काम करने के लिए मजबूर कर रही हैं, पर आपका मन अपने परिवार के साथ समय बिताने में अधिक रुचिकर दिखेगा। इसलिए, आपको दक्षता से अपनी दोनों प्रतिबद्धताओं को निभाना होगा। आप अपने काम को नजरअंदाज न करें, हालाँकि आपका मन इधर उधर भागेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आज कई कार्य क्षेत्र के सुनहरे अवसर आपका दरवाजा खटखटायेंगे। आज आपको पदोनत्ति का सन्देश मिल सकता है या नौकरी क्षेत्र में बदलाव के भी आसार है जिसके लिए आप काफी समय से प्रयासरत थे। आपको ऐसी जगह से सहायता मिल सकती है जिस जगह से आपने कल्पना भी नहीं की थी जो की आपको प्रसन्नता से अभिभूत कर सकती है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे, लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है, हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर, एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं और अगर सब कुछ ठीक रहता है तो आपको एक उन्नत पद पर पदोन्नत किया जा सकता है।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है। लेकिन विश्वास रखे। आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे।

वृश्चिक तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा। आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी। आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा ताकि ये आपके कैरियर के अवसरों में आने वाले समय में वृद्धि कर सके।

धनु ये, यो, भा, भी, भू धा, फा, ढा, भे
आज के दिन आपका दृढ़ संकल्प और आपकी कठोर मेहनत रंग लाएगी। ये मेहनत आपके उच्च अधिकारियों को दिखेगी जो की आपके आगे बढ़ने के लिए एक माध्यम बनेगी। इस चीज़ में आपका भाग्य का कम जबकि आपकी मेहनत और लग्न का ज्यादा हाथ होगा।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप अच्छे स्वभाव के व्यक्ति हैं और सामाजिक कार्यों में भी भाग लेते रहे है। आज आपके इन गुणों की बहुत सराहना की जाएगी और उनके लिए पुरस्कार भी दिया जाएगा। आपको अपने आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए अदभुत सलाह भी मिल सकती है और आप वो सब पा सकते है जो अपने बलबूते पर पाना इतना आसान नहीं था।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज के दिन विधार्थियो, युवा बेरोजगारो और स्वनियोजित व्यवसायियों के लिए काफी करियर अवसर आयेंगे। आप एक ऐसी परियोजना के भागीदार बन सकते है जिससे आपके करियर की दिशा परिवर्तित हो सकती है और काफी समय से आपको इसकी तलाश भी थी। आपको इस अवसर का उपयोग काफी समझ के साथ करना है।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा। आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे। आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं। लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आतंकियों ने रायपुर के कारोबारी को बच्चों के सामने मारी-गोली

रायपुर-भिलाई के 70 लोग फंसे, श्रीनगर में सुरक्षित ठहराया गया, पहलगाम में बाजार-पर्यटन स्थल बंद

रायपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकियों ने रायपुर के स्टील कारोबारी दिनेश मिरानिया की गोली मारकर हत्या कर दी। आतंकियों ने पत्नी, बेटे और बेटी के आंखों के सामने गोली मारी। मृतक का पार्थिव शरीर दिल्ली से फ्लाइट से रायपुर लाया जाएगा, जो रात 8 बजे पहुंचेगी।

मिली जानकारी के मुताबिक दिनेश मिरानिया (45) को जिस दिन गोली मारी गई, उसी दिन उनकी शादी की सालगिरह थी। वह परिवार के साथ खुशियां मनाने बैसरन घाटी गए थे। वहां पत्नी नेहा, बेटा शौर्य और बेटी लक्षिता के साथ सेलीब्रेट कर रहे थे, तभी आतंकियों ने गोलियों से भून डाला।

पहलगाम में दिनेश मिरानिया की पत्नी और बच्चों से गृहमंत्री अमित शाह मिले। शाह ने कहा कि हमले में अपनों को खोने का दर्द हर भारतीय को है। बेगुनाह मासूम लोगों को मारने वाले आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा।

कश्मीर में मौजूद छत्तीसगढ़ के पत्रकार रामअवतार तिवारी ने बताया कि पहलगाम घूमने के लिए जा रहे थे, लेकिन हमें सुरक्षाबलों ने रास्ते में ही रोक दिया। फायरिंग के बाद सुरक्षाबल सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। इस वजह से पर्यटकों को वहां जाने की अनुमति नहीं है।

उन्होंने बताया कि पहलगाम को खाली कराया गया है। सभी बाजार और पर्यटक क्षेत्र बंद कर दिए गए हैं। हम इस वक्त कश्मीर के श्रीनगर के एक होटल में हैं। स्थिति सामान्य होने पर वापस छत्तीसगढ़ आएंगे। सीएम साय ने फोन से हाल-चाल लिया। फिलहाल हम सभी सुरक्षित हैं।

वहीं जम्मू-कश्मीर सरकार ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपए की सहायता राशि की घोषणा की है। साथ ही गंभीर रूप से घायलों को 2 लाख और मामूली घायलों को 1 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया है। वहीं रायपुर-भिलाई के करीब 70 लोग श्रीनगर में फंसे हैं। एक होटल में रोका गया है।

आतंकी हमले में चिरमिरी के 4 परिवारों के 11 लोग भी फंस गए थे। इनमें 3 बच्चे भी शामिल थे। सभी गर्मी की छुट्टियां मनाने 18 अप्रैल को चिरमिरी से जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना हुए थे। 21 अप्रैल को सभी पहलगाम पहुंच थे।

पर्यटकों में शिवांश जैन, हैप्पी वधावन, अरविंद अग्रवाल और कुलदीप स्थापक अपने परिवारों के साथ पहलगाम पहुंचे थे। हमले के समय सभी लोग पहलगाम में ही थे। शिवांश जैन ने बताया कि भू-स्खलन के कारण सड़क पर जाम लगा था। सड़क के दोनों ओर पर्यटकों की भीड़ थी, तभी अचानक फायरिंग शुरू हो गई।

आतंकी हमले के विरोध में जलाए गए पाकिस्तानी झंडे

सीएम साय बोले-हमेशा मुंहतोड़ जवाब दिया गया, सिंहदेव ने कहा-देश जवाब मांगता है, खोखले भाषण नहीं

रायपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार दोपहर आतंकी हमले में 27 लोगों की मौत हो गई। इनमें रायपुर के कारोबारी दिनेश मिरानिया भी शामिल हैं। आतंकी हमले को लेकर छत्तीसगढ़ में आक्रोश का माहौल है। अलग-अलग जिलों में विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। वहीं बिलासपुर में हमले के विरोध में पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। साथ ही पाकिस्तानी झंडे जलाए गए हैं। इनमें रायपुर के कारोबारी दिनेश मिरानिया भी शामिल हैं। आतंकी हमले पर सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे देश ने आतंकियों को हमेशा मुंहतोड़ जवाब दिया है।

इस पर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, आपके बड़े-बड़े घोषणाओं के बावजूद आतंकवाद क्यों नहीं रुका। एजेंसियां हमलों को रोकने में क्यों विफल हो रही हैं। देश जवाब मांगता है, खोखले भाषण

नहीं। वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि कायराना हमले का हमारे जवान करारा जवाब देंगे।

वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने X पर लिखा कि कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला दुखद है, कायराना है। इस कायराना हमले के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। हमारे जवान करारा जवाब देंगे।

पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने लिखा कि अभी एक हफ्ते पहले ही गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को प्रभावी रूप से कम कर दिया गया है, लेकिन हाल ही में पहलगाम हमले के दिल दहला देने वाले दृश्यों ने उस कथन को तोड़ दिया है।

सिंहदेव ने कहा कि सरकार की बड़ी विफलताओं को उजागर कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी, आपके बड़े-बड़े घोषणा के बावजूद आतंकवाद क्यों नहीं रुका? जम्मू-कश्मीर में नागरिकों, तीर्थयात्रियों और हमारे सैनिकों की सुरक्षा के लिए आपकी सरकार ने क्या ठोस कदम उठाए हैं?

सिंहदेव ने कहा कि हमारी खुफिया और सुरक्षा प्रणालियां ऐसे भयानक हमलों को रोकने में क्यों विफल हो रही हैं? जवाबदेही तय होने से पहले और कितनी जानें जानी चाहिए?

जब तक लोग खून बहाते रहेंगे, आप कब तक बयानबाजी के पीछे छिपे रहेंगे?। देश जवाब मांगता है- और खोखले भाषण नहीं। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला अमानवीय और दिल दहला देने वाला है, जिस बर्बरता से निर्दोष लोगों की हत्या की गई, उससे हर संवेदनशील मन रुंध गया है। हम शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं।

शर्मा बुक सेंटर में एसडीओ का छापा

असली कीमत छिपाकर दोगुने दाम में बेच रहा था किताब, गोदाम से मशीन मिली, परिसर सील

कोडरमा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कोडरमा में एसडीओ रिया सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने झुमरीतिलैया शहर के सबसे बड़े किताब विक्रेता शर्मा बुक सेंटर की दुकानों और गोदाम में छापेमारी की। इस छापेमारी ने सबको चौंका कर रख दिया। डीसी मेघा भारद्वाज के निर्देश और अभिभावक संघ की ओर से मिली शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान यह पता चला कि शर्मा बुक सेंटर किताबों की प्रिंट रेट पर अपना छापा हुआ कीमतों का स्टिकर लगा कर किताबें बेचता था। पड़ताल के बाद दुकान और गोदाम को नगर परिषद के द्वारा सील कर दिया गया है। एसडीओ रिया सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने शर्मा बुक सेंटर की दुकानों और गोदाम में छापेमारी की। जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। गोदाम से बड़ी संख्या में ऐसी किताबें मिलीं, जिन पर ओवर प्रिंटिंग की गई थी। किताबों के वास्तविक मूल्य को छिपाकर अधिक कीमत अंकित की गई थी। कई किताबों पर असली कीमत से दोगुने मूल्य के स्टिकर चिपकाए गए थे। एसडीओ ने इन किताबों को सबूत के तौर पर जब्त कर लिया है। छापेमारी के दौरान किताब विक्रेता ने गोदाम में ताला लगाकर घर में छिप गया और अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया। अधिकारियों के बार-बार कहने पर भी वह बाहर नहीं आया। जिसके बाद प्रशासन ने गोदाम की निगरानी के लिए तिलैया पुलिस के जवानों को तैनात कर दिया।

जांच में गोदाम में एक बड़ी प्रिंटिंग मशीन भी मिली है। जिसका इस्तेमाल कीमतें बदलने के लिए किया जा रहा था। एसडीओ रिया सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में किताब विक्रेता द्वारा कीमतों में गड़बड़ी की पुष्टि हुई है। आरोपी किताब विक्रेता फरार है। मामले की जांच जारी है। इधर प्रशासन को इस बात की भी संदेह है कि उक्त किताब विक्रेता टैक्स में भी भारी गड़बड़ी करता है। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में घर में ही कैश रखे हुए है।

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी, लू से मजदूर की मौत

रायपुर में 45सी तापमान, 3 दिन तक हीट वेव का यलो अलर्ट, स्कूलों में 15 जून तक छुट्टी

रायपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी पड़ रही है। मंगलवार को बीजापुर-तेलंगाना बॉर्डर पर लू से एक मजदूर की मौत हो गई। वह मिर्ची तोड़ने के लिए तेलंगाना गया था। मौसम विभाग ने 3 दिनों तक सरगुजा संभाग, रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के 11 जिलों में लू चलने का यलो अलर्ट जारी किया है।

मंगलवार को प्रदेश में सबसे गर्म रायपुर रहा। यहां दिन का पारा 44.4 डिग्री दर्ज किया गया। दिन में हालात लू जैसे रहे। इस वजह से दोपहर में राजधानी के गली मोहल्ले तो दूर बाजार की सड़कें भी सूनी हो गईं थी। जीई रोड जहां 24 घंटे में सवा लाख से ज्यादा गाड़ियां गुजरती हैं, लेकिन वहां इक्का-दुक्का गाड़ियां ही चल रही थी।

वहीं सरकार ने बढ़ती गर्मी के कारण 25 अप्रैल से 15 जून 2025 तक स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया है। भीषण गर्मी और लू के कारण छात्रों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव और खतरे को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है। यह आदेश सभी सरकारी और निजी स्कूलों पर लागू होगा।

इसके साथ ही बढ़ते गर्मी के बीच गौरेला-पेंड्रा-मरवाही कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी ने पशुओं को राहत देने एक आदेश जारी किया है। आदेश में 21 अप्रैल से 30 जून 2025 तक दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक भार ढोने और सवारी के काम में लगे पशुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार इस समय रायपुर जिला सबसे गर्म है। आज भी रायपुर में तेज गर्मी रहेगी। दिन का तापमान 45 डिग्री और रात का तापमान 30 डिग्री के आसपास रहेगा। मंगलवार को रायपुर में करीब 45 डिग्री (44.4 डिग्री) तापमान दर्ज किया गया। यह तापमान सामान्य से 4 डिग्री ज्यादा है।

वहीं रात का तापमान 29.3 डिग्री दर्ज किया गया, जो औसत से 1 डिग्री ज्यादा है। इसके साथ ही हालात ऐसे हैं कि बाहरी इलाकों में भी राहत नहीं है।

25 लोगों से भरी पिकअप पलटी, 2 बच्चों की मौत

20 घायलों में 9 की हालत गंभीर, चौथिया भोज से लौटते वक्त पत्थर से टकराई गाड़ी

सूरजपुर/सरगुजा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में 25 ग्रामीणों से भरी तेज रफ्तार पिकअप पलट गई। हादसे में 2 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 20 घायल हैं। इनमें 9 की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी लोग शादी समारोह से लौट रहे थे।

मामला चेंद्रा चौकी क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक हादसे में दिगंबर राजवाड़े (12) और पुन्नू चेरवा (13) की मौत हुई। ये दोनों बच्चे भंडारपारा के रहने वाले थे।

हादसे में बच्चों के सिर और सीने में गंभीर चोटें आई थीं, जिससे दोनों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

दरअसल, सूरजपुर के लटोरी चौकी क्षेत्र के ग्राम भंडारपारा निवासी तलिंदर राजवाड़े की बेटी की शादी 5 दिनों पहले ओड़गी ब्लॉक के बिलासपुर निवासी युवक के साथ हुई थी। शादी के बाद मंगलवार को चौथिया भोज का आयोजन किया गया था।

चौथिया भोज कार्यक्रम में भंडारपारा गांव से 25 ग्रामीण पिकअप में सवार होकर बिलासपुर गए थे। इनमें महिला, पुरुष और कुछ बच्चे भी शामिल थे। कार्यक्रम के बाद सभी लोग बिलासपुर से भंडारपारा के लिए वापस लौट रहे थे।

इस दौरान तेज रफ्तार पिकअप रात करीब 10 बजे ग्राम बिसाही पोड़ी के पास पहुंची। बिसाही पोड़ी के नकटी नाला के पास मोड़ में पिकअप का चालक वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका।

पिकअप मोड़ में एक पत्थर से टकराकर पलट गई। पिकअप सवार कई ग्रामीण छिटककर गिर गए।

इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना पर चेंद्रा चौकी प्रभारी एलपी गुप्ता और भटगांव थाना प्रभारी सरफराज फिरदौशी की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को तत्काल एम्बुलेंस की मदद से भटगांव स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

हादसे में 20 लोग घायल हुए हैं। इनमें 9 लोगों को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें इलाज के बाद मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर रेफर कर दिया गया।

वहीं 11 लोगों का भटगांव में ही इलाज चल रहा है। इस हादसे में दिगंबर राजवाड़े और पुन्नू चेरवा की मौत हुई है।

चेंद्रा चौकी प्रभारी एलपी गुप्ता ने बताया कि जहां हादसा हुआ, वहां नाले के पास मोड़ है। मोड़ में ड्राइवर गाड़ी को कंट्रोल नहीं कर सका और पिकअप पलट गई। हादसे के बाद ड्राइवर फरार हो गया है, जिसकी तलाश की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में मालवाहकों का उपयोग बारात और चौथी भोज में आवाजाही के लिए किया जाता है। पिछले साल कवर्धा में हुए हादसे के बाद इसपर प्रतिबंध लगाया गया है, बावजूद इसके ग्रामीण बड़ी संख्या में बारातों और अन्य कार्यक्रमों में मालवाहकों का उपयोग आने-जाने के लिए कर रहे हैं।

डॉक्टर पर हमले के विरोध में चिकित्सकों की हड़ताल

केवल इमरजेंसी सेवाएं ही चालू रहीं, बच्चे की मौत के बाद डॉक्टर पर हुआ था हमला

देवघर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। देवघर में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. कुंदन कुमार पर हमले के विरोध में बुधवार को जिले के सभी सरकारी और निजी चिकित्सक हड़ताल पर चले गए। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और झासा के बैनर तले हुए इस एक दिवसीय कार्य बहिष्कार में केवल इमरजेंसी सेवाएं ही चालू रहीं। आईएमए अध्यक्ष डॉ. डी. तिवारी की अध्यक्षता में अस्पताल के सभागार में एक बैठक हुई। इसमें सभी चिकित्सकों ने घटना की कड़ी निंदा की। आईएमए ने बताया कि जिला प्रशासन को कार्रवाई के लिए दो दिन का समय दिया गया था, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

दरअसल, दो दिन पूर्व बाजला चौक स्थित आरोग्य शिशु केंद्र में एक माह के बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने क्लिनिक में तोड़फोड़ की थी। डॉ. कुंदन कुमार को सिर में चोट पहुंचाई गई। यह पूरी घटना क्लिनिक के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

परिजनों का आरोप है कि बच्चे को गलत इंजेक्शन दिया गया। वहीं डॉक्टर का कहना है कि इलाज के बाद दवा दी गई थी। परिजन बच्चे को लेकर घर चले गए और बाद में दोबारा आए।

डॉक्टर ने इंजेक्शन की सलाह दी, लेकिन परिजनों ने मना कर दिया। सुबह तीन बजे जब वे तीसरी बार बच्चे को लेकर आए, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

भाजपा ने निकाला आक्रोश मार्च

भाजपाई हाथों में तख्तियां लिए पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद का लगाया नारा

धनबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के खिलाफ धनबाद में भाजपा ने आक्रोश मार्च निकाला। गोल्फ ग्राउंड से रणधीर वर्मा चौक तक यह आक्रोश मार्च हुआ। इस मार्च में सांसद ढुलू महतो, धनबाद विधायक राज सिन्हा, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो के अलावे तमाम भाजपाई शामिल हुए। भाजपाई हाथों में तख्तियां लिए पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद का नारा लगाते चल रहे थे। इस बाबत सांसद ढुलू महतो ने कहा कि इस घिनौनी करतूत करनेवाले आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा।

शादी में खाना बनाने गए युवक पर जानलेवा हमला

कोडरमा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कोडरमा के तिलैया थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। तिलैया बस्ती में एक शादी समारोह में खाना बनाने गए 26 वर्षीय युवक पर चार लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। घायल युवक की पहचान अजय दास के रूप में हुई है।

घटना मंगलवार की रात की है। अजय दास शादी समारोह में खाना बनाने गया था। वहां राजा भुइयां, सन्नी रविदास, रंजीत भुइयां और सुनील रविदास से खाने को लेकर उसका विवाद हो गया। हालांकि, यह मामला वहीं सुलझ गया। समारोह खत्म होने के बाद जब अजय घर लौट रहा था, तब रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे इन चारों ने उस पर हमला कर दिया।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो घर में घुसी

शादी की तैयारी में जुटे परिवार के घर में हादसा चालक फरार, किसी को गंभीर चोट नहीं

बोकारो, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बोकारो में तड़के एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। बसंती मोड़ स्थित कॉलिंग पॉन्ड नंबर दो पर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बेकाबू होकर हनुमान मंदिर के सामने स्थित एक घर में जा घुसी। घटना सुबह 4 बजे के करीब की है। घटना के समय घर के मुखिया संजय चौधरी जागे हुए थे। वे बिहार के अरवल जिले के रहने वाले हैं। घर के अन्य सदस्य सो रहे थे। स्कॉर्पियो चालक सेक्टर 9 बी रोड का रहने वाला है। वह हादसे के बाद वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घर के सामने एक गड्ढा था। इस वजह से वाहन की रफ्तार कुछ कम हो गई। इससे कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। घर के मालिक की पत्नी रीता देवी ने बताया कि उनके बड़े बेटे का तिलक 30 अप्रैल को और शादी 5 मई को होनी है। पूरा परिवार गुरुवार को गांव जाने वाला था। हरला थाना के सब इंस्पेक्टर धनंजय कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि स्कॉर्पियो में सवार लोगों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है। घर वालों ने नुकसान की भरपाई की मांग की है।

पहलगाम अटैक पर पाकिस्तान को थैंक यू बोलने वाला गिरफ्तार

बोकारो के युवक ने लिखा- थैंक यू लश्कर ए तैय्यबा, अल्लाह ब्लेस यू ऑलवेज

बोकारो, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद बोकारो पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक ने हमले के बाद सोशल मीडिया एक्स पर पाकिस्तान को थैंक्यू लिखा था। युवक का नाम मो. नौशाद है। उसके पिता का नाम मो मुश्ताक है। चास थाने की पुलिस ने उसे मिल्लतनगर से अरेस्ट किया है। बोकारो के युवक ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- थैंक यू पाकिस्तान, थैंक यू लश्कर ए तैय्यबा, मे अल्लाह ब्लेस यू ऑलवेज, आमीन, आमीन। वी विल बी मोर हैप्पी इफ आरएसएस, बीजेपी, बजरंग दल एंड द मीडिया आर टारगेटेड। पोस्ट वायरल होने के तुरंत बाद हड़कंप मच गया। लोगों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

इस मामले में रांची के विधायक और भाजपा नेता सीपी सिंह ने बोकारो के पुलिस अधीक्षक से शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मो नौशाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ देशद्रोह जैसे गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया जा सकता है और साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। वहीं एसपी मनोज स्वर्गीयरी ने बताया- 'कानून से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़

बोकारो, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बोकारो पुलिस ने हरला थाना क्षेत्र में बाइक चोरी के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चोरी की चार मोटरसाइकिलों के साथ छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला 22 अप्रैल को सामने आया, जब वादी प्रशांत कुमार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई। शुरुआत में तीन आरोपी दिल पसंद राय, फिरोज अंसारी और मनीष सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक और नगर डीएसपी आलोक रंजन के निर्देश पर हरला थाना प्रभारी की टीम ने इन तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तीन और आरोपियों के नाम सामने आए। इनमें रईसुद्दीन सैफी, सैफी अहमद और कबाड़ी ब्रजकिशोर सिंह शामिल हैं।

महादेव-सट्टा ऐप, 7 राज्यों में ईडी का छापा, 573 करोड़ की संपत्ति-फ्रीज

सट्टे की कमाई को फर्जी कंपनियों में करते थे निवेश, अबतक 3002 करोड़ की संपत्ति सीज

रायपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। महादेव सट्टा ऐप मामले में रायपुर ईडी की टीम ने 16 अप्रैल को 7 राज्यों के अलग-अलग ठिकानों में छापेमार कार्रवाई की है। ईडी ने 3.29 करोड़ कैश और 573 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के बॉन्ड और डीमैट खातों को फ्रीज किया है। सट्टे की कमाई को फर्जी कंपनियों में निवेश करते थे। अब तक 3002 करोड़ की संपत्ति सीज की गई है।

प्रवर्तन निदेशालय रायपुर जोनल कार्यालय ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि, महादेव ऑनलाइन बुक बेटिंग ऐप मामले में दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और संबलपुर (ओडिशा) में तलाशी अभियान चलाया गया। कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को जब्त किया गया है।

ईडी की जांच से पता चला है कि, महादेव ऑनलाइन बुक बेटिंग ऐप एक अम्ब्रेला सिंडिकेट की तरह संचालित किया जा रहा है। ये लोगों को अवैध सट्टेबाजी करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की व्यवस्था करता है।बड़ी मात्रा में अवैध सट्टे की कमाई को बेनामी बैंक खातों का इस्तेमाल कर उसमें जमा किया जा रहा था। इन सट्टेबाजी प्लेटफार्मों से होने वाली कमाई को भारत से बाहर ट्रांस्फर किया जा रहा था। बाद में विदेशी एफपीआई (जो मॉरीशस, दुबई आदि से बाहर स्थित हैं) के नाम पर भारतीय शेयर बाजार में उन पैसों को लगाया जा रहा था। आम निवेशकों को धोखा देने के लिए कुछ स्मॉल और मीडियम इंटरप्राइजेस की जरिए मार्केट में उतार-चढ़ाव पैदा करने सट्टे की कमाई से पैसों को कुछ कंपनियों में इनवेस्ट किया गया। ईडी को कुछ निवेशकों के नाम भी मिले हैं। जिन्होंने इन कंपनियों के शेयर में अपने पैसे इंवेस्ट किए थे। इन निवेशकों के पैसे फ्रीज कर दिए गए हैं। रेड के दौरान कुछ और भी दस्तावेज जब्त किए गए हैं। इनमें उन प्रमोटर्स का भी पता चला है, जो मुख्य आरोपियों के साथ मिलकर इन कंपनियों के शेयर्स का दाम तय करते थे। इनमें से कुछ एजेंटों और शेयर दलालों को भी जांच में शामिल किया गया है।

7वीं की छात्रा की मौत

परिजनों ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय में किया हंगामा, वार्डन पर लापरवाही का लगाया आरोप

देवघर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। देवघर में बुधवार को कस्तूरबा गांधी विद्यालय की 7वीं की छात्रा की मौत के बाद जमकर हंगामा मचा। घटना देवीपुर थाना क्षेत्र के पहरीडीह की है। परिजनों ने वार्डन पर बच्ची का इलाज नहीं कराने और समय पर परिजनों को सूचित नहीं करने का आरोप लगाया। बच्ची की तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल ले जाने के दौरान बुधवार की सुबह उसकी मौत हो गई।

मृतका की पहचान मधु कुमारी (13) के रूप में की गई। बच्ची को सिर दर्द और वायरल फीवर की शिकायत थी। वहीं, स्कूल के कई और छात्राओं को वायरल फीवर हुआ है। बच्ची के पिता सरदार यादव ने बताया कि उन्हें इसी स्कूल में पढ़ने वाली उनकी भतीजी ने फोन किया और मधु की तबीयत खराब होने की सूचना दी। मैं जब यहां पहुंचा तो बच्ची को वार्डन छुट्टी नहीं दे रही थी। फिर किसी तरह बच्ची को लेकर अस्पताल जाने लगा, पर रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

सरदार यादव ने कहा-बच्ची की तबीयत बिगड़ने के बावजूद उसे समय पर उचित इलाज नहीं मिला, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। वहीं, वार्डन पिंकी कुमारी ने इन आरोपों को गलत बताया है। वार्डन के अनुसार, छात्रा सुबह थोड़ी अस्वस्थ थी। इसके बाद परिजनों को तुरंत सूचित कर बच्ची को सौंप दिया गया। मौत कैसे हुई, यह जांच का विषय है। इधर, घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने स्कूल में जमकर हंगामा किया। घटना की सूचना मिलते ही देवीपुर और बुढ़ई थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई।

कनाडा में पहली बार चार गुजराती चुनावी मैदान में

कहा– कनाडा में हिंदुओं के खिलाफ साजिश हो रही, देश भयंकर मंदी में चला जाएगा

ओटावा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा में चुनाव आमतौर पर अक्टूबर में होते हैं, लेकिन इस साल इनकी घोषणा पहले ही कर दी गई और मतदान 28 अप्रैल को है। कनाडा में दो मुख्य पार्टियां हैं, जिनमें लिबरल पार्टी और कंजर्वेटिव पार्टी शामिल हैं। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो लिबरल पार्टी से थे। कनाडा की राजनीति के इतिहास में पहली बार चार गुजराती संसदीय चुनाव में भाग ले रहे हैं। अब जब गुजराती कनाडाई संसद में अपनी आवाज उठाना चाहते हैं, तो दिव्य भास्कर ने इन चार गुजराती उम्मीदवारों जयेशभाई ब्रह्मभट्ट, अशोकभाई पटेल, मिनेशभाई पटेल और सुंजीवभाई रावल से खास बातचीत की। इसके अलावा, गुजराती व्यवसायी हेमंतभाई शाह से भी कनाडा में वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम के बारे में जाना, जो पिछले पांच दशकों से कनाडा में रह रहे हैं।

कारोबारी हेमंतभाई शाह ने कनाडा की राजनीति में गुजरातियों की एंट्री के बारे में कहा- कनाडा की राजनीति में धन जुटाने में मेरे सहित कई हिंदू-गुजरातियों ने अग्रणी भूमिका निभाई है। इस बार पांच उम्मीदवार खड़े हुए, लेकिन अंतिम समय में डॉन पटेल का नामांकन वापस ले लिया गया। इससे चार गुजराती चुनाव में खड़े हुए। यह न केवल कनाडा के लिए, बल्कि दुनिया भर के गुजरातियों के लिए गर्व की बात है। कनाडा की राजनीति के इतिहास में पहली बार चार गुजराती संसदीय चुनाव लड़ रहे हैं। यह महत्वपूर्ण है कि गुजराती-हिंदुओं की आवाज कनाडा की संसद तक पहुंचे। इन गुजरातियों से प्रेरित होकर भविष्य में अन्य गुजराती भी आएंगे।

कनाडा की राजनीति में मौजूदा अहम मुद्दे के बारे में हेमंतभाई कहते हैं- अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का मुद्दा कनाडा के लिए भी अहम है। अगर कनाडा में नौकरियों की कमी हो जाएगी तो स्टूडेंट्स क्या करेंगे?' कनाडा में इस समय कंपनियों में छंटनी चल रही है। कनाडा का 81% निर्यात संयुक्त राज्य अमेरिका को होता है। ओन्टारियो का सारा उद्योग अमेरिका पर निर्भर है, और यदि यह बंद हो जाए तो क्या होगा? गुजराती छात्रों को यह समझना होगा कि वे कनाडा के लिए प्राथमिकता नहीं हैं। मैं अब भी कहता हूं कि छात्रों को अभी कनाडा नहीं आना चाहिए। क्योंकि 10 महीने के भीतर कनाडा के भयानक मंदी में डूबने की आशंका है। कुछ दिन पहले ही जब होंडा ने अपने कनाडाई प्लांट्स को बंद करने की घोषणा की थी तो यह सोचना स्वाभाविक था कि कितने लोगों को नौकरी से निकाला जाएगा। कनाडा की मोटर कंपनी अमेरिकी है और यदि वे अपना प्लांट बंद कर देंगे तो कई लोग बेरोजगार हो जाएंगे।

खंभात के जालसन गांव के जयेशभाई ब्रह्मभट्ट के पिता आबकारी ग्राहक अधीक्षक थे, जो गुजरात में विभिन्न स्थानों पर रहे। 1987 में सिविल में बीई की डिग्री लेकर वडोदरा से पास हुए जयेशभाई ने 13 साल तक मुंबई और अहमदाबाद में काम किया और 2001 में परिवार के साथ कनाडा के ब्रैम्पटन आ गए।

बालाकोट के बाद भारत में हवाई हमले की साजिश रचने वाले पाकिस्तानी एयर मार्शल का कोर्ट मार्शल

एयरफोर्स में बगावत की मिली सजा

इस्लामाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना ने अपने ही एयर चीफ मार्शल का रिटायरमेंट से पहले कोर्ट मार्शल कर दिया है। एयर मार्शल जवाद सईद को पिछले साल पाकिस्तानी एयरफोर्स में सीनियर अधिकारियों के करप्शन को उजागर करने के बाद कई सीनियर अधिकारियों के साथ गिरफ्तार किया गया था। और अब ताजा रिपोर्ट के मुताबिक उनका कोर्ट मार्शल कर दिया गया है। उन्हें सेना में विद्रोह समेत कई आरोपों में दोषी ठहराया गया है। उन्हें पाकिस्तानी वायुसेना के मेस में हिरासत में रखा गया है। पाकिस्तान एयरफोर्स ने इस बाबत इस्लामाबाद हाईकोर्ट को इसकी जानकारी दी है। गिरफ्तार करने के बाद उन्हें एयर मार्शल के पद से भी हटा दिया गया था। यह जवाद सईद हैं जिन्होंने भारत के बालाकोट हमले के बाद जवाबी हवाई हमले की साजिश रची थी।

पाकिस्तान के पूर्व एयर मार्शल का कोर्ट मार्शल

एयर मार्शल जवाद सईद को जनवरी 2024 में गिरफ्तार किया गया था। काफी समय तक उनकी गिरफ्तारी को गुप्त रखा गया था, जिसके बाद उनकी पत्नी ने उनकी बरामदगी के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। उस समय, इस्लामाबाद हाईकोर्ट के जज खादिम हुसैन सूमरो ने याचिका को खारिज कर दिया था और याचिकाकर्ता पर ही 25,000 रुपये का जुर्माना लगा दिया था, क्योंकि एयरफोर्स के अधिकारियों ने खुलासा किया था, कि सईद का कोर्ट मार्शल किया गया है और उन्हें 'आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम' के तहत दोषी ठहराया गया है।

पाकिस्तानी सेना के पूर्व अधिकारी आदिल रजा ने दावा किया है कि पूर्व एयर मार्शल जवाद सईद को सरकारी गोपनीयता अधिनियम और विद्रोह मामलों में जेल की सज़ा सुनाई गई है। उन्होंने कहा है कि रिटायरमेंट से पहले जवाद सईद का नाम पाकिस्तान वायु सेना के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों के शॉर्टलिस्ट किया गया था, जिसे तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान को एयर चीफ की नियुक्ति के लिए भेजा गया था। लेकिन उनका असली अपराध मौजूदा एयर चीफ के भ्रष्टाचार को उजागर करना है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद हाईकोर्ट के जज ने कहा था कि चूंकि जवाद सईद के ठिकाने के बारे में पहले से ही पता था, इसलिए उसकी बरामदगी के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर नहीं की जा सकती। इसके बाद फिर से पिछले महीने, सईद की पत्नी ने बर्खास्तगी के खिलाफ समीक्षा आवेदन दायर किया और पीएएफ की हिरासत से उसकी रिहाई की मांग की। याचिका में कहा गया था कि गिरफ्तारी के बाद सईद की पेंशन बंद कर दी गई और सरकार द्वारा दी जाने वाली पारिवारिक स्वास्थ्य सेवाएं भी बंद कर दी गईं। लेकिन बाद में, उसकी पत्नी का चिकित्सा उपचार बहाल कर दिया गया। पाकिस्तान एयरफोर्स के अधिकारी ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट को सूचित किया है कि सईद को जेल के बजाय ऑफिसर्स मेस में हिरासत में रखा गया था, जहां सेना के अधिकारी कानून के अनुसार सजा मिलने के बाद अपनी सजा काटते हैं। वहीं याचिकाकर्ता के वकील, रिटायर्ड कर्नल इनामुर रहीम ने तर्क दिया कि सईद को पाकिस्तानी एयरफोर्स ने अवैध तरीके से हिरासत में रखा हुआ है,

तुर्किये के इस्तांबुल में 6.2 तीव्रता का भूकंप

1 घंटे में भूकंप के 3 बड़े झटके मरमारा सागर में था भूकंप का केंद्र

अंकारा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। तुर्किये के इस्तांबुल में आज 6.2 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप आया। इसका केंद्र इस्तांबुल के पास मरमारा सागर में था। तुर्किये की इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने बुधवार को बताया कि भूकंप से अभी तक किसी तरह के नुकसान या चोट की कोई खबर नहीं है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने भी भूकंप की पुष्टि की है और कहा है कि भूकंप जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूंकप से शहर और आसपास के इलाकों में बड़े झटके महसूस किए गए। लोकल मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक भूकंप का सेंटर सिलिवरी के नजदीक था, जो तटीय क्षेत्र है और भूकंपीय एक्टिविटी के लिए जाना जाता है।

इस्तांबुल के अधिकारियों ने लोगों को चेतावनी दी है कि वो भूकंप की वजह डैमेज हुई इमारतों में न जाएं। जब तक जरूरी न हो गाड़ी न चलाएं और मोबाइल न इस्तेमाल न करें। जल्द ही डिजास्टर मैनेजमेंट की टीमें नुकसान का आंकलन करेंगी।

लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस्तांबुल के इस इलाके में बीते 6 सालों में भूकंप के इतने शक्तिशाली झटके महसूस नहीं किए गए। लोगों का कहना है कि अचानक इमारतें हिलने लगीं, इसके बाद लोग घर छोड़कर बाहर की तरफ भाग निकले। तुर्किये में रहने का मतलब है भूकंप के साथ जीना। दो साल पहले तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप से 22,765 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 75 हजार से ज्यादा घायल हुए थे। तुर्किये में 20 हजार से ज्यादा लोगों की जान गई थी, जबकि 35 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

पहलगाम नरसंहार के बाद भारत में जबरदस्त गुस्सा

पाकिस्तान पर हमला करने की हो रही मांग

नई दिल्ली/इस्लामाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत में गुस्से की लहर है। भारत में आतंकवादियों को भेजने वाले पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है। लोग बदले की मांग कर रहे हैं। पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग की जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 28 लोगों के शवों पर पुष्पांजलि अर्पित की। अमित शाह ने इंसाफ की बात की है, जबकि पाकिस्तान सतर्क हो गया है। उसने सीमा पर सर्विलांस विमान को भेज दिया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करने वाले हैं। जिसमें भारत अपनी प्रतिक्रिया को लेकर स्ट्रैटजी करेगा। सऊदी अरब से आने के बाद प्रधानमंत्री ने बुधवार सुबह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ भी बैठक की। पहलगाम हमले के

बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चरम पर तनाव है। युद्ध की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। क्योंकि अगर भारत एक्शन लेगा तो पाकिस्तान का प्रतिक्रिया देना निश्चित है। ऐसे में दोनों देशों की सेना के पास कितनी ताकत है, इसे जानना जरूरी हो जाता है। हालांकि दोनों ही देश परमाणु हथियारों से संपन्न देश हैं, ये सबसे महत्वपूर्ण बात है, फिर भी दोनों देशों की ताकत के बारे में आइये हम जानते हैं। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक सैन्य शक्ति में भारत को दुनिया में चौथे स्थान पर रखा गया है, जबकि पाकिस्तान को दुनिया में 12वें स्थान पर रखा गया है। भारत के पास सक्रिय सैनिकों की संख्या करीब 14.55 लाख है, जबकि भारत के पास रिजर्व फोर्स की संख्या 11,55 लाख है। भारत के पास पैरामिलिट्री जवानों की संख्या 25 लाख 27 हजार है। वहीं भारत का डिफेंस बजट 681210 करोड़ रुपये यानि 77.4 अरब डॉलर है। भारतीय वायुसेना के पास 2,229 एयरक्राफ्ट हैं, जिनमें 600 फाइटर जेट और 899 हेलीकॉप्टर शामिल हैं। इसके अलावा इंडियन नेवी के पास 150 युद्धपोत, 18 पनडुब्बियां, 2 एयरक्राफ्ट कैरियर (आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत) हैं। भारत के प्रमुख विनाशक हथियारों की बात करें तो उनमों टी-90 भीष्म, अर्जुन टैंक, ब्रह्मोस मिसाइल, पिनाका रॉकेट सिस्टम सबसे विध्वंसक माने जाते हैं। भारत के पास 31 स्क्वाड्रन में 606 लड़ाकू विमान हैं और आने वाले सालों में तेजस एमके1 और एमके1ए जैसे और भी विमान शामिल किए जाने की संभावना है। हालांकि मिग-21 बाइसन, सेपेकैट जगुआर, मिग-29 जैसे पुराने विमान अगले 4-5 सालों में सेवा से बाहर हो जाएंगे।

पाकिस्तान के पास 387 लड़ाकू विमान हैं और उसके बेड़े में चीनी, फ्रांसीसी और अमेरिकी विमान हैं। पाकिस्तान के पास ज्यादा हमलावर हेलीकॉप्टर हैं, लेकिन भारत के पास खास मिशन, हवाई टैंकर और परिवहन विमानों की अच्छी संख्या है।

पहलगाम हमले पर चीन ने निभाई पाकिस्तान से दोस्ती

बीजिंग/इस्लामाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्म-कश्मीर के पहलगाम में दहला देने वाले आतंकी हमले को लेकर चीन ने प्रतिक्रिया दी है। नई दिल्ली में चीन के राजदूत शू फेइहांग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में इस बर्बर आतंकी हमले की निंदा की है। हालांकि, चीन का बयान आतंकवादी हमले के पूरे एक दिन बाद आया है, लेकिन उससे भी दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान और चीन की प्रतिक्रिया एक साथ आई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भी पहलगाम की घटना पर बुधवार को प्रतिक्रिया दी है।

चीन के राजदूत फेइहांग ने एक्स पर लिखा, 'पहलगाम में हुए हमले से स्तब्ध हूं और इसकी निंदा करता हूं। पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना और घायलों तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक सहानुभूति। सभी तरह के आतंकवाद का विरोध करते हैं।' चीनी राजदूत के बयान के साथ ही पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भी घटना पर प्रतिक्रिया दी है।

पाकिस्तान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पहलगाम हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हम भारत के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले में हुए हमले में पर्यटकों के मारे जाने को लेकर चिंतित हैं। हम मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति अपना दुख प्रकट करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।'

इसके पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का बयान सामने आया था। पाकिस्तान के मीडिया को दिए एक बयान में पाकिस्तानी रक्षा मंत्री अपनी आदत के मुताबिक इस बर्बर हमले के दौरान भी भारत के खिलाफ जहर उगलने से बाच नहीं आए। आसिफ ने कहा कि पहलगाम हमले से पाकिस्तान का कोई लेना-देना नहीं है। आगे उन्होंने कहा, 'भारत के अंदर कई संगठन हैं। उनमें घरेलू स्तर पर बगावत है। एक-दो नहीं, दर्जनों के हिसाब से है। नागालैंड से लेकर कश्मीर तक हैं।'

पाकिस्तानी सेना को सता रहा भारत के बालाकोट 2.0 का डर

सीमा पर तैनात किया 'आसमानी आंख', कितना ताकतवर है एईडब्ल्यूएण्डसी

इस्लामाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान में खौफ का माहौल है। इससे पहले भारत, पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक और एयरस्ट्राइक को अंजाम दे चुका है, लिहाजा पाकिस्तान को डर सता रहा है कि इस बार भी भारत, पाकिस्तान में घुसकर हमला कर सकता है। इस हमले में भारत ने अपने 28 नागरिकों को खोया है, लिहाजा देश में भारी गुस्सा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सऊदी अरब का दौरा बीच में ही छोड़कर वापस लौट आए हैं। भारत के गृहमंत्री अमित शाह कश्मीर में मौजूद हैं, जिसे देखते हुए पाकिस्तानी एयरफोर्स ने भारत के साथ सीमा पर अपनी सैन्य स्थिति को काफी हद तक

बढ़ा दिया है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी एयरफोर्स ने सीमा पर सतर्क निगरानी बनाए रखने के लिए अपने साब एरीये एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (एईडब्ल्यूएण्डसी) एयरक्राफ्ट को तैनात कर दिया है। इसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान की सीमा पर हाई अलर्ट हो चुका है और पाकिस्तान को आशंका है कि भारत हमला कर सकता है। हालांकि हम इस दावे की पुष्टि नहीं कर रहे हैं, लेकिन कई तरह के दावे किए गये हैं। जिसमें कहा गया है कि पाकिस्तानी एयरफोर्स को भारतीय सीमा पर होने वाले हलचल, इंडियन एयरफोर्स की सक्रियता और भारतीय कम्युनिकेशन पर नजर बनाकर रखने के लिए कहा गया है और इसके लिए इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस (इलिंट) प्लेटफार्मों के इस्तेमाल का सुझाव दिया गया है।

पाकिस्तान वायुसेना की तरफ से साब एरीआई (एरीआई प्रणाली) एईडब्लूएंडसी की तैनाती, जो साब 2000 प्लेटफॉर्म पर आधारित एक सोफिस्टिकेटेड हवाई रडार सिस्टम है, उससे भारतीय हवाई क्षेत्र में होने वाली सैन्य गतिविधियों की निगरानी करना है।

एरीआई प्रणाली, लंबी दूरी पर मौजूद विमान, मिसाइलों और जमीनी लक्ष्यों का पता लगाने में सक्षम होता है। ये सिस्टम वास्तविक समय की स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान करता है, जिससे पाकिस्तान वायुसेना को अपनी हवाई सुरक्षा को प्रभावी ढंग से कॉर्डिनेशन में मदद मिलेगी।

पहलगाम आतंकी हमले के 26 घंटे बाद टूटी बांग्लादेश और मालदीव की नींद

मोहम्मद यूनुस और मुइज्जू ने की निंदा

ढाका/माले, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के करीब 26 घंटे बाद जाकर भारत के दो पड़ोसियों, बांग्लादेश और मालदीव की नींद टूटी है। अब जाकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का बयान आया है। इससे पहले पाकिस्तान की सरकार ने पहलगाम हमले में हुई जानमाल के नुकसान पर चिंता जरूर जताई, लेकिन इसने हमले को 'आतंकवादी कृत्य' बताने या इसकी निंदा करने से परहेज किया है। मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 28 लोगों की मौत हो गई है। यह क्रूर हमला पहलगाम के पास मशहूर पर्यटन स्थल बैसरन घाटी में हुआ।

रूस-यूक्रेन युद्ध विराम के प्रयास तेज

बैठक करेंगे अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों के राजनयिक

लंदन, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन संघर्ष विराम को लेकर अमेरिका समेत कई देश प्रयास कर रहे हैं। बुधवार को लंदन में ब्रिटेन, अमेरिका, यूरोपीय देशों और यूक्रेन के राजनयिक और रक्षा प्रमुख शांति समझौते को लेकर बैठक करेंगे। ब्रिटिश रक्षा सचिव जॉन हीली ने कहा कि विदेश मंत्रियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में युद्ध विराम कैसा हो सकता है और दीर्घ अवधि में शांति कैसे सुनिश्चित की जा सकती है इस पर चर्चा होगी।

बैठक में यूक्रेन और रूस के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल कीथ केलॉग भी शामिल होंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि पेरिस वार्ता में शामिल होने वाले विदेश मंत्री मार्को रुबियो शेड्यूल संबंधी समस्या के कारण बैठक में नहीं आ पाएंगे। ब्रिटेन ने कहा कि रूस

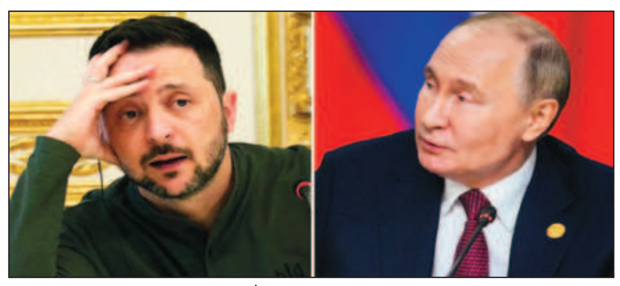

द्वारा अपने पड़ोसी पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद से तीन साल से अधिक समय से चल रही लड़ाई को रोकने के लिए राजनयिक प्रयासों के लिए यह एक महत्वपूर्ण समय है।

ट्रंप ने पिछले सप्ताह कहा था कि वार्ता अपने चरम पर पहुंच रही है और अगर दोनों पक्षों में से कोई भी शांति की ओर नहीं बढ़ता है तो अमेरिका इसे छोड़ सकता है। पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के इस सप्ताह फिर से मास्को आने की उम्मीद है। पश्चिमी विश्लेषकों का कहना है कि रूस शांति वार्ता को समाप्त करने की जल्दी में नहीं है, क्योंकि उसके पास युद्ध के मैदान की गति है और वह अधिक यूक्रेनी भूमि पर कब्जा करना चाहता है।

देश का नया टेक्सटाइल हब होगा छत्तीसगढ़

मुंबई/रायपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में निवेश बढ़ाने को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुंबई दौरे में हैं। सीएम ने इस दौरान कई उद्योगपतियों से मुलाकात कर उन्हें राज्य में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। बुधवार को मुंबई के बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित सीएमएआई फैब शो 2025 में भाग लेकर राज्य में टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने निवेशकों और टेक्सटाइल क्षेत्र से जुड़े उद्योगपतियों से संवाद कर छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा हमने वस्त्र उद्योग क्षेत्र में निवेश के नए द्वार खोले हैं। इस मौके पर छत्तीसगढ़ सरकार ने सीएमएआई (क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन ऑफ इंडिया) के साथ एमओयू भी साइन किया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ ने वस्त्र, गारमेंट और हैंडलूम सेक्टर में एक उभरता हुआ केंद्र बनने की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में हमने कैबिनेट में नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन डिजाइन के संस्थान को नवा रायपुर में खोलने की मंजूरी दी है। 271 करोड़ रुपए की लागत से तैयार होने वाले इस संस्थान से छत्तीसगढ़ में टैक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

अब्रेगो गार्सिया निर्वासन मामले में ट्रंप प्रशासन को जज की फटकार

कहा– अदालती आदेशों की अनदेखी की जा रही

न्यूयॉर्क, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। अल सल्वाडोर के युवक अब्रेगो गार्सिया निर्वासन मामले में संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन अदालती आदेशों की अनदेखी कर रहा है और कानूनी प्रक्रिया में बाधा डाल रहा है। कोर्ट ने कहा कि अल साल्वाडोर की जेल से गलती से निर्वासित मैरीलैंड के युवक को मुक्त करने और उसे अमेरिका वापस भेजने के लिए उन्होंने जो भी कदम उठाए हैं, उनके बारे में जानकारी देने से इनकार करके ट्रंप प्रशासन बुरी नीयत से काम कर रहा है।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश पाउला जिनिस ने कहा कि कई हफ्तों से प्रतिवादियों (ट्रंप प्रशासन) ने विशेषाधिकार के अस्पष्ट और निराधार दावों की आड़ में शरण ली है। उन्हें खोज में बाधा डालने और इस अदालत के आदेशों के अनुपालन से बचने के लिए एक ढाल के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्हें पता है कि न्यायालय को विशेषाधिकार के किसी भी दावे का समर्थन करने के लिए विशिष्ट कानूनी और तथ्यात्मक प्रदर्शन की आवश्यकता है। फिर भी उन्होंने बॉयलरप्लेट दावों पर भरोसा करना जारी रखा है। वह अब समाप्त होता है। उन्होंने प्रशासन को विवरण उपलब्ध कराने के लिए बुधवार शाम छह बजे तक का समय दिया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने लगभग दो सप्ताह पहले ट्रंप प्रशासन को साल्वाडोरन जेल से किल्मर अब्रेगो गार्सिया की अमेरिका वापसी का आदेश दिया था। व्हाइट हाउस ने इस दावे को खारिज कर दिया था कि गलती से उसे निर्वासित करने के बाद वह उसे वापस नहीं लाया सका। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि यह अल सल्वाडोर पर निर्भर है।

सऊदी अरब, यूएई, पहलगाम में 28 पर्यटकों की हत्या पर क्या बोले मुस्लिम देशों के नेता पाकिस्तान को कड़ा संदेश

अबू धाबी/जेद्दा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले से पूरा भारत हिला हुआ है। आतंकियों ने मशहूर पर्यटक स्थल पहलगाम में अंधाधुंध फायरिंग की। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आतंकी सेना और पुलिस की वर्दी में पहुंचे थे और उनके पास एके-47 और अन्य हथियार थे। इस दौरान आतंकियों ने धर्म पूछकर लोगों को गोली मारी। आतंकवादी घटना में 28 लोग मारे गए हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना सऊदी अरब दौरा बीच में ही रोक दिया और मंगलवार-बुधवार की रात ही वापस लौटने का फैसला किया। जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले पर दुनिया भर के देशों की प्रतिक्रिया आ रही है। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले की निंदा की और मारे गए निर्दोष लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। दोनों नेताओं ने पूरी ताकत से लड़ने का संकल्प लिया। भारत की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि पीएम मोदी की सऊदी क्राउन प्रिंस से मुलाकात के दौरान यह चर्चा हुई। खाड़ी के एक और अहम देश और भारत के दोस्त संयुक्त अरब अमीरात ने आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। यूएई के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि 'संयुक्त अरब अमीरात पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाने वाले आतंकी हमले की निंदा करता है, जिसमें दर्जनों मासूम लोग मारे गए और घायल हुए।' ईरान के दूतावास के एक्स हैंडल पर लिखा गया कि 'नई दिल्ली स्थित इस्लामी गणतंत्र ईरान का दूतावास जम्मू-कश्मीर के पहलगाम शहर में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में निर्दोष लोग मारे गए और घायल हुए। हम भारत सरकार और भारत के लोगों, विशेष रूप से इस हमले के पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं, और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हैं।'

धर्म पूछा और गोलियों से भून डाला

प्रवीण तोगड़िया ने जनता से कश्मीर के टूरिज्म का बहिष्कार करने की अपील की

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद देशभर में आक्रोश है। इसी बीच अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक व अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया का बड़ा बयान सामने आया है। प्रवीण तोगड़िया ने देश के हिंदुओं से कश्मीर के टूरिज्म का बहिष्कार करने की अपील की है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बेसराण इलाके में आतंकी हमले में अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें दो विदेशी और दो स्थानीय लोग भी शामिल हैं। कश्मीर घाटी में 2019 के पुलवामा हमले के बाद यह सबसे बड़ा हमला है।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने पत्रिका डॉट कॉम से खास बातचीत में कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछकर पर्यटकों को मारा गया है। इससे यह तो साफ है कि यह देश के हिंदुओं पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं अब कश्मीर में पर्यटन बंद करो।

माउंट आबू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, कोडाई कैनाल, दार्जिलिंग, असम, महाबलेश्वर और गोवा में पर्यटन शुरू करो। तोगड़िया ने हिंदुओं से कश्मीर के टूरिज्म का बहिष्कार करने की अपील की है।

आतंकी हमले पर जताया दुख

प्रवीण तोगड़िया ने आंतकी हमले में दुख जताते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आतंकवादी हमला दर्दनाक है। आतंकियों के इस नृशंस और अमानवीय कृत्य की हम निंदा करते है। आतंकी हमले में जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

जम्मू-कश्मीर में घूमने आए लोगों पर हमला

हमला ऐसे समय में हुआ है, जब देश के विभिन्न हिस्सों से लोग जम्मू-कश्मीर में सैर-सपाटे के लिए आए हुए हैं। कई साल आतंक से जूझने के बाद कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है।

अमरनाथ तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होनी है। उससे पहले इस हमले से आम लोगों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अमरनाथ गुफा का रास्ता पहलगाम से होकर जाता है।

पहलगाम आतंकी हमले में जयपुर के सीए की मौत

यूएई में जॉब करते थे, मां बोलीं- आतंकवादियों को ऑन द स्पॉट मारो

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने राजस्थान के एक खुशहाल परिवार की दुनिया उजाड़ दी। जयपुर के मूल निवासी नीरज उधवानी (34) इस हमले में मारे गए। दुबई में कार्यरत नीरज उधवानी अपनी पत्नी आयुषी के साथ छुट्टियां मनाने भारत आए थे। लेकिन 21 अप्रैल को शुरू हुई उनकी कश्मीर यात्रा, 22 अप्रैल की दोपहर आतंकी गोलियों की आवाजों में हमेशा के लिए थम गई। पहले मृतकों की जारी लिस्ट में नीरज उधवानी को उत्तराखंड का बताया गया था, हालांकि उत्तराखंड सरकार ने स्पष्टीकरण जारी कर कहा कि मृतक उत्तराखंड का नहीं है। इसके बाद सही जानकारी सामने आई कि नीरज जयपुर के मॉडल टाउन (मालवीय नगर) इलाके का रहने वाला है।

आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नीरज के जयपुर स्थित घर में मातम पसरा है। इधर मां ज्योति उधवानी का रो-रोकर बुरा हाल है। वे बार-बार यही कह रही हैं कि क्या मेरे बेटे की मौत का कोई जवाबदेह है? हमसे हमारा बेटा छीन लिया गया, बस इसलिए कि वह छुट्टियां मनाने गया था? ज्योति बताती हैं कि उन्होंने 21 अप्रैल की रात बेटे और बहू से बात की थी। वे कह रहे थे कि कश्मीर घूमने के बाद आकर हमसे मिलेंगे। लेकिन अब सिर्फ उसकी यादें

लौट रही हैं।

मृतक के चाचा भगवान दास उधवानी ने बताया कि वह दुबई में रहता है और वहीं चार्टर्ड अकाउंटेंट का काम करता है। वह शिमला में एक शादी में शामिल होने के लिए भारत आया हुआ था। वह और उसकी पत्नी आयुषी, दुबई में रहने वाले उसके कुछ दोस्तों के साथ शिमला में शादी में शामिल होने के लिए वहां गए थे। शादी के बाद बाकी लोग कहीं और चले गए, नीरज और उसकी पत्नी कुछ दिनों की छुट्टियां मनाने के लिए पहलगाम चले गए। उन्हें कुछ दिनों में दुबई वापस जाना था।

मृतक के चाचा भगवान दास उधवानी ने बताया कि नीरज और आयुषी की शादी फरवरी 2023 में पुष्कर के भंवर सिंह पैलेस में हुई थी और उनके कोई बच्चे नहीं थे। मृतक के चाचा कहा कि वो किसी से दुश्मनी नहीं रखता था, बस कुछ दिन के सुकून के लिए गया था। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दिल्ली के रास्ते जयपुर वापस आने वाले उनके पार्थिव शरीर के साथ आयुषी, उनके भाई किशोर और अन्य लोग भी हैं। बुधवार शाम तक जयपुर पहुंचने की उम्मीद है।

मृतक नीरज के बड़े भाई किशोर उधवानी आयकर विभाग में कार्यरत हैं। उन्होंने परिजनों से बातचीत में बताया कि जैसे ही हमने आतंवादी घटना के बारे में सुना, अपने संपर्कों के जरिए प्रशासन से मदद मांगी। बताया जा रहा है कि अब नीरज का शव दिल्ली के रास्ते जयपुर लाया जा रहा है। चाचा भगवान दास उधवानी ने कहा कि सरकार को इस मामले में केस को लंबा नहीं खींचना चाहिए, हमें तुरंत इंसाफ चाहिए। वहीं, नीरज की मां ने कहा कि मेरा दर्द तब तक खत्म नहीं होगा, जब तक ये आतंकवादी मारे नहीं जाएंगे।परिजनों के अनुसार, नीरज की मां और पत्नी सरकार से कड़ा एक्शन चाहती हैं।

वे पूछती हैं कि क्या अब भी हम सिर्फ सहते रहेंगे? क्या अब भी कोई ठोस जवाब नहीं मिलेगा? परिवार की मांग है कि सरकार आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति की सुरक्षा बढ़ाई

छावनी बना रामबाग पैलेस

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में आतंकी वारदात के बाद खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट के आधार पर जयपुर में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार की सुरक्षा और ज्यादा कड़ी कर दी गई है। वेंस अपने परिवार के साथ जयपुर में 3 दिन के प्रवास पर हैं। आज वे सुबह ताजमहल देखने के लिए आगरा रवाना होंगे। इसके बाद दोपहर को वे फिर जयपुर लौटेंगे और सिटी पैलेस में उनके सम्मान में लंच आयोजित किया जाएगा। इसके बाद वेंस कल सुबह 6 बजे जयपुर एयरपोर्ट से सीधे अमेरिका के लिए रवाना होंगे।

छावनी में बदला रामबाग पैलेस

उपराष्ट्रपति की सुरक्षा के मद्देनजर रामबाग पैलेस होटल के भीतर और बाहर ईआरटी कमांडोज की टुकड़ियां तैनात कर दी गई हैं। पूरा होटल छावनी में तब्दील हो गया है।

वेंस ने भी जताई संवेदना

आतंकी हमले को लेकर वेंस ने भी अपनी संवेदनाए जताई हैं। उन्होंने कहा कि मैं और उषा भारत के पहलगाम में हुए विनाशकारी आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं।

गौरतलब है कि कल कश्मीर के पहलगाम में बड़ी आतंकी वारदात हुई है, जिसमें आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग की, जिससे 26 पर्यटकों की जान चली गई और कई गंभीर घायलों का अभी इलाज चल रहा है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़कर भारत लौट आए हैं। दिल्ली में केंद्रीय सुरक्षा समिति की बैठक शुरू हो चुकी है। घटना को लेकर पक्ष और विपक्ष सभी ने एक सुर में कड़ी अलोचना की है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे. ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने आतंकी हमले को कायरतापूर्ण हरकत बताते इसे घोर निंदनीय कहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी इस आतंकी हमले पर शोक व्यक्त किया है।

बगरू में नकाबपोश बदमाशों ने ज्वेलरी शॉप पर डाका डाला

गोलियां चलाकर बाइक से फरार हुए बदमाश

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर के बगरू में कल शाम एक ज्वेलरी शॉप में हथियारों के बल पर बड़ी लूट को अंजाम दिया गया। बगरू थाना स्थित एक ज्वेलरी शॉप में तीन हथियारबंद बदमाश कांच तोड़कर अंदर घुस गए। इसके बाद दुकान के अंदर बैठे लोगों को बंदूक दिखाकर धमकाया और बीच-बीच में फायर करते रहे ताकि लोगों में दहशत बनी रहे। करीब 2 मिनट तक चली इस वारदात में नकाबपोश बदमाशों ने ज्वेलरी शॉप में रखा सारा सामान लूट लिया और इसके बाद फायरिंग करते हुए एक बाइक पर बैठकर फरार हो गए।

घटना बगरू थाना इलाके के जुगल बाजार स्थित ज्वेलरी शॉप की है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। बदमाशों को पकड़ने के लिए नाकाबंदी भी करवाई गई। लूट का शिकार हुए ज्वेलर मनमोहन बागड़ा ने बताया कि मैं अपनी दुकान रत्नेश्वरी ज्वेलर्स में ग्राहकों को ज्वेलरी दिखाने में लगा हुआ था तभी शाम करीब 6:54 बजे अचानक धमाका हुआ और दुकान का शीशा टूट गया। इसके बाद तीन नकाबपोश बदमाश दुकान के अंदर घुस गए, जिनके हाथों में पिस्तौल भी थी।

करीब 2 मिनट तक तीनों बदमाश दुकान की ज्वेलरी अपने बैग में भरते रहे और भागते समय धमकी भी दी कि यदि उनका पीछा किया तो जान से मार देंगे।

सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की पहचान की जा रही है। एसीपी बगरू हेमेंद्र शर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर सभी अधिकारी मौके पर पहुंच गए और मौके पर डीएसटी और एफएसएल की टीमों को भी बुलाया गया। बहरहाल मामले की मुस्तैदी से छानबीन की जा रही है।

संपत्ति के लिए साजिश, प्रोफेसर पत्नी को मानसिक रोगी बता मनोचिकित्सा केंद्र भेजा

फरार बाप-बेटे को कोर्ट से बड़ा झटका

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। वैशाली नगर में बीएसएनएल के सेवानिवृत्त आला अधिकारी ने भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रोफेसर रही अपनी तलाकशुदा पत्नी की करोड़ों रुपए की सम्पत्ति को हड़पने के लिए बेटे के साथ मिलकर पत्नी को जबरन नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती करवा दिया। महाराष्ट्र एमआईटी में सीनियर महिला प्रोफेसर ने कई साथी प्रोफेसर और पीहर पक्ष को सूचना देकर जयपुर बुलाया। तब वैशाली नगर थाना पुलिस की मदद से महिला को करीब 15 घंटे बाद नशा मुक्ति केन्द्र से मुक्त करवाया गया।

महिला ने इस संबंध में 8 जून 2023 को एफआइआर दर्ज करवाई, लेकिन पुलिस ने प्रकरण में 2 सितम्बर 2024 को एफआर लगा दी। प्रोफेसर महिला 8 जनवरी 2025 को डीसीपी (वेस्ट) अमित कुमार से मिली और सम्पूर्ण तथ्य व दस्तावेज पेश कर निष्पक्ष जांच करवाने की गुहार लगाई। डीसीपी ने केस को रिओपन कर जांच महिला अनुसंधान सैल की एडिशनल डीसीपी सुलेश चौधरी को सौंपी।

अनुसंधान अधिकारी ने जांच में आरोप सिद्ध पाए और अब पुलिस इंडियन टेलीकम्यूनिकेशन सर्विस बीएसएनएल में प्रिंसीपल जनरल मैनेजर के पद से रिटायर्ड पति गुंजन सक्सेना और बेटे ध्रुव को तलाश रही है। फरार हुए पिता-पुत्र ने कोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी लगाई, जो खारिज हो गई।

डॉ. रीना ने बताया कि 1988 में शादी हुई थी और वर्ष 1996 में वैशाली नगर में अपने पैसों से प्लॉट खरीदा, जिस पर ऋण लेकर मकान बनवाया। वर्ष 2021 में तलाक के बाद वह पुणे चली गईं। वर्ष 2023 में बेटे ध्रुव के जन्मदिन पर जयपुर आई, तब पता चला कि पिता-पुत्र ने एक बिल्डर से एग्रीमेंट कर उनके मकान पर होटल का निर्माण करवा रहे हैं।

विरोध करने पर पिता-पुत्र ने मनोरोगी घोषित करने के लिए एम्बुलेंस बुलाकर कालवाड़ रोड स्थित भगवान महावीर मनोचिकित्सा एवं नशा मुक्ति केन्द्र में जबरन भर्ती करवा दिया। नशा मुक्ति केन्द्र में भेजने के दौरान डॉ. रीना का मोबाइल छिन लिया था, लेकिन पीड़िता ने दूसरे मोबाइल से पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया था।

अनुसंधान अधिकारी ने नशा मुक्ति केन्द्र से महिला प्रोफेसर को भर्ती और इलाज के संबंध में जानकारी मांगी। तब महिला प्रोफेसर पूरी तरह से स्वस्थ होना और किसी भी प्रकार का इलाज नहीं करने की जानकारी मिली।

अपने आप ही स्टार्ट हो गया ट्रैक्टर

खाट पर सो रहे शख्स को रौंदकर हुआ बंद युवक और 2 मेमनों की हुई मौत

श्रीगंगानगर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। अनूपगढ़ के टिब्बी क्षेत्र के गांव कुलचंद्र के एक घर में रविवार रात अपने आप स्टार्ट हुए ट्रैक्टर ने आंगन में चारपाई पर सो रहे एक व्यक्ति तथा आंगन में बैठे दो मेमनों को रौंद दिया। इससे मेमनों की तो मौके पर ही मौत हो गई जब कि रौंदने से गंभीर घायल की इलाज के दौरान मौत हो गई।

इस सबंध में पुलिस ने मृतक के पुत्र के सूचना पर मर्ग दर्ज की है। पुलिस के अनुसार सतपाल पुत्र लखाराम निवासी वार्ड दो कुलचन्द्र ने सूचना दी कि उसके पिता लखाराम पुत्र निराणाराम रविवार रात्रि में घर के आंगन में चारपाई पर सोए थे जबकि बाकी सदस्य मकान की छत पर सो रहे थे। उसके पिता की चारपाई से करीब 20-25 फीट की दूरी पर उनका ट्रैक्टर खड़ा था।

रात्रि के करीब 11 बजे ट्रैक्टर अपने आप स्टार्ट हो गया तथा आंगन में बैठे दो मेमनों को रौंदता हुआ सोए हुए लखाराम की चारपाई पर चढ़कर बंद हो गया। शोर सुनकर सभी मौके पर पहुंचे तथा लखाराम को ट्रैक्टर के नीचे से निकालकर हनुमानगढ़ के चिकित्सालय में भर्ती करवाया। वहां से उन्हे श्री गंगानगर रैफर कर दिया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

नकली पुलिस बता कर हंगामा

युवक को थाने से छुड़ाकर ले गए लोग कोटपूतली विधायक के बेटे पर लगा आरोप

कोटपूतली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। आबकारी विभाग की कार्रवाई के दौरान पकड़े गए आरोपी को जबरन थाने से छुड़ाकर ले जाने, टीम के साथ मारपीट कर मोबाइल फोन छीनने का मामला सामने आया है. कोटपूतली विधायक के बेटे पर फोन पर धमकी देने और पकड़े गए आरोपी को साथ ले जाने के गंभीर आरोप लगे हैं. पीड़ित आबकारी कर्मी ने राजकार्य में बाधा, धमकी और अभद्रता सहित कई धाराओं में मामला दर्ज कराया है, जबकि पुलिस ने अब तक इस पूरे प्रकरण पर चुप्पी साध रखी है. मामला सुंदरपुरा ढाढ़ा क्षेत्र का है, जहां अवैध शराब बेचने की सूचना पर आबकारी थाना प्रागपुरा की टीम ढाढा तिराहा गौशाला के पास पहुंची. टीम ने मौके पर एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में गत्ता कार्टन के साथ बैठे देखा. पुलिस को देखते ही वह भागने लगा, जिसे टीम ने दबोच लिया. इसी दौरान वहां भीड़ इकट्ठा हो गई.

पुलिस टीम के कंधे पर ईपीएफ लिखा देख लोगों ने उन्हें नकली पुलिस करार देते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया. इस पर आबकारी टीम ने व्यक्ति को पकड़कर आबकारी थाने ले गई. इसके बाद रात को आबकारी थाने के पदम सिंह के मोबाइल पर कोटपुतली विधायक के पुत्र पंकज पटेल का कॉल आया. कॉल के दौरान उन्होंने सिपाही पतराम को अपशब्द कहे और पदम सिंह को ट्रांसफर करवाने की धमकी दी. कुछ ही देर में सात-आठ गाड़ियों में करीब 40-50 लोग थाना परिसर में पहुंचे और वहां मौजूद टीम के साथ हाथापाई शुरू कर दी. आरोप है कि टीम के मोबाइल फोन छीन लिए गए और पकड़े गए आरोपी को जबरन छुड़ाकर ले जाया गया. इस पूरी घटना की जानकारी पदम सिंह ने थाना प्रागपुरा में दी और लिखित शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धाराओं 189(2), 121(1), 132, 333, 351(3), 221, 262 और 263(क) के तहत मामला दर्ज किया है. हालांकि, अब तक पुलिस ने इस पूरे प्रकरण पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है और जांच जारी है.

19 जिलों में लू का खतरा

मौसम विभाग ने दी चेतावनी

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भीषण गर्मी पड़ रही है। आगामी दिनों मे गर्मी का तेज असर देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने 24 अप्रेल को तीन जिलो में लू को लेकर अलर्ट जारी किया है। जिसमें जैसलमेर, बाड़मेर और झुंझुनूं है। इसके बाद 25 अप्रेल को सीकर सहित सात जिलों में लू को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 26 अप्रेल को प्रदेश के 19 जिलों में लू को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। जिसमें जोधपुर, नागौर, बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जैसलमेर, नागौर, टोंक, सीकर, सवाई माधोपुर, कोटा, करौली, झुंझुनूं , झालावाड़, जयपुर, दौसा, बूंदी, बारां में लू को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

मिलावटखोरों पर बड़ा वार

9189 किलो खाद्य सामग्री नष्ट

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यभर में खाद्य सामग्री में मिलावट को रोकने और आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा आयुक्तालय द्वारा विशेष “ग्रीष्मकालीन मिलावट विरोधी अभियान” चलाया जा रहा है। यह अभियान 19 अप्रैल से 5 मई तक संचालित किया जा रहा है, जिसमें सभी जिलों में व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। अभियान के पहले तीन दिनों019 से 21 अप्रैल तक-राज्यभर में कुल 487 निरीक्षण किए गए और 1261 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा आयुक्त एच. गुइटे ने बताया कि इन नमूनों में से 507 एन्फोर्समेंट और 754 सर्विलांस सैम्पल शामिल हैं। ये सैम्पल मुख्यतः डेयरी उत्पाद, शीतल पेय पदार्थ, स्नैक्स और मिठाइयों से संबंधित हैं, जो गर्मी के मौसम में अधिक उपयोग में लिए जाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि नमूनों की जांच के दौरान संदेहास्पद खाद्य सामग्री पर त्वरित कार्रवाई की गई। अब तक 9189 किलो मिलावटी या संदिग्ध खाद्य सामग्री को नष्ट किया गया है, जबकि 15968 किलो से अधिक खाद्य सामग्री को सीज किया गया है। इससे साफ जाहिर होता है कि मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। अभियान की मॉनिटरिंग राज्य स्तर से प्रतिदिन की जा रही है। सभी जिलों में नियुक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारियों (एफएसओ) को इस विशेष अवधि में कम से कम 60 नमूने लेने का निर्देश दिया गया है।

बैंक में स्पेशल ऑफिसर की नौकरी दिलवाने के नाम पर ठगे 56.84 लाख

आरोपी पुलिस हिरासत में

नागौर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बैंक ऑफ इंडिया में स्पेशल ऑफिसर की नौकरी का लालच देकर 56.84 लाख की ठगी करने के आरोप में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ जारी है और ठगी के पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

नागौर की साइबर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंक ऑफ इंडिया में स्पेशल ऑफिसर की नौकरी दिलाने का झांसा देकर 56 लाख से ज्यादा की ठगी करने के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

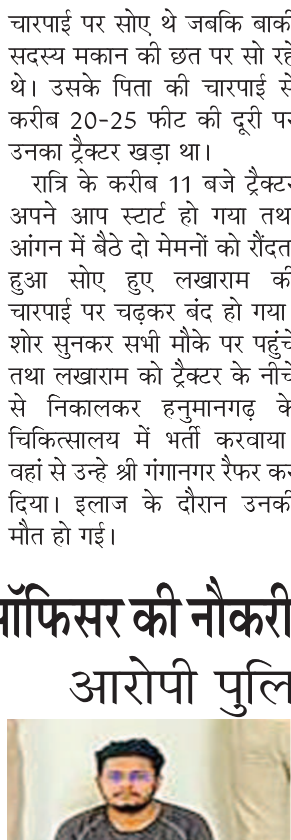

जानकारी के अनुसार पीड़ित राकेश पुत्र भंवरलाल ने साइबर थाने में रिपोर्ट दी थी कि पिछले दिनों उसकी जान-पहचान करौली जिले के गढ़ी मोसमाबाद निवासी रामनरेश मीणा पुत्र भामोली मीणा से हुई थी। रामनरेश ने उसे बताया कि वह उसे बैंक ऑफ इंडिया में स्पेशल ऑफिसर के पद पर नौकरी दिलवा सकता है, जिसके लिए उसने 56 लाख 84 हजार रुपये की मांग की। राकेश ने आरोपी की बातों में आकर यह राशि अलग-अलग चरणों में उसके खाते में ट्रांसफर कर दी लेकिन रुपये देने के बावजूद आरोपी लगातार बहाने बनाता रहा और बार-बार तारीखें टालता रहा, जिससे राकेश को शक हुआ और उसने पुलिस में मामला दर्ज कराया।

साइबर थाना पुलिस ने राकेश की रिपोर्ट पर धारा 420 और 406 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरपीएस उमेद सिंह ने बताया कि फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और ठगी के पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

धर्म परिवर्तन कराने के प्रयास में विदेशी समेत दो लोग गिरफ्तार

कोटा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में बजरंग दल के सदस्यों ने मोतीपुरा गांव में धर्मांतरण गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी.

जिसके बाद एक अमेरिकी नागरिक समेत दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी.

सिर और प्राइवेट पार्ट पर धारदार हथियार से कई वार

चौकीदार की हत्या मामले में साइको किलर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भीलवाड़ा शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में स्थित अयप्पा मंदिर के चौकीदार की बेरहमी से हत्या कर दी गई. यही नहीं आरोपी ने चौकीदार के सिर और प्राइवेट पार्ट पर धारदार हथियार से कई बार वार किए और उसके गुप्तांग को भी काट दिया. सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से मात्र 1 घंटे में ही आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी आदतन अपराधी है और साइको बताया जा रहा है.

दरअसल, क्षेत्र में स्थित अयप्पा मंदिर में चौकीदार मलान निवासी लाल सिंह रावणा राजपूत के पास साउथ इंडियन हाल प्रताप नगर निवासी दीपक नायर आया. यहां उनके बीच किस बात को लेकर बहस हो गई.

बाद में नायर ने लाल सिंह से मारपीट करते हुए उसकी बेरहमी से हत्या कर दी. इस दौरान उसने उसके सिर पर धारदार हथियार से कई बार वार किए. इसके बाद उसने चौकीदार के गुप्तांग को भी काट दिया.

चौकीदार की हत्या के कारण मंदिर परिसर में खून ही खून फैल गया. यही नहीं, हत्या करने के बाद आरोपी ने परिसर में आराम से बैठकर अपना सिर भी धोया. दूसरी ओर मोर्चरी पर मृतक के परिजन मुआवजे की मांग को लेकर एकत्र हुए हैं. पुलिस उप अधीक्षक भीलवाड़ा सदर श्याम सुंदर बिश्नोई ने कहा कि देर रात ढाई बजे सूचना मिली कि रमा विहार में अयप्पा मंदिर है, उसके चौकीदार की हत्या कर दी गई है.

आवास का वादा कर ठगी करने वालों ने एक व्यक्ति को ठगा

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर जालसाजों ने श्रीशैलम में एक गेस्ट हाउस में कमरा बुक करने का वादा करके शहर के एक 31 वर्षीय व्यक्ति से एक लाख रुपये की ठगी की। शिकायतकर्ता श्रीशैलम मंदिर जाने की योजना बना रहा था, इसलिए उसने गेस्ट हाउस से संबंधित एक फर्जी वेबसाइट पर दिए गए नंबर पर संपर्क किया। दूसरी तरफ मौजूद व्यक्ति, जिस पर एक घोटालेबाज होने का संदेह है, ने कहा कि प्रति कमरे का किराया 1,000 रुपये था, जिसका भुगतान शिकायतकर्ता ने किया था। इसके बाद, उन्हें जीएसटी शुल्क के रूप में 180 रुपये का अतिरिक्त भुगतान करने के लिए एक कॉल आया। हालाँकि, पीड़ित ने जीएसटी राशि का भुगतान नहीं किया, इसलिए बुकिंग की पुष्टि नहीं हुई।

साइबर क्राइम अधिकारी ने बताया कि इसके बाद पीड़ित ने पहले से भुगतान की गई राशि वापस करने का अनुरोध किया। उसे एक नंबर पर एक व्यक्ति से संपर्क करने के लिए कहा गया, जहां कॉल करने वाले ने उसे रिफंड प्रक्रिया शुरू करने के लिए 1 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। कॉल करने वाले पर भरोसा करके उसने भुगतान कर दिया और टोकन के तौर पर 2 रुपये प्राप्त किए। इसके बाद जालसाज ने शिकायतकर्ता के बैंक खाते से पैसे निकाल लिए। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

कांग्रेस पार्टी गांधीवादी सिद्धांतों के आधार पर काम करेगी : मीनाक्षी नटराजन

तेलंगाना में पार्टी संरचना में आमूलचूल परिवर्तन करेगी: टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने घोषणा की है कि तेलंगाना में पार्टी के संगठन में आमूलचूल परिवर्तन किया जाएगा, जिसमें गांव से लेकर जिला स्तर तक सभी कार्य समूहों के लिए नई संरचना स्थापित की जाएगी। बुधवार को गांधी भवन में तेलंगाना राज्य पर्यवेक्षकों की बैठक हुई, जिसमें एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ और पार्टी के अन्य नेता शामिल हुए। बैठक के बाद एक प्रेस वार्ता के दौरान, महेश कुमार गौड़ ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन ने पार्टी के विकास को बढ़ाने के उद्देश्य से मार्गदर्शन प्रदान किया था। उन्होंने बताया कि पर्यवेक्षकों के लिए कार्य को तीन चरणों में विभाजित किया गया है और पार्टी नेताओं को 25 से 30 अप्रैल के बीच जिला स्तरीय बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। जिला बैठकों में ब्लॉक और मंडल अध्यक्षों को शामिल करने की सिफारिश की गई है। इसके अतिरिक्त, सांसदों, विधायकों, एमएलसी, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों, एआईसीसी और पीसीसी पदाधिकारियों के साथ-साथ जिला स्तर पर वरिष्ठ नेताओं को भी आमंत्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि टास्क-2 चरण में विधानसभा और ब्लॉक स्तर पर बैठकें होनी चाहिए, इसके बाद टास्क-3 में मंडल बैठकें होनी चाहिए। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि जय भीम, जय बापू और जय संविधान कार्यक्रम तेलंगाना में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त कर रहे हैं, समन्वयक अपनी सौंपी गई जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से पूरा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एआईसीसी के वरिष्ठ नेता तेलंगाना में जय बापू और जय भीम कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन से प्रसन्न हैं। महेश कुमार गौड़ ने राज्य में पार्टी की प्रभावशीलता के लिए एक मजबूत संगठनात्मक ढांचे के महत्व पर प्रकाश डाला। एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी गांधीवादी सिद्धांतों के आधार पर काम करेगी और उन्होंने सिफारिश की कि पार्टी की विचारधारा और संगठनात्मक विकास गांव स्तर पर शुरू होना चाहिए। उन्होंने पार्टी नेताओं से इस प्रयास में गंभीरता और प्रतिबद्धता से शामिल होने का आग्रह किया। "हम गुजरात मॉडल का अनुसरण करते हुए तेलंगाना में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को अपनाने की योजना बना रहे हैं। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा लोगों के बीच व्यापक रूप से साझा की जाए," उन्होंने पार्टी नेताओं को सलाह दी।

डॉक्टरों ने चेहरे की पहचान वाली उपस्थिति प्रणाली लागू करने के एनएमसी के फैसले का किया विरोध

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के सरकारी डॉक्टर, विशेष रूप से एमबीबीएस मेडिकल छात्रों को चिकित्सा पढ़ाने में शामिल नैदानिक विशेषज्ञ, सभी मेडिकल कॉलेजों में चेहरे पर आधारित उपस्थिति दर्ज करने की प्रणाली को लागू करने के राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के फैसले का विरोध कर रहे हैं। निजता के उल्लंघन, डेटा सुरक्षा और पेशेवर स्वायत्तता के अपमान सहित कई अन्य कारणों का हवाला देते हुए, तेलंगाना राज्य के सरकारी डॉक्टरों ने एनएमसी के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा है, जिसमें उनसे डॉक्टरों के लिए चेहरे पर आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) के अनिवार्य उपयोग पर पुनर्विचार करने या छूट देने का आग्रह किया है।

16 अप्रैल को एनएमसी ने एक परिपत्र में देश के सभी निजी और सरकारी मेडिकल कॉलेजों को निर्देश दिया कि वे मौजूदा फिंगरप्रिंट-आधारित एईबीएएस प्रणाली को, जो शिक्षण अस्पतालों में संकाय और अन्य सभी प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए लागू की जा रही है, 1 मई 2025 से चेहरे पर आधारित प्रणाली से बदल दें। तेलंगाना राज्य सरकार डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीएसजीडीए) के सदस्य इस फैसले का विरोध कर रहे हैं।

टीएसजीडीए के सदस्यों ने कहा कि हमारे लिए, फेशियल एईबीएएस डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के बारे में गंभीर चिंताएँ पैदा करता है। इंटरनेट कनेक्टिविटी में बार-बार होने वाली गड़बड़ियाँ, सर्वर डाउनटाइम और चेहरे की पहचान में अशुद्धियाँ पहले ही डॉक्टरों के लिए मुश्किलें और अनुचित दंड का कारण बन चुकी हैं। सरकारी डॉक्टर आपातकालीन सेवाओं, रात की ड्यूटी और फील्डवर्क सहित लंबे समय तक काम करते हैं। कठोर प्रणाली और पेशेवर गरिमा का ध्यान नहीं रखती है।

एनएमसी के इस कदम से देखभाल करने वालों के मानसिक स्वास्थ्य और मनोबल पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली की अनिवार्य और बलपूर्वक प्रकृति मनोबल को प्रभावित करती है, उन चिकित्सा पेशेवरों के बीच अविश्वास का माहौल बनाती है जो पहले से ही काम के बोझ से दबे हुए हैं।

टीएसजीडीए ने कहा कि उपस्थिति और प्रदर्शन की निगरानी करने तथा अनावश्यक और प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए पहले से ही मजबूत प्रशासनिक तंत्र मौजूद है। डॉक्टरों को अनिवार्य फेस एईबीएएस से छूट दी जानी चाहिए तथा इस तरह के व्यापक बदलावों को लागू करने से पहले मेडिकल एसोसिएशनों सहित हितधारकों के साथ परामर्श प्रक्रिया की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए।

श्रीनगर में फंसे तेलंगाना के करीब 80 पर्यटक

केटीआर ने सरकार से उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का किया आग्रह

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। व्यापार संगठनों और राजनीतिक दलों द्वारा बंद के आह्वान के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में सुरक्षा उपायों को बढ़ाए जाने के कारण तेलंगाना के लगभग 80 पर्यटक मंगलवार से श्रीनगर में फंसे हुए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अनुरोध पोस्ट किए और वीडियो प्रसारित करके राज्य सरकार से जल्द से जल्द उनकी सुरक्षित घर वापसी में मदद करने की अपील की।

ये पर्यटक एक बड़े समूह का हिस्सा हैं, जिसमें युवा और वृद्ध दोनों शामिल हैं, जो कथित तौर पर हैदराबाद, मेदक, वारंगल, महबूबनगर और नलगोंडा जिलों से हैं। बताया जाता है कि वे मंगलवार की सुबह जम्मू पहुंचे और दोपहर 3 बजे के आसपास श्रीनगर पहुंचे। होटल में चेक-इन करने के तुरंत बाद ही आतंकवादी हमले की खबर मिली। जबकि वे राज्य का दौरा करने और 26 अप्रैल को अपने गृहनगर लौटने वाले थे, तनावपूर्ण माहौल ने उन्हें बेचैन और अनिश्चित बना दिया है।

आईएमडी-हैदराबाद ने राज्य के कुछ हिस्सों के लिए जारी किया 'रेड अलर्ट'

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद द्वारा तेलंगाना राज्य के कई जिलों के लिए आने वाले चार दिनों के लिए बुधवार शाम तक लाल गर्मी की लहर की चेतावनी जारी की गई है।

आईएमडी-हैदराबाद लाल वर्गीकरण न केवल गर्मी की लहर की चेतावनी को दर्शाता है, बल्कि गर्म रातों को भी दर्शाता है, जिसमें न्यूनतम तापमान असामान्य रूप से उच्च बना रहता है और सभी आयु समूहों में लोगों को गर्मी से होने वाली बीमारी और हीट स्ट्रोक होने की बहुत अधिक संभावना होती है। आईएमडी-हैदराबाद ने सलाह दी है कि कमज़ोर आयु समूहों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है।

जिन जिलों के लिए शनिवार तक रेड अलर्ट हीट वेव की चेतावनी जारी की गई है उनमें आदिलाबाद, जगतियाल, जयशंकर भूपालपल्ली, करीमनगर, कुमारम भीम आसिफाबाद, मनचेरियल, मुलुगु, निर्मल, निज़ामाबाद, पेद्दापल्ली और राजन्ना सिरसिल्ला शामिल हैं। रेड अलर्ट के अलावा, आईएमडी-हैदराबाद ने शनिवार तक तेलंगाना के सभी जिलों के लिए हीट वेव और गर्म रात की स्थिति की चेतावनी भी जारी की है। इन जिलों में, जबकि दिन का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना है, रात का तापमान असामान्य रूप से अधिक रहने की उम्मीद है। दिन और रात के दौरान तापमान सामान्य से काफी अधिक रहेगा, यह एक ऐसा संयोजन है जो काफी जोखिम भरा है, क्योंकि इसमें मानव शरीर को लंबे समय तक गर्मी के तनाव में रखना शामिल है।

जिन जिलों के लिए गर्म रातों के साथ हीट वेव की चेतावनी जारी की गई है उनमें आदिलाबाद, आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, मेदक, कामारेड्डी, महबूबनगर, राजन्ना सिरसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा शामिल हैं। जनगांव, सिद्दीपेट, यदाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, नगरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट, जोगुलम्बा गडवाल जिले शामिल है।

इस बीच, तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के तापमान आंकड़ों से पता चला है कि मंगलवार और बुधवार के बीच विभिन्न जिलों में कई स्थानों पर तापमान 44 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। आदिलाबाद के तलमदुगु में अधिकतम तापमान 44.% डिग्री सेल्सियस, कामारेड्डी जिले के मेनूर (मदनूर मंडल) में 44.5 डिग्री सेल्सियस और निर्मल जिले के पेम्बी में 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आसिफाबाद (कुमराम भीम आसिफाबाद) में अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि निजामाबाद के कोटगिरी में 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हैदराबाद में, एलबी नगर में (मंगलवार और बुधवार के बीच) औसत अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि जुबली हिल्स में 42.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उप्पल, हयातनगर, सरूरनगर, राजेंद्रनगर, गोशामहल, मुशीराबाद, अंबरपेट आदि क्षेत्रों में औसत अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गर्मी की लहर की तीव्रता इतनी अधिक रही कि हैदराबाद के एक या दो क्षेत्रों में दिन का न्यूनतम तापमान 41.0 डिग्री सेल्सियस रहा।

बी.सी. आयोग ने पहलगाम में आतंकवादी हमले की निंदा की

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कश्मीर में कल हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए बीसी आयोग कार्यालय में एक शोक सभा आयोजित की गई। बीसी आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन, सदस्य रापोलू जयप्रकाश, तिरुमलगिरी सुरेन्द्र, उप निदेशक यू. श्रीनिवास राव, विशेष अधिकारी जी. सतीश और अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया और पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मोमबत्ती जलाई गई, दो मिनट का मौन रखा गया तथा प्रस्ताव पारित किया गया।

तेलंगाना बी.सी. आयोग ने कल कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। जिसमें लगभग 28 पर्यटक बेरहमी से मारे गए। जिन परिवारों को उनकी पत्नियों और बच्चों के सामने गोली मार दी गई, उनके द्वारा अनुभव की गई मानसिक पीड़ा दिल दहला देने वाली थी।

आयोग समस्त मानवता से इस कृत्य की कड़ी निंदा करने का आग्रह करता है तथा सरकार से इस नरसंहार के अमानवीय कृत्य को रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह करता है। बीसी आयोग ने हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि इस घटना में जान गंवाने वालों की आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा उनके परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। वह संबंधित केंद्र और राज्य सरकारों से पीड़ितों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने और उनके बच्चों का भविष्य सुनिश्चित करने की अपील करती है।

तेलंगाना जाति जनगणना कर्मचारियों को अभी तक पारिश्रमिक नहीं मिला

करीमनगर, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में जाति जनगणना में भाग लेने वाले कर्मचारियों को पांच महीने बाद भी उनका पारिश्रमिक नहीं मिला है। हालांकि उनसे वादा किया गया था कि सर्वेक्षण पूरा होने के बाद उनके बैंक खातों में राशि जमा कर दी जाएगी, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं किया गया है। राज्य सरकार ने एमपीडीओ के माध्यम से राशि का भुगतान करने का फैसला किया है, इसलिए कर्मचारी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। हालांकि, पता चला है कि वे अपने खातों में राशि जमा नहीं करवा पा रहे हैं, क्योंकि सरकार ने राशि को अन्य उद्देश्यों के लिए डायवर्ट कर दिया है।

स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने नवंबर 2024 में जाति जनगणना करवाई। 9 से 24 नवंबर तक हुए इस सर्वेक्षण में विभिन्न सरकारी विभागों, निजी एजेंसियों के कर्मचारी शामिल थे। इस उद्देश्य के लिए 2,864 गणनाकार, 287 पर्यवेक्षक, 20 विशेष अधिकारी और 2,256 डेटा एंट्री ऑपरेटरों सहित कुल 3,171 कर्मचारियों का उपयोग किया गया। इस सर्वेक्षण में वार्ड अधिकारी, बिल कलेक्टर, फील्ड सहायक, सरकारी शिक्षक और मंडल स्तर के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

प्रत्येक परिवार की विस्तृत जानकारी एक विशेष फॉर्म में एकत्रित करने के साथ ही उसका विवरण वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। सरकार ने अलग-अलग कैडर के कर्मचारियों के लिए अलग-अलग राशि तय की थी। सुपरवाइजर के लिए 12,000 रुपये, गणनाकारों के लिए 10,000 रुपये और डाटा एंट्री ऑपरेटर (प्राइवेट) को 750 रुपये दिए जाने थे। विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत संविदा ऑपरेटरों के लिए यह राशि 350 रुपये थी।

आदिलाबाद में दो मिनीवैन और गौशाला जलकर राख

आदिलाबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को थमसी मंडल के कप्परला गांव में आग लगने से दो मिनीवैन और एक गौशाला जल गई, जबकि एक अन्य मिनीवैन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। संपत्ति के नुकसान का अनुमान 10 लाख रुपये से अधिक है। आदिलाबाद के प्रभारी अग्निशमन अधिकारी और अग्रणी फायरमैन टी सुंगन्ना ने कहा कि दो वैन और एक गौशाला जलकर राख हो गई, जबकि कथित तौर पर लापरवाही के कारण दोपहर करीब दो बजे आग लगने से एक अन्य वैन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। यह संपत्ति गंद्रा कृष्ण कुमार, अभिलाष और प्रवीण कुमार की थी। आदिलाबाद से एक दमकल गाड़ी बुलाई गई और आग बुझाई गई। सुंगन्ना, फायरमैन पृथ्वीराज, शशिधर रेड्डी, सिद्धेश्वर, ड्राइवर श्रीनिवास ने अग्निशमन अभियान में हिस्सा लिया।

नराकास (उपक्रम) वार्षिक राजभाषा प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आरईसी-आईपीएमटी, हैदराबाद में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को प्रोत्साहित करने हेतु एक दिवसीय "अनुवाद प्रतियोगिता" का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में हैदराबाद स्थित सभी सदस्य उपक्रम कार्यालयों से बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में वार्षिक राजभाषा प्रतियागिताओं का शुभारंभ किया गया। समिति के समन्वय कार्यालय इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) ने वार्षिक प्रतियोगिताओं तथा राजभाषा संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुनियोजित किया है। इस शुभारंभ समारोह के अंतर्गत सदस्य-सचिव ने गत वर्ष प्रतियोगिता आयोजन के लिए आरईसी-आईपीएमटी को "राजभाषा प्रेरणा पुरस्कार शील्ड' तथा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राजेश राज, निदेशक, आरईसी-आईपीएमटी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में सरकारी कार्यप्रणाली में राजभाषा हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल भाषा-संवर्धन का माध्यम हैं, बल्कि कार्यकुशलता भी बढ़ाती हैं।

कार्यक्रम का समुचित संचालन एवं समन्वयन डॉ. राजनारायण अवस्थी, सदस्य-सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत करते हुए आरईसी-आईपीएमटी का आयोजन हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में उन्होंने कहा कि अनुवाद हिंदी की व्यावहारिक शक्ति को उजागर करने वाला एक सशक्त माध्यम है, जो राजभाषा के क्रियान्वयन को गति देता है। प्रतियोगिता का संचालन एस. ए. सुकुर, उप निदेशक (से.नि.), भू-सर्वेक्षण प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतियोगिता की रूपरेखा, नियमावली और मूल्यांकन प्रक्रिया को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया। कार्यक्रम का संचालन सुधीर चोपड़े, महाप्रबंधक के निर्देशन में सुश्री रचना ने किया। आरईसी-आईपीएमटी की ओर से उन्नशिम शारू, सहा. प्रबंधक ने कार्यक्रम का समन्वय किया श्रीमती नीतू सिन्हा, बीएसएनएल, एचटीडी ने कार्यक्रम में पर्यवेक्षक के रूप में योगदान दिया। प्रतिभागियों ने अंग्रेज़ी से हिंदी में अनुवाद करते हुए अपनी भाषा-कुशलता, गहन समझ और प्रस्तुति क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम न केवल राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ, बल्कि सदस्य कार्यालयों के मध्य समन्वय, सहभागिता और रचनात्मक प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा देने वाला रहा। कार्यक्रम में नराकास कोर समिति के वरिष्ठ सदस्य रमेश प्रसाद मिश्र, पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन; एम. नरेन्द्रनाथ, कनि. हिन्दी अनुवादक, बीएसएनएल, परिमंडल कार्यालय प्रतियोगिता संचालन में सहयोग किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में नराकास समन्वय कार्यालय के अजहर सुल्तान, डॉ. सीएच. अम्बेडकर तथा वी. कनका श्री महालक्ष्मी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती बड़ी धूम धाम से हुई जिसमें सभी ने अपनी मनोकामना मांगी हमारे दर्शन का लाभ लिया आई का प्रसाद मुंगदाल हलवा कचौरी का भोग गणेशजी को लगा केर सभी ने प्रसाद ग्रहण किया जिसमें 400 भक्तों ने लाभ लिया भगलेन वालो में राजेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदेवा पद्मा पल्लवी विजयरानी विजया संध्या अग्रवाल पुष्पलता दसारी नारायण काइलश दांडू बद्रीनाथ बाबूलाल केडिया भोजरेड्डी प्रवीण कुमार अग्रवाल सेसैया गरु विजय कुमार अग्रवाल कृष्ण अग्रवाल कनिष्क अशोक लाखोटिया विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले अशोक सरायवाला सुभाष अग्रवाल दिनेश पांचाल गोविंद दास प्रमोद सरायवाला एवं अन्य

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सं. 2X25-ओएचइ-आरडीएम-केजेडजे-14 दि.21-04-2025 PUB/0422

कृते भारत के राष्ट्रपति भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, मुख्य बिजली अभियंता(परियोजनाएं), सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा (आनलाइन)

क्रम सं.01, 2X25-ओएचइ-आरडीएम-केजेडजे-14 कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे) के तहत सिकंदराबाद डिवीजन के रामगुन्डम(आरडीएम)-काजीपेट (केजेडजे) सेक्शन में फीडर तथा एर्थिंग कार्यों सहित मौजूदा 1X25 केवी सिस्टम से 2X25केवी एटी फीडींग सिस्टम के ओएचइ अपग्रेडेशन या अद्यतन के लिए डिजाइन, आपूर्ति, परीक्षण तथा कमिशनींग कार्य। कुल 92 आरकेएम/276 टीकेएम
अनुमानित लागतःरु.1213677025.90 आनलाइन में जमा की जानेवाली पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु. 6218400/- निविदा प्रपत्र मूल्यःरु. शून्य कार्य पूरा करने की अवधिः 18 महिने (अठारह महिने) निविदा खोलने की जगहः सिकंदराबाद

ई-निविदा द्वारा (आनलाइन में) निविदा बंद करने की तिथि व समयः दि.10.06.2025 के 15.00 बजे
ई-निविदा द्वारा (आनलाइन में) निविदा खोलने की तिथि व समयः दि.10.06.2025 के 15.30 बजे
निविदा नियम शर्तों/अधिक जानकारी एवम् निविदाओं की प्रस्तुति के लिए हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।
टिप्पणीः निविदा दस्तावेजों/शुध्दिपत्रों/जोड में कोई परिवर्तन के संबंध में, आवश्यक होने पर, उसे उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जायेगा।

मुख्य बिजली अभियंता/परियोजनाएं/सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. -04-जीएस-एससी-II-25-ओटी दि.21-04-2025 PUB/0423

भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीएओ/सी/आरएसपी/एससीआर-इंजीनियरिंग/दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्यूरमेंट के माध्यम से दि.14.05.2025 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. 04-जीएस-एससी-II-25-ओटी कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः गति शक्तिः एमबीएनआर-डीएचएनइ के बीच डबलिंग आफ लाइन सहित तत्संबंधित मौजूदा एमबीएनआर स्टेशन बिल्डिंग एवं प्लाटफार्म नं.1 का पुनर्निर्माण करना। विज्ञापित मूल्य रु.79613394.17 पूधराः रु.548100.00

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति, हैदराबाद

ई-निविदा सूचना सं. 462/डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी दि.21.04.2025 PUB/0424

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.14-05-2025 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01 टेंडर आयडी 2765 एसआर डीइएन/ डीइएन सेक्शन -उत्तर कार्य विवरणः जीएनटी डिवीजनः पीजीडीपी-एनडीकेडी सेक्शनः बाउण्डरी वाल की लम्बाई 7.56 किमी के लिए, गति 130 किमी प्रति घंटा एवं इससे अधिक के लिए, ट्रैक के चहुं ओर बाउण्डरी वाल का प्रावधान। (फेज-II) अनुमानित लागत रु. 75371478.00, पूधरा रु.526900.00

क्रम सं.02 टेंडर आयडी 2766 एसआर डीइएन/ डीइएन सेक्शन -उत्तर कार्य विवरणः जीएनटी डिवीजनः जीएनटी-एनडीकेडी सेक्शनः बाउण्डरी वाल की लम्बाई 9.84 किमी के लिए, गति 130 किमी प्रति घंटा एवं इससे अधिक के लिए, ट्रैक के चहुं ओर बाउण्डरी वाल का प्रावधान। (फेज-11) अनुमानित लागत रु. 97737741.00, पूधरा रु. 638700.00

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय 14-05-2025 के 15.30 बजे तक है।विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लागिन करें।
कोई भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), गुन्टूर

ई-निविदा सूचना सं. 463/डीआरएम/डब्ल्यू/जीएनटी दि.22.04.2025 PUB/0425

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.15-05-2025 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-01 टेंडर आयडीः 2767 एसआर डीइएन/डीइएन सेक्शनः उत्तर, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-1, 12 महिनों की अवधि के लिए डीइएन/नार्थ/जीएनटी क्षेत्राधिकार के तहत ड्रैनेज सिस्टम की मरम्मत, पम्पिंग आरयुबीज पर डिसील्टिंग कार्य। एसडब्ल्यू-2, 12 महिनों की अवधि के लिए डीइएन/नार्थ/जीएनटी क्षेत्राधिकार के तहत रेलवे स्टाफ क्वार्टर्स, निम्न स्टेशनों जैसे एनडीकेडी, एमसीएलए, पीडीजीएन, वीएनयुपी, केडीजीएल, एमआरजीए, जेएनपीडी, बीएमएमपी,एनआरडीपी, आरएमएनपी, वीएलजी, सीटीवायएल,एसआरएमआर, आरवायजीए, टीपीपीआय, केएडीएम, टीएमएलयु के लिए पेयजल की आपूर्ति व विजेए, एलसीज, ट्रैक मशीनों व गुड्स शेड्स का तत्संबंधित कार्य। अनुमानित लागतःरु.12464170.00 पूधराःरु. 212300.00

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय 15-05-2025 के 15.30 बजे तक है।विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लागिन करें।
कोई भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), गुन्टूर

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/एसजी/36/324 दि.16-04-2025 PUB/0426

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि. 9-5-2025 के 12.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

आय़डी नं. 324 कार्य विवरणः 12 महिनों की अवधि के लिए, गुन्टूर डिवीजन के डीएसटीइ/जीएनटी सेक्शन (केसीसी-जीएनटी-एनडीपीयु व आरएएल-जीएनटी-आरइएम सेक्शन्स) के सिग्नल व दूरसंचार संपत्तियों या एस्सेट्स की मरम्मत करना। विज्ञापित निविदा मूल्यः रु. 96,88,890.40, पूधरा/बोली सुरक्षा राशिः रु.1,93,800.00
निविदा दस्तावेज मूल्यः रु. शून्य

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय 09-05-2025 के 12.00 बजे तक है।विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लागिन करें।
कोई भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/गुन्टूर

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी /एसजी/36/325 दि.17-04-2025 PUB/0427

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि. 12-5-2025 के 12.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

आय़डी नं. 325 कार्य विवरणः 12 महिनों की अवधि के लिए, गुन्टूर डिवीजन के एडीएसटीइ/जीएनटी सेक्शन (आरइएम(इएक्स)-पीजीडीपी, पीजीआरएन-एनएलपीआई-एनडीकेडी-एमसीएलए व वीएनयुपी-जेएनपीडी सेक्शन्स) के सिग्नल व दूरसंचार संपत्तियों या एस्सेट्स की मरम्मत करना। विज्ञापित निविदा मूल्यः रु. 90,77,480.85, पूधरा/बोली सुरक्षा राशिः रु.1,81,600.00 निविदा दस्तावेज मूल्यः रु. शून्य

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय 12-05-2025 के 12.00 बजे तक है।विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लागिन करें।
कोई भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/गुन्टूर

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/एसजी/36/326 दि.21-04-2025 PUB/0428

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि. 14-5-2025 के 12.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

आय़डी नं. 326 कार्य विवरणः 12 महिनों की अवधि के लिए, गुन्टूर डिवीजन के एडीएसटीइ/एनडीएल सेक्शन (एनडीपीयु(इएक्स)-एनडीएल एण्ड एसवायएम-एनएलपीआई(इएक्स) सेक्शन्स) के सिग्नल व दूरसंचार संपत्तियों या एस्सेट्स का मरम्मत कार्य। विज्ञापित निविदा मूल्यः रु. 1,12,59,952.75, पूधरा/बोली सुरक्षा राशिः रु.2,06,300.00 निविदा दस्तावेज मूल्यः रु. शून्य

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समय 14-05-2025 के 12.00 बजे तक है।विस्तृत विवरण हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लागिन करें।
कोई भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/गुन्टूर

A0533

निविदा की नियम/शर्तों अधिक विवरण की जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scrindianrailways.gov.in देखें।

पहलगाम आतंकी हमले से दहल गए मोहम्मद शमी

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने घटना को लेकर सोशल मीडिया पर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की. साथ ही इस कठिन समय में एकजुट रहने की अपील की है.

पहलगाम आतंकी हमले से पूरा देश आहत है. वहीं क्रिकेट जगत ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी सचिन तेंदुलकर से लेकर विराट कोहली तक, कई मशहूर खिलाड़ी इस घटना की निंदा कर चुके हैं. उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और कड़ी कार्रवाई की भी मांग की. टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी इस आतंकवादी घटना से दहल गए हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर दुख जताया और कहा कि इस तरह की घटनाएं हमारे देश के समाज को कमजोर बनाती हैं. उन्होंने इस कठिन समय में सभी देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की है.

शमी ने क्या कहा ?

शमी ने इस हमले को लेकर कहा, "पहलगाम में हुए दुखद आतंकवादी हमले पर मुझे बहुत दुख है. इस क्रूर हमले में कई निर्दोष लोगों की जान चली गई और परिवार बिखर गए. इस तरह की हिंसा ना केवल एक इंसान को निशाना बनाती है, बल्कि हमारे समाज के ताने-बाने को भी कमजोर करती है. इस कठिन समय में, हमें आतंकवाद की निंदा करने और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करने में एकजुट होना चाहिए. यह जरूरी है कि हम शांति के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखें. हमारी संवेदनाएं इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं और न्याय के लिए प्रार्थना करते हैं."

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है. इस घटना में करीब 26 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं. इस आतंकी हमले का शिकार ज्यादातर पर्यटक हुए हैं, जिसने पूरे देश को हिला कर रख दिया है.

कोहली ने की न्याय की मांग

विराट कोहली ने हमले पर दुख जताया और न्याय की मांग की. उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए कहा, पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए जघन्य हमले से बहुत दुखी हूं. पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है. इस क्रूर कृत्य के लिए न्याय मिलने और अपनी जान गंवाने वाले सभी लोगों के परिवारों को शांति और शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं. वहीं हार्दिक पंड्या ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त की. उन्होंने कहा, पहलगाम से आई खबर से मैं स्तब्ध हूं. मेरी संवेदनाएं पीड़ित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं.

सचिन ने कही ये बात

सचिन ने कहा, पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए दुखद हमलों से स्तब्ध और बहुत दुखी हूं. प्रभावित परिवार अकल्पनीय पीड़ा से गुजर रहे होंगे.

भारत और दुनिया इस अंधेरे समय में उनके साथ खड़ी है. हम जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हैं और न्याय के लिए प्रार्थना करते हैं.

सौरव गांगुली को मिलेंगे 125 करोड़ रुपये

स्टार जलसा के साथ साइन की बड़ी डील

कोलकाता, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। हाल ही में आईसीसी मेंस क्रिकेट कमेटी के दोबारा से चेयरमैन बनाए गए सौरव गांगुली को अब 125 करोड़ रुपये मिलेंगे. ये पैसे उन्हें उनकी नई डील के तहत मिलेंगे, जिसके मुताबिक उन्हें 'दादागिरी' छोड़नी होगी. 'दादागिरी' उस बंगाली क्विज शो का नाम है, जिसे सौरव गांगुली होस्ट करते हैं. गांगुली ने 125 करोड़ रुपये की डील स्टार जलसा के साथ की है.

स्टार जलसा के साथ 125 करोड़ की डील

बंगाली टेलीविजन पर आने वाले क्विज शो 'दादागिरी' को होस्ट करने के बाद सौरव गांगुली बंगाल के घर-घर में फेमस हो चुके हैं. रिपोर्ट के मुताबिक उनकी उसी लोकप्रियता को अब स्टाल जलसा भुनाना चाहती है, जिसने उनसे 4 साल की डील 125 करोड़ रुपये में की है. इसके एवज में गांगुली बिग बॉस बांग्ला को होस्ट करेंगे. उसके अलावा चैनल एक नया क्विज शो भी लेकर आने वाला है. ये दोनों शो अगले साल से टेलीकास्ट होंगे, जिसके प्रोडक्शन का काम जुलाई 2025 से शुरू हो जाएगा.

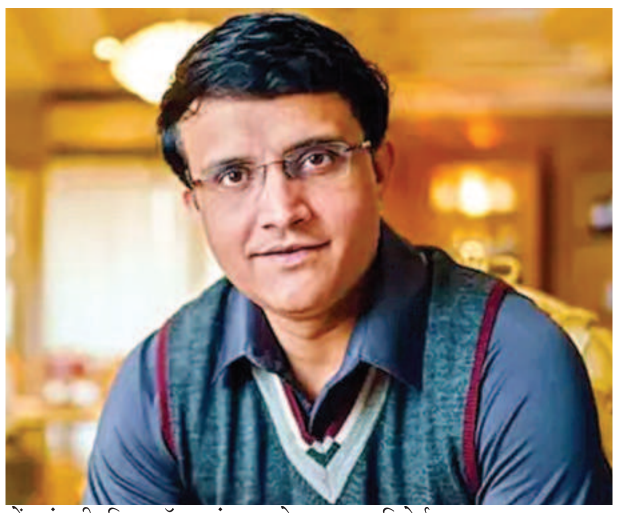

सौरव गांगुली नई डील से खुश- रिपोर्ट

रिपोर्ट में सौरव गांगुली के हवाले से लिखा गया कि वो अपनी नई डील से खुश हैं. उन्हें स्टार जलसा के साथ जुड़ने की खुशी है. उन्होंने कहा वो और स्टार जलसा अब एक नए अध्याय की शुरुआत करेंगे, जिसका फोकस नॉन-फिक्शन कार्यक्रमों पर होगा.

गांगुली ने आगे कहा कि उन्हें हमेशा से क्रिकेट से परे जाकर लोगों से जुड़ना पसंद रहा है. स्टार जलसा के साथ उन्हें वो मौका और ज्यादा मिलेगा. उन्हें उन रियल लाइफ स्टोरीज से दो चार होने का मौका मिलेगा, जिसने लोगों को प्रभावित किया है.

सौरव गांगुली भारत के पूर्व कप्तान रहे हैं. 52 साल के गांगुली 2021 में पहली बार ICC क्रिकेट कमेटी के चेयरमैन बने थे. और अब इस साल उन्हें दोबारा से उस पद पर चुन लिया गया है. गागंली ने इस रोल ने साल 2021 में अनिल कुंबले को रिप्लेस किया था.

सौरव गांगुली ने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे खेले हैं, जिसमें उन्होंने 18000 से ज्यादा रन बनाए हैं. इंटरनेशनल क्रिकेट में गांगुली के नाम 38 शतक हैं.

आईपीएल 2025 के बीच टीम इंडिया के 15 खिलाड़ियों का लगा कैंप

श्रीलंका और साउथ अफ्रीका क्रिकेट सीरीज की तैयारी

बेंगलुरु, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में आईपीएल का माहौल तो है ही. लेकिन T20 क्रिकेट के इस बड़े महोत्सव के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट सीरीज का भी रोमांच देखने को अब तैयार हो जाएं. बेंगलुरु में भारत की महिला क्रिकेट टीम का कैंप लग चुका है, जिसमें वो 15 खिलाड़ी शिरकत करती दिख रही हैं, जिन्हें ट्राई-नेशन सीरीज के लिए चुना गया है. ये ट्राई- नेशन वनडे फॉर्मेट में खेली जानी है, जिसकी शुरुआत 27 अप्रैल से होगी. मतलब भारत ने सीरीज शुरू होने से 3 दिन पहले ही तैयारियों को परखने के लिए अपना कैंप लगा लिया है.

27 अप्रैल से 11 मई तक सीरीज

ट्राई नेशन सीरीज का आयोजन श्रीलंका की मेजबानी में होगा. इस सीरीज में भारत और श्रीलंका के अलावा एक और टीम साउथ अफ्रीका की होगी. ट्राई-नेशन सीरीज 27 अप्रैल से शुरू होकर 11 मई तक चलेगी. 14 दिन तक चलने वाली इस सीरीज में फाइनल समेत कुल 7 मुकाबले खेले जाएंगे.

बेंगलुरु में टीम इंडिया का कैंप लगा

ट्राई-नेशन सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का कैंप 23 अप्रैल से बेंगलुरु में शुरू हुआ है. इस कैंप में कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत के सभी 15 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया. कैंप लगाने का मुख्य मकसद खिलाड़ियों की ताकत और कमजोरी को परखना, उस पर काम करना, खिलाड़ियों के बीच आपसी तालमेल को बढ़ाना और सबसे बढ़कर तैयारियों को परखना है.

ट्राई सीरीज का शेड्यूल

महिला टीमों के बीच ट्राई सीरीज के पहले मैच में 27 अप्रैल को मेजबान श्रीलंका का सामना टीम इंडिया से होगा. इसके बाद 29 अप्रैल को भारत-साउथ अफ्रीका का सामना होगा. 1 मई को श्रीलंका की टक्कर साउथ अफ्रीका से होगी. वहीं 4 मई को भारत-श्रीलंका फिर से एक बार आमने-सामने होंगे. 7 मई को साउथ अफ्रीका और इंडिया टकराएंगे जबकि 11 मई को होने वाले फाइनल से पहले 9 मई को श्रीलंका और साउथ अफ्रीका की टक्कर होगी.

भारत के 15 खिलाड़ी

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्ज, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, कास्वी गौतम, यास्तिका भाटिया, ऋचा घोष, अरुंधती रेड्डी, सुचि उपाध्याय और एन. चरानी.

तीन साल में पहली बार मैड्रिड ओपन में उतरेंगे जोकोविच

100वें टूर खिताब पर रहेगी नजरें

मैड्रिड, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व चैंपियन नोवाक जोकोविच तीन साल में पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में उतरेंगे। उनकी निगाह अपने 100वें टूर खिताब पर होगी। जोकोविच को चौथी वरीयता दी गई है और वह उसी हाफ में हैं जिसमें दूसरी वरीयता प्राप्त स्थानीय दर्शकों के चहेते कार्लोस अल्कारेज होंगे। जोकोविच का मैड्रिड ओपन में जीत हार का रिकॉर्ड 30-9 का है। 37 वर्षीय जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रहे हैं। उन्होंने 2011, 2016 और 2019 में यहां खिताब जीते हैं। वह 2022 के सेमीफाइनल में अल्कारेज से हार के बाद यहां पहली बार खेलेंगे। हाल में म्यूनिख में खिताब जीतने वाले दुनिया के दूसरे नंबर के अलेक्जेंडर ज्वेरेव यहां शीर्ष वरीय होंगे, जबकि तीसरी वरीयता टेलर फ्रिट्ज को दी गई है।

कार्लोस को उम्मीद पांव की चोट नहीं करेगी परेशान

बार्सिलोना ओपन के दौरान अल्कारेज अपने दाएं पांव का इलाज करना पड़ा। अल्कारेज को उम्मीद है कि चोट उन्हें मैड्रिड में परेशान नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसा होता है कि जब आप बहुत ज्यादा मैच खेलो और आपको आराम करने के लिए कम दिन मिले।

राजस्थान रॉयल्स ने मैच फिक्सिंग की ?

अब बीसीसीआई ने दिया जवाब

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स का आईपीएल 2025 में प्रदर्शन खराब रहा है. लेकिन इससे भी बड़ी बात तो ये है कि इस टीम पर मैच फिक्सिंग का ही आरोप लग गया. अब बीसीसीआई के अधिकारी ने इस मामले में प्रतिक्रिया दी है.

राजस्थान रॉयल्स के दो मैच बेहद ही हैरान करने वाले रहे हैं. दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ इस टीम ने दो जीते हुए मैच गंवा दिए. लखनऊ के खिलाफ मिली हार के बाद राजस्थान रॉयल्स पर मैच फिक्सिंग जैसे गंभीर आरोप लगा दिए गए. राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एड-हॉक कमेटी के कन्वेनर जयदीप बिहानी ने आरोप लगाया कि राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ के खिलाफ 2 रन से जो मैच गंवाया वो फिक्स था लेकिन अब इस मामले में बीसीसीआई की प्रतिक्रिया आई है. बीसीसीआई ने मैच फिक्सिंग के आरोपों को बकवास बताया है.

मैच फिक्सिंग के आरोपों पर बीसीसीआई ने क्या कहा ?

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा कि मैच फिक्सिंग जैसी कोई चीज ही नहीं है. अधिकारी ने कहा, 'आरसीए में जल्द चुनाव होने वाला है और सबका ध्यान खींचने के लिए इस तरह के फर्जी बयान दिए जा रहे हैं.' अधिकारी ने आगे कहा कि बीसीसीआई की एंटी करप्शन बॉडी लगातार हर मैच पर नजर रखती है. मैच फिक्सिंग के आरोप पूरी तरह से गलत हैं. बता दें बीसीसीआई अधिकारी की ये प्रतिक्रिया राजस्थान रॉयल्स की शिकायत के बाद आई है. राजस्थान रॉयल्स ने जयदीप बिहानी की लिखित शिकायत बीसीसीआई से की थी.

राजस्थान रॉयल्स का है बुरा हाल

राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल 2025 किसी बुरे सपने से कम नहीं है. ये टीम 8 में से 6 मैच हार चुकी है, जिसमें से दो मैच तो उसने जीत की दहलीज पर पहुंचकर गंवा दिए.

राजस्थान ने चेन्नई और पंजाब को हराकर वापसी की उम्मीद जताई थी लेकिन इसके बाद वो लगातार तीन मैच हार गई. पहले आरसीबी ने उसे 9 विकेट से रौंदा और फिर दिल्ली कैपिटल्स ने उसे सुपर ओवर में मात दी. इसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स से उसे दो रनों से हार मिली, जबकि उसे आखिरी ओवर में 9 ही रन बनाने थे.

टीम इंडिया में पड़ी फूट! बीसीसीआई के फैसले की रोहित शर्मा को नहीं थी जानकारी

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान और मुंबई इंडियंस के ओपनर रोहित शर्मा ने आईपीएल में खराब फॉर्म से उबरते हुए जोरदार वापसी की है। लगातार दो मैचों में कम स्कोर बनाने के बाद रोहित ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 45 गेंदों पर नाबाद 76 रन की शानदार पारी खेली और मुंबई को 9 विकेट से जीत दिलाई। उनकी इस बेहतरीन पारी से फैंस खुश हो गए, लेकिन सबका ध्यान तब गया जब रोहित ने जीत के बाद इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी डाली। उन्होंने एक फोटो शेयर की और लिखा, "धन्यवाद, अभिषेक नायर!"

अभिषेक नायर पिछले आठ महीनों से टीम इंडिया के सहायक कोच थे, लेकिन हाल ही में बीसीसीआई ने उन्हें हटा दिया। ऐसा माना जा रहा है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन की वजह से उन्हें हटाया गया। रोहित की स्टोरी को लोग नायर के लिए एक खास समर्थन के रूप में देख रहे हैं।

नहीं ली गई रोहित शर्मा से राय

दैनिक जागरण की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने जब अभिषेक नायर को कोचिंग स्टाफ से हटाया तो उससे पहले रोहित शर्मा से कोई बात नहीं की गई। जबकि जब नायर को टीम में शामिल किया गया था, तब रोहित से राय ली गई थी।

रोहित की इंस्टाग्राम पोस्ट से साफ पता चलता है कि नायर को हटाने के फैसले से भारतीय टीम का पूरा मैनेजमेंट सहमत नहीं था। रिपोर्ट में लिखा है, "अभिषेक नायर को टीम में लाने का फैसला रोहित की मंजूरी से हुआ था, लेकिन उन्हें हटाने से पहले रोहित से कोई सलाह नहीं ली गई।"

भारत को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 1-3 से हार मिलने के बाद एक समीक्षा बैठक हुई थी। हालांकि उस वक्त कोचिंग स्टाफ के खिलाफ कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया क्योंकि चैंपियंस ट्रॉफी नजदीक थी।

अब जबकि भारतीय टीम आईपीएल की वजह से इस समय कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल रही है, बीसीसीआई ने पिछले हफ्ते एक्शन लिया। बैठक में टीम मैनेजमेंट के एक सदस्य ने ये भी शिकायत की थी कि ड्रेसिंग रूम की बातें मीडिया तक पहुंच रही हैं, जो चिंता का विषय है।

उठाए गए थे ये सवाल

नायर के साथ-साथ फील्डिंग कोच टी दिलीप और फिटनेस ट्रेनर सोहम देसाई को भी टीम से बाहर कर दिया गया था। हालांकि दिलीप और देसाई को उनके कार्यकाल खत्म होने के बाद हटाया गया, जबकि नायर को बीच में ही हटा दिया गया।

टीम मैनेजमेंट के एक सदस्य ने नायर की भरोसेमंद होने पर सवाल उठाया है। रिपोर्ट में कहा गया है, "टीम मैनेजमेंट के एक सदस्य ने पूछा, 'अगर नायर इतने भरोसेमंद थे, तो इंग्लैंड के खिलाफ जनवरी में हुई सीरीज के लिए सीतांशु कोटक को बल्लेबाजी कोच क्यों बनाया गया? यहां तक कि रोहित भी कोटक को टीम में लाने पर राज़ी हो गए थे।'"

आशीष नेहरा ने टीम बस में कराई तेल मालिश

आईपीएल में ये नवाबी देख हार्दिक पंड्या- युवराज सिंह से रहा नहीं गया

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 अब अपने बीच सफर में हैं. ऐसे में लगातार मैच और उसके लिए की लंबी यात्रा से थकान का होना लाजमी है. गुजरात टाइटंस के हेड कोच आशीष नेहरा ने अपनी उसी थकान को दूर करने के लिए आईपीएल 2025 के बीच चंपी यानी तेल मालिश कराई. आशीष नेहरा ने तेल मालिश कराने का वीडियो भी बनाया, जिसे उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. आईपीएल 2025 के बीच आशीष नेहरा की नवाबी को देख हर कोई दंग है. तेल मालिश का वीडियो इतना मजेदार है कि हार्दिक पंड्या और युवराज सिंह से तो उस पर रिएक्ट किए बगैर रहा नहीं गया.

आशीष नेहरा की नवाबी, टीम बस में कराई तेल मालिश

आशीष नेहरा की नवाबी गुजरात टाइटंस के टीम बस में देखने को मिली है. बस की पिछली सीट पर बैठकर उन्होंने जिस तरह से अपने सिर की तेल मालिश कराई है, वो यकीनन थकान मिटाने वाला है. हालांकि ऐसा करते हुए भी आशीष नेहरा ने अपने खिलाड़ियों के निर्देश देना जारी रखा. वीडियो को पोस्ट करते हुए आशीष नेहरा ने इसके बैकग्राउंड में तेल मालिश वाला गाना भी लगाया है. उन्होंने इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है- जब आप ज्यादा ट्रेवल कर लेते हैं तो!

आशीष नेहरा के इस वीडियो को हर किसी ने देखा. मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या की नजर जब इस पर पड़ी तो उन्होंने भी इमोजी के जरिए रिएक्ट किया. करेंगे भी कैसे नहीं, नेहरा जी उनके भी तो कोच रहे हैं. 2022 का आईपीएल हार्दिक पंड्या और आशीष नेहरा की जोड़ी ने ही तो गुजरात टाइटंस के लिए जीता था. हार्दिक पंड्या की ही तरह आशीष नेहरा के पक्के दोस्त युवराज सिंह ने भी इमोजी के जरिए अपनी भावनाओं का इजहार किया.

कोच आशीष नेहरा की टीम आईपीएल 2025 में जीत की पटरी पर सरपट दौड़ रही है. इस टीम ने अभी तक खेले 8 मैचों में 6 जीते हैं और ये पॉइंट्स टेबल में टॉप की पोजिशन पर है. इतना ही नहीं, इस टीम के खिलाड़ी भी परफॉर्मेन्स के मामले में ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस में आगे चल रहे हैं.

'थप्पड़ कांड' से गरमाया माहौल, सीधे जमीन पर गिरा खिलाड़ी

इस्लामाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल 10) में मगजब हो गया, जहां एक घटना ने सभी को चौंका दिया। यह घटना मुल्तान सुल्तान और लाहौर कलंदर्स के बीच हुए मैच में हुई, जब गेंदबाज उबैद शाह ने विकेट लेने के बाद अजीबोगरीब जश्न मनाया, जिसने एक अलग ही रूप ले लिया। यहां सैम बिलिंग्स को बॉलिंग कर रहे उबैद ने कामरान गुलाम के शानदार कैच की बदौलत बल्लेबाज को आउट कर दिया।

आउट होने के बाद शाह ने विकेटकीपर उस्मान खान को हमेशा की तरह हाई-फाइव देने के बजाय गलती से उनके सिर पर थप्पड़ मार दिया।

थप्पड़ लगते ही उस्मान तुरंत जमीन पर गिर गए। यह गजब वाकया सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

बिलिंग्स के विकेट से पलट गया मैच

बिलिंग्स का विकेट मुल्तान सुल्तांस के लिए काफी अहम था, क्योंकि वह मैच को उनसे दूर ले जाने लगे थे।

उन्होंने 23 गेंदों पर 43 रन बनाए, जिसमें चार छक्के और दो चौके शामिल थे। हालांकि, उनके आउट होने से लाहौर की दिक्कतें बढ़ गईं और आखिर में मुल्तान की टीम यह मैच 33 रनों से जीतने में सफल रही।

उबैद शाह ने की जोरदार गेंदबाजी

उबैद शाह बेशक अपने साथी खिलाड़ी को गलती से मारने की वजह से ट्रोल हो रहे हों, लेकिन उन्होंने शानदार गेंदबाजी करके अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने अपने कोटे के चार ओवरों में 37 रन देकर तीन अहम विकेट झटके। उन्होंने यहां बिलिंग्स के अलावा सलामी बल्लेबाज फखर जमान और डेरिल मिचेल के बड़े विकेट झटके। इन दोनों में से अगर कोई एक बल्लेबाज भी आखिर तक बैटिंग करता तो निश्चित तौर पर मुल्तान टीम की मुश्किलें बढ़ जातीं।

साइबर अपराध से निपटने के लिए दक्षिणी राज्यों में एकजुट मोर्चे की आवश्यकता : डीजीपी

दक्षिणी राज्य डीजीपी समन्वय सम्मेलन की त्रैमासिक बैठक आयोजित

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस ने दक्षिणी राज्य डीजीपी समन्वय सम्मेलन की क्षेत्रीय त्रैमासिक बैठक आयोजित की, जिसमें तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पुडुचेरी राज्य शामिल हैं। बैठक का उद्देश्य साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सदस्य राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाना था ताकि एक सुरक्षित डिजिटल भविष्य में योगदान दिया जा सके। चूंकि साइबर खतरे लगातार विकसित हो रहे हैं, इसलिए बैठक में साइबर अपराध से निपटने के उपायों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जैसे कि अंतर-राज्य समन्वय, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, बैंकिंग और दूरसंचार क्षेत्रों के साथ समन्वय, साइबर प्रशिक्षण और साइबर लचीलापन बढ़ाने के लिए सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना।

इसके अतिरिक्त, साइबर पीड़ितों को समय पर न्याय और सहायता प्रदान करने के लिए कानूनी ढांचे में अंतराल और प्रक्रियात्मक देरी पर चर्चा की गई। सदस्य राज्य न केवल सफल पहलों के साथ आगे आए, जिन्हें अन्य लोगों द्वारा अपनाया जा सकता है, बल्कि उन चिंता के क्षेत्रों पर भी विचार-विमर्श किया गया, जिन्हें बढ़ते साइबर अपराध पर बेहतर प्रतिक्रिया विकसित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर लिया जा सकता है। साइबर अपराध को सुविधाजनक बनाने के लिए क्रिप्टोकरेंसी के दुरुपयोग की बढ़ती चिंता पर भी चर्चा की गई और ऐसे अपराधों में शामिल बदमाशों को पकड़ने के लिए नई जांच पद्धतियों पर प्रकाश डाला गया। बैठक की अध्यक्षता तेलंगाना के डीजीपी डॉ. जितेंद्र ने की। उन्होंने कहा कि आज जब हम यहां एकत्र हुए हैं, तो साइबर अपराध से निपटने के लिए दक्षिणी राज्यों में एकजुट मोर्चे की आवश्यकता है। साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने और हमारे नागरिकों को उभरते खतरों से बचाने के लिए हमारी सामूहिक विशेषज्ञता का लाभ उठाया जाना चाहिए।

हमारे संयुक्त प्रयासों से हमारे क्षेत्र के लिए एक सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सकता है। शिखा गोयल आईपीएस, डीजी सीआईडी और निदेशक, टीजीसीएसबी (तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो) ने कहा कि "साइबर अपराध पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित करने के लिए, हमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई तकनीकों का लाभ उठाने और सामूहिक रूप से उभरते खतरों से आगे रहने के लिए आपस में कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी साझा करने की आवश्यकता है।" बैठक में आई4सी के सीईओ राजेश कुमार आईपीएस भी शामिल हुए, जिन्होंने कहा कि "आई4सी साइबर खतरों से निपटने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हुए राज्य-विशिष्ट पहलों का समर्थन करने के लिए अत्याधुनिक उपकरण और विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।" प्रत्येक राज्य के साइबर विंग के बीच सहयोग में सुधार करने, तेजी से जांच करने, खुफिया जानकारी साझा करने की सुविधा देने, आरोपी व्यक्तियों को पकड़ने, देरी को कम करने और साइबर पीड़ितों को त्वरित न्याय प्रदान करने के लिए दक्षिणी राज्यों के बीच एक क्षेत्रीय समन्वय प्रकोष्ठ बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में संदीप मित्तल, एडीजीपी साइबर क्राइम, तमिलनाडु, एच वेंकटेश, एडीजीपी साइबर क्राइम केरल, ए रवि कृष्ण आईपीएस, आईजीपी ईगल, आंध्र प्रदेश, मनोज के मीना , एसपी साइबर क्राइम, एएंडएन, अनूप शेट्टी , एसपी सीआईडी, कर्नाटक, एन चैतन्य , एसपी साइबर क्राइम पुडुचेरी, हर्षवर्धन, एसपी साइबर सिक्योरिटी, टीजीसीएसबी और देवेंद्र, एसपी साइबर क्राइम, टीजीसीएसबी शिखा गोयल, आईपीएस निदेशक, साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो उपस्थित रही।

"शैक्षणिक संस्थानों में प्रयोगशालाओं के बारे में कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा गांधी प्रौद्योगिकी संस्थान (स्वायत्त) ने राष्ट्रीय परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) के सहयोग से बुधवार को संस्थान परिसर में "शैक्षणिक संस्थानों में प्रयोगशालाओं के प्रत्यायन के बारे में जागरूकता और महत्व" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया है। एमजीआईटी के प्रिंसिपल प्रोफेसर जी चंद्र मोहन रेड्डी ने कार्यशाला के लिए दर्शकों का स्वागत किया और मान्यता के महत्व पर शिक्षित करने की पहल करने के लिए एनएबीएल के अधिकारियों को धन्यवाद दिया। एनएबीएल के सहायक निदेशक के. सिरी बाबू ने सभी श्रोताओं को शैक्षणिक संस्थानों में प्रयोगशालाओं को एनएबीएल द्वारा प्रमाणित करवाने के लाभों से अवगत कराया। उन्होंने आश्वासन दिया कि यह प्रमाणन बाद में प्रयोगशालाओं की क्षमता को बढ़ाएगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह प्रमाणन छात्र बिरादरी को लाभान्वित करेगा क्योंकि उन्हें परीक्षण विधियों में बनाए रखने के मानकों का पता चलेगा और बाद में वे गुणवत्ता विश्लेषक या शोधकर्ता बनेंगे। कार्यशाला में स्नातक छात्रों, बाहरी प्रयोगशालाओं से प्रतिभागियों और संस्थान के शिक्षण कर्मचारियों की भारी भागीदारी देखी गई। दर्शकों ने अपनी संतुष्टि व्यक्त की है क्योंकि संसाधन व्यक्ति के साथ बातचीत के माध्यम से उनके प्रश्नों का समाधान किया गया है।

अप्रैल के अंत तक तेलंगाना एसएससी परीक्षा 2025 के परिणाम आने की संभावना

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एसएससी सार्वजनिक परीक्षा 2025 के परिणाम इस महीने (अप्रैल) के अंत तक घोषित होने की संभावना है। सरकारी परीक्षा निदेशालय, जिसने दसवीं कक्षा की परीक्षाएं आयोजित की थीं, ने 15 अप्रैल को 19 स्पॉट मूल्यांकन शिविरों में उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूरा कर लिया। वर्तमान में, आंतरिक मूल्यांकन अंकों को जोड़ने सहित परिणाम प्रसंस्करण का कार्य किया जा रहा है। इस बार राज्य सरकार ने ग्रेडिंग सिस्टम को खत्म कर दिया है और छात्रों को अंक दिए जाएंगे। मौजूदा प्रणाली, जिसमें बाहरी परीक्षाओं के लिए 80 अंक और आंतरिक परीक्षाओं के लिए 20 अंक आवंटित किए जाते हैं, को इस शैक्षणिक वर्ष के लिए अपरिवर्तित रखा गया है, राज्य सरकार ने ग्रेड सिस्टम से अंकों को स्थानांतरित कर दिया है, जो एक दशक से चली आ रही प्रथा है।

पहलगाम आतंकी हमला पीड़ितों के लिए तेलंगाना भवन नई दिल्ली में हेल्पलाइन

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हाल में ही कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर, तेलंगाना सरकार ने एहतियात के तौर पर नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में एक हेल्पलाइन स्थापित की है, ताकि पीड़ितों में तेलंगाना के किसी निवासी के पाए जाने की स्थिति में सहायता की जा सके।अभी तक, घटना में तेलंगाना के किसी भी व्यक्ति के प्रभावित (घायल, लापता या मृत) होने की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, जनता की किसी भी चिंता को दूर करने और किसी भी घटनाक्रम के होने पर समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए हेल्पलाइन को सक्रिय किया गया है। नागरिक जानकारी या सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबरों पर श्रीमती वंदना: 9871999044, हैदर अली नकवी: 9971387500 से सम्पर्क किया जा सकता है। तेलंगाना भवन नई दिल्ली में वरिष्ठ अधिकारी जम्मू-कश्मीर राज्य प्रशासन के साथ-साथ केंद्रीय अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय में हैं और स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं।

सीएम ने यूपीएससी सिविल में चयनित "अभयहस्तम' के सात उम्मीदवारों की सराहना की

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राजीव गांधी सिविल अभयहस्तम योजना के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले सात उम्मीदवारों को सिविल सेवा परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के लिए बधाई दी है।

बुधवार को एक्स से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि तेलंगाना राज्य द्वारा इसकी शुरूआत के पहले ही वर्ष में इस योजना के सात लाभार्थियों को प्रतिष्ठित सिविल सेवा के लिए चुना गया। उन्होंने तेलंगाना और देश के अन्य हिस्सों के सभी सफल उम्मीदवारों को भी बधाई दी। रेवंत रेड्डी ने कहा, "मैं सभी उम्मीदवारों को शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि वे राष्ट्र की सेवा और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।" जिन उम्मीदवारों ने योजना के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त की और परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले में एट्टाबोयिना साई शिवानी, हरि प्रसाद पोथाराजू, प्रीति रपर्थी, नागराजा नाइक बनोथु, सूर्यतेजा थोगारू, अंजनेयुलु गोकमल्ला और रामतेनकी सुधाकर् शामिल हैं।

एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है, जहां हमलावरों ने कथित तौर पर धर्म की पहचान करने के बाद नागरिकों को निशाना बनाया।बुधवार को मीडिया से बात करते हुए ओवैसी ने कहा, "आतंकवादियों ने पहलगाम में निर्दोष लोगों से उनका धर्म पूछकर उनकी हत्या कर दी। हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं। हमें उम्मीद है कि सरकार इन आतंकवादियों को सबक सिखाएगी। हम प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता से खड़े हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।" ओवैसी ने हमले को एक गंभीर सुरक्षा चूक बताते हुए कहा, "यह भी एक खुफिया विफलता है, और नरेंद्र मोदी सरकार को अपनी निवारक नीति का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए।" उन्होंने जोर देकर कहा कि पहलगाम हमला उरी और पुलवामा में हुई पिछली आतंकी घटनाओं से भी ज्यादा निंदनीय है, क्योंकि हमलावरों ने कथित तौर पर सीमा पार से घुसपैठ की और जानबूझकर निहत्थे नागरिकों और पर्यटकों को निशाना बनाया। तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए एआईएमआईएम नेता ने केंद्र सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, "हम मोदी सरकार से जिम्मेदारी तय करने और भविष्य में ऐसे हमलों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग करते हैं।"

हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनाव में 78.57 प्रतिशत मतदान

मतगणना कल जीएचएमसी मुख्यालय में

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थानीय निकाय एमएलसी चुनाव के लिए बुधवार को मतदान सुचारू रूप से संपन्न हुआ।

चुनाव रिटर्निंग अधिकारी अनुराग जयंती ने शाम 4 बजे तक 78.57 प्रतिशत मतदान की सूचना दी। कुल 112 पात्र मतदाताओं में से 88 ने जीएचएमसी मुख्यालय में स्थापित दो मतदान केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया में भाग लिया। 112 मतदाताओं में से 31 पदेन सदस्य थे, जिनमें से 22 ने अपने वोट डाले। इसके अलावा, 81 पार्षदों में से 66 ने अपने वोट के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद की। चुनाव पर्यवेक्षकों और रिटर्निंग अधिकारी सुरेंद्र मोहन ने मतदान प्रक्रियाओं की निगरानी के लिए मतदान केंद्रों का दौरा किया। मतदान समाप्त होने के बाद, मतपेटियों को सुरक्षित रूप से रिसेप्शन सेंटर में ले जाया गया, जहां उनका निरीक्षण किया गया और फिर उन्हें स्ट्रांग रूम में संग्रहीत किया गया। स्ट्रांग रूम में पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मतगणना 25 अप्रैल को जीएचएमसी मुख्यालय के पंवार हॉल में सुबह 8 बजे शुरू होगी।

तेलंगाना की वारंगल सांसद, डॉ. कडियम काव्या, भोंनगिरी के सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी और खम्मम के सांसद रघुराम रेड्डी ने बुधवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से मुलाकात की और अपने क्षेत्र से संबंधित विभिन्न रेल विकास परियोजनाओं पर चर्चा की।

खुले दिमाग से विचार करने की आवश्यकता: कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी

सीएसआईआर में दो दिवसीय स्टार्टअप कॉन्क्लेव का समापन

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर ने हैदराबाद में दो दिवसीय स्टार्टअप कॉन्क्लेव का समापन किया। नवाचार और सहयोग का प्रदर्शन के साथ दो दिवसीय स्टार्टअप कॉन्क्लेव हैदराबाद 2025 बुधवार को संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवर अंतर्दृष्टि साझा करने, नेटवर्क बनाने और सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए एक साथ आए।

कार्यक्रम में सांसद, कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, "प्रदर्शनियों ने न केवल मुझे प्रभावित किया, बल्कि एक भारतीय के रूप में मुझे गर्व भी महसूस कराया"। उन्होंने यह भी कहा कि भारत स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से प्रधान मंत्री मोदी के व्यापक दृष्टिकोण द्वारा निर्देशित वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की एक नई पीढ़ी तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा, "हम पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को एक साथ जोड़ रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा कि, आजकल कई स्टार्टअप केवल व्यावसायिक सफलता पर केंद्रित हैं। हालांकि, शोध के लिए हमें सीखी हुई बातों को भूलकर खुले दिमाग से विचारों पर विचार करने की आवश्यकता है।

कॉन्क्लेव के दूसरे दिन स्टार्टअप की सफलता की कहानियां सामने आईं, जिन्होंने अपनी यात्रा के बारे में जानकारी साझा की, जिनमें कश्यप एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक किरण के.के.; फिक्स44 की वैज्ञानिक प्रमुख डॉ. वनिता उप्पाडा; कैलिचे के सीओओ और सह-संस्थापक श्री आनंद मैथ्यू और लाइटनिंग लाइव्स एलएलपी के संस्थापक डॉ. चांडक शामिल थे। इसमें एग्रीटेक, एआई, हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में काम करने वाली विभिन्न कंपनियों द्वारा स्टार्टअप पिच भी शामिल थीं। स्टार्टअप इकोसिस्टम में चुनौतियां और अवसर पर एक पैनल चर्चा का संचालन एआईसी-सीसीएमबी के सीओओ डॉ. रामजी पल्लेला ने किया।

पैनलिस्टों में श्रीहरि बाबू, संस्थापक और सीओओ, हाइकॉन लैब्स; डॉ. किशन गुर्रम, प्रबंध निदेशक और सीईओ, श्रावती एआई टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड; डॉ. रचना त्रिपाठी, सीईओ और संस्थापक निदेशक, ह्यूवेल लाइफसाइंसेज; डॉ. कविता वेमुरी, सहायक प्रोफेसर, पीएचडी, आईआईआईटी हैदराबाद और राजेश कुमार अदला, सीईओ, एआईसी-टी-हब शामिल रहे। पैनलिस्टों ने उद्योग संवाद शुरू करने के लिए सही समय की पहचान करने, नवाचार को सामाजिक और बाजार की जरूरतों के साथ जोड़ने और भारत की जोखिम-विरोधी मानसिकता पर काबू पाने जैसी प्रमुख चुनौतियों का पता लगाया। उन्होंने ग्राहक सत्यापन के महत्व, उपयोगकर्ता इनपुट के साथ मजबूत एमवीपी बनाने की आवश्यकता और स्टार्टअप यात्रा को बनाए रखने में दृढ़ता की भूमिका पर जोर दिया। चर्चाओं में गहन विज्ञान और फार्मास्युटिकल क्षेत्रों में प्रवेश, हाल के वर्षों में उद्यमशीलता की मानसिकता में बदलाव और इनक्यूबेटर और सरकारी पहल किस तरह फेलोशिप और फंडिंग के माध्यम से स्टार्टअप इकोसिस्टम का समर्थन कर रहे हैं, इस पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। मेजबान संस्थानों और स्टार्टअप्स की प्रौद्योगिकियों को उजागर करने वाला एक प्रदर्शनी मंडप भी आज प्रदर्शित किया गया, जो इन प्रयोगशालाओं में इनक्यूबेट किए गए थे या इन प्रयोगशालाओं की प्रौद्योगिकियों से निकले थे। माननीय मंत्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने स्टार्टअप्स और शोधकर्ताओं के साथ बातचीत की जिन्होंने अपनी प्रौद्योगिकियां और उत्पाद प्रस्तुत किए।

नागरिक उड्डयन मंत्री ने पीड़ितों की सहायता के लिए त्वरित कार्रवाई की

श्रीनगर से चार विशेष उड़ानों की व्यवस्था की गई

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कश्मीर में हुए दुखद आतंकी हमले के मद्देनजर, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने प्रभावित पर्यटकों और पीड़ितों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं। मंत्री ने व्यक्तिगत रूप से गृह मंत्री से बात की और संबंधित अधिकारियों के साथ निकट समन्वय में काम करते हुए चौबीसों घंटे स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। तत्काल राहत उपायों के हिस्से के रूप में, श्रीनगर से चार विशेष उड़ानें - दो दिल्ली और दो मुंबई के लिए - की व्यवस्था की गई है, साथ ही आगे की निकासी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त उड़ानों को स्टैंडबाय पर रखा गया है। राम मोहन नायडू ने सभी एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ एक तत्काल बैठक की और सर्ज प्राइसिंग के खिलाफ एक सख्त सलाह जारी की। एयरलाइनों को नियमित किराया स्तर बनाए रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस संवेदनशील समय के दौरान किसी भी यात्री पर बोझ न पड़े। इसके अतिरिक्त, राम मोहन नायडू ने सभी एयरलाइनों को राज्य सरकारों और स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाते हुए मृतक व्यक्तियों को उनके संबंधित गृह राज्यों तक पहुंचाने के लिए पूर्ण सहयोग देने का निर्देश दिया है।

प्रतिबंधित मेफेन्टरमाइन सल्फेट इंजेक्शन के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, साउथ जोन टीम के अधिकारियों ने मोगलपुरा/चंद्रयानगुट्टा पुलिस के साथ मिलकर दो आरोपियों को पकड़ा है। आरोपी जरूरतमंद ग्राहकों को मेफेन्टरमाइन सल्फेट इंजेक्शन खरीदकर ऊंचे दामों पर बेच रहे थे और अवैध तरीके से आसानी से पैसा कमा रहे थे। पहले मोगलपुरा पुलिस स्टेशन मामले में मोहम्मद जिब्रान अहमद उर्फ समीर गोली, उम्र 30 साल, निवासी मोगलपुरा, हैदराबाद को गिरफ्तार किया गया है। इसी तरह दूसरे मामले में चंद्रायनगुट्टा थाना क्षेत्र से अहमद कुरैशी, निवासी बालापुर आरआर जिले को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से 110 मेफेन्टरमाइन सल्फेट इंजेक्शन की शीशियाँ बरामद किया गया है। बरामद इंजेक्शन की कीमत 1 लाख 32 हजार रुपये है। पुलिस के अनुसार मोगलपुरा थाना क्षेत्र के मामले का आरोपी मोहम्मद जिब्रान अहमद उर्फ समीर गोली हैदराबाद में पैदा हुआ और वहीं पला-बढ़ा है।

उसे बॉडी बिल्डिंग के लिए जिम जाने की आदत है। कम समय में अपने शरीर की मांसपेशियों को बढ़ाने के लिए उसने ऑनलाइन माध्यम से मेफेन्टरमाइन सल्फेट इंजेक्शन खरीदना शुरू कर दिया और खुद को इंजेक्शन लगाना शुरू कर दिया। बाजार में इस तरह के इंजेक्शन की बहुत मांग है, उसने ऑनलाइन इंडिया मार्ट, नई दिल्ली से इंजेक्शन खरीदना शुरू कर दिया। बिना किसी वैध लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे के जरूरतमंद ग्राहकों को ऊंचे दामों पर बेचकर गोवलीपुरा मार्केट, मोगलपुरा के पास अवैध रूप से आसानी से पैसा कमा रहा था। इसी तरह चंद्रयानगुट्टा पीएस का आरोपी अहमद कुरैशी हैदराबाद में पैदा हुआ और पला-बढ़ा है। उसे बॉडी बिल्डिंग के लिए जिम जाने की भी आदत है। इसके अलावा, वह कम समय में अपने शरीर की मांसपेशियों को बढ़ाने के लिए खुद ही मेफेन्टरमाइन इंजेक्शन लगाने का आदी है। खुले बाजार में मेफेन्टरमाइन इंजेक्शन की भारी मांग है, उसने ऑनलाइन इंडिया मार्ट, नई दिल्ली के माध्यम से मेफेन्टरमाइन इंजेक्शन खरीदना शुरू कर दिया और इसे जरूरतमंद ग्राहकों को बेचकर अवैध रूप से भारी मुनाफा कमाया। इससे पहले वह मोगलपुरा पीएस की सीमा के तहत इसी अपराध में शामिल था।

सूचना के आधार पर, साउथ जोन टास्क फोर्स, हैदराबाद ने मोगलपुरा और चंद्रयानगुट्टा पुलिस के साथ मिलकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जब उनके पास इंजेक्शन थे और गोवलीपुरा और बरकास इलाकों से उन्हें जब्त कर लिया। पकड़े गए आरोपियों और जब्त की गई सामग्री को आगे की जांच के लिए एसएचओ, मोगलपुरा पीएस और एसएचओ चंद्रायनगुट्टा पीएस, हैदराबाद को सौंप दिया गया।

अपर पुलिस उपायुक्त, आयुक्त टास्क फोर्स, हैदराबाद शहर, आंदे श्रीनिवास राव ने बताया कि मेफेन्टरमाइन दवा के कारण कार्डियक अरेस्ट, हाई ब्लड प्रेशर आदि जैसे साइड इफेक्ट हो सकते हैं, डॉक्टर की सलाह के बिना इस्तेमाल की जाने वाली दवा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। मेफेन्टरमाइन सल्फेट इंजेक्शन (यह एक शेड्यूल एच ड्रग है - इसे केवल पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर के प्रिस्क्रिप्शन के साथ ही बेचा जाना चाहिए)। आरोपियों की गिरफ्तारी एस. राघवेंद्र, इंस्पेक्टर, एसआई एम. महेश, के. नरसिमुलु, जी. अंजनेयुलु, एन. नवीन और टास्क फोर्स के कर्मचारियों के साथ-साथ मोगलपुरा पुलिस और चंद्रायनगुट्टा पुलिस की देखरेख में की गई।

मारु सेन समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद
के तत्वावधान मे
चौहदवां भव्य जागरण एवं सेनजी महाराज जन्मोत्सव-2025
:कार्यक्रम: * कल जागरण शुक्रवार दि.25 अप्रैल 2025 प्रातः 9 बजे से *
(भजन गायकार: विक्रमजी प्रजापत सांचौर)
* सैन जयंती कार्यक्रम एवं महाप्रसादी प्रातः 11 बजे से *
:शुभस्थल: जगदीश मंदिर, लॉवर टैंकबंड, हैदराबाद
: निवेदन : समाज बन्धुओं से नम्र निवेदन है कि विज्ञापन को आमंत्रण मानकर कार्यक्रम मे सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे
:निवेदक: मारु सेन समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद के समस्त सदस्यगण
अध्यक्ष : श्री हनुमानराम तंवर Ph.No. 9618240231
उपाध्यक्ष : श्री नरेन्द्र चौहान Ph.No. 7981385114
Contact: 9849351230, 9000309375, 7680038641
: पेपर ऐड के लाभार्थी :
श्री नरेन्द्रजी सुपुत्रः स्व. श्री घन्नारामजी चौहान
पित्रकृपा ज्वैलर्स, पॉट मार्केट, सिकंदराबाद
P.Solankey

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.